



784-3
1991/2

საქართველოს მეცნიერებათა აკადემიის მაცნე
ИЗВЕСТИЯ АКАДЕМИИ НАУК ГРУЗИИ
PROCEEDINGS OF THE ACADEMY OF SCIENCES
OF GEORGIA

ЕПАПП
СЕРИЯ
ХИМИЧЕСКАЯ

1991 N4

თბილისი ტმან
ТБИЛИСИ - ТОМ
TBILISI VOL.

17

Известия АН Грузии, серия химическая
(на грузинском, русском и английском языках)

Известия АН Грузии
© Серия химическая, 1991

რედაქციის მისამართი:

380060, თბილისი-60, კუტუზოვის ქ. 19, ოთახი 18
ტელ. 37-86-78

Адрес редакции:

380060, Тбилиси 60, Кутузова 19, комната 18
тел. 37-86-78

Корректор Б. Григашвили

Сдано в набор 08.10.91. Подписано в печать 16.12.91
Формат 70×108¹/₁₆. Вумага № 1. Высокая печать.
7,0 усл.-печ. л., 7,53 кр.-отт. 6 уч.-изд. л.
Тираж 1100 экз. Заказ 2241. Цена 1 руб.

გამომცემლობა „მეცნიერება“, თბილისი, 380060, კუტუზოვის ქ., 19
Издательство «Мецниереба», Тбилиси, 380060, ул. Кутузова, 19

საქართველოს მეცნიერება
Издательство АН Грузии, Тбилиси, 380060, ул. Кутузова, 19

თ. ანდრონიკაშვილი (რედაქტორი), თ. აგლაძე, ა. ავალიანი, ი. ბარათაშვილი, ფ. ბროუჩეკი (სწავლული მდივანი), გ. გველესიანი, ვ. ერისთავი, შ. ხიდამონიძე, გ. ქემერტელიძე, გ. ცაგარეაშვილი, გ. ცინცაძე (რედაქტორის მთაღვილე), გ. ცინცაძე (რედაქტორის მთაღვილე), ლ. ხანანაშვილი, ქ. ჯაფარიძე (რედაქტორის მთაღვილე), ლ. ჯაფარიძე

პასუხისმგებელი მდივანი ვ. შუბლაძე

19.805

РЕДАКЦИОННАЯ КОЛЛЕГИЯ

Т. Г. Андronikashvili (редактор), Т. Р. Агладзе, А. Ш. Авалиани, И. Б. Бараташвили, Ф. И. Броучек (ученый секретарь), Г. Г. Гвелесиани, К. Г. Джапаридзе (зам. редактора), Л. Н. Джапаридзе, Э. П. Кемертелидзе, Ш. И. Сидамонидзе, Л. М. Хананашвили, Г. В. Цицишвили, Г. В. Цинцадзе (зам. редактора), Г. В. Цагареишвили, В. Д. Эристави.

Ответственный секретарь В. В. Шубладзе

EDITORIAL BOARD

T. G. Andronikashvili (Editor), T. G. Agladze, A. Sh. Avaliani, I. B. Baratashvili, F. I. Brouchek (Scientific Secretary), G. G. Gvelesiani, K. G. Japaridze (Associate Editor), L. N. Japaridze, E. P. Kemertelidze, Sh. I. Sidamonidze, L. M. Khananashvili, G. V. Tsitsishvili, G. V. Tsintsadze, (Associate Editor), G. V. Tsagareishvili, V. D. Eristavi

Executive Secretary V. V. Shubladze

ეურნალის სპონსორია ს/ზ „სამთო ქიმია“

Спонсор журнала ПО «Грузгорнохимпром»

სპონსორის საკურადღებოდ

ეურნალ „მაცნე, ქიმიის სერიის“ წლიური ფასია 10 მანეთი. იმ პირებს, რომლებმაც ეურნალი გამოიწერეს და გადახადეს 4 მანეთი, გთხოვთ მიბრძანდეთ „სიოუპეჩატის“ განყოფილებებში და გააგრძელოთ ხელმოწერა. წინააღმდეგ უმთხვევებში ხელმომწერები ეურნალის წლიურ კომპლექტს ვერ მიღებენ.

ეურნალის რედაქციებია

დანართის მიზანის
მიმღებელი
გთხოვთ მისამართი

ଆରାମରହାରୁଣ୍ଡି ଓ ଅନୁଲିଳିର କିମଦି

ଅନ୍ଧରାନ୍ଧିକାଶ୍ଵରିଲୋ ତ., ଗ୍ରେଲେସିଂକାନ୍ଦି କ., କାର୍ପିନ୍ଡି ଲ., କାଗାନ୍ଦି ମ. କର୍ଣ୍ଣୀଶ୍ଵରିଲୀସ ନିମ୍ନମେହରେବିଲି ଦୟାଗ୍ରହା ତ୍ରେଵାର୍କରିନ୍ଦ୍ରାଲୁହ ଉଦ୍ଧରାବ ଫୁଲାଙ୍କି ବିନିରାଜ କରିମା-
ଶ୍ରୋଗରାତ୍ମାଶି 250
ବାକିରୀଠୀ ମ., ଲାଲୁପୁରାଶ୍ଵରିଲୋ ତ., ଥୁମିଲାଙ୍କି ଏ., ଶାଗାନ୍ଦିଶ୍ଵରିଲୋ ଏ. ଘା-
ଲୁମିଶିଲ ଫୁଲିଭୁଲିଶ୍ଵରିଲୀସ ମେରାମେହରେବିଲି ଉଲ୍ଲେଖିରିବ୍ରକ୍ଷମିନ୍ଦୁରି ଭାବୁରିନିତ ମିଲ୍ଲେମ୍ବୁଲି ଶମ୍ଭୁ-
କିଲ ଭାବୁରିନିତ ଉଲ୍ଲେଖିରିବ୍ରକ୍ଷମିନ୍ଦୁରି ମେହରେବିଲି 253

ରହାଶ୍ଵରି କିମଦି

କାଗନ୍ଦି ଏ., ଗ୍ରେଲେସିଂକାନ୍ଦି ବ., ପିନ୍ଧାନ୍ଦି ଶ୍ଵରିଲୋ ଗ. ବିଲୁନ୍ଦିଲି
ଅନ୍ଧରାନ୍ଧିକାଶ୍ଵରିଲି ଦୟାଗ୍ରହାତ୍ମିକାଶ୍ଵରିଲି ନିମ୍ନମେହରେବିଲି ଉଲ୍ଲେଖିରିବ୍ରକ୍ଷମିନ୍ଦୁରି
ଲି ଭାବୁରିନିତ ଉଲ୍ଲେଖିରେବିଲି 259
ବାକିରୀଠୀ ମ., ଲାଲୁପୁରାଶ୍ଵରିଲୋ ଥ., ଥୁମିଲାଙ୍କି ଏ., ଶାଗାନ୍ଦିଶ୍ଵରିଲୋ ଏ,
ଶ୍ରେଷ୍ଠାମାନ୍ଦି ଏ., ଶ୍ରେଷ୍ଠାମାନ୍ଦିଶ୍ଵରିଲୋ 263
ଶିତାମାନ୍ଦି ଏ., ଶିତାମାନ୍ଦି ଏ., ପିନ୍ଧାନ୍ଦି ଏ. ବାଲି ଶିତାମାନ୍ଦିଶ୍ଵରିଲୋ
ଲାଲୁମିଶିଲ ମିଲିଶିଲିଶ୍ଵରିଲୀସ ମିନିରେଶି 275
ଗୁରୁତ୍ବରୀ ଏ., ଗୁରୁତ୍ବରୀ ଏ., ପିନ୍ଧାନ୍ଦି ଏ., ଗୁରୁତ୍ବରୀ ଏ. ବିମ୍ବରିଲୁଲି
ଶିରାଲୁପିଲାରିଶ୍ଵରିଲି ଭାବୁରିନିତ ଉଲ୍ଲେଖିରେବିଲି 279

ତିକଟିଲିନିଧି

ଗ୍ରେଲେସିଂକାନ୍ଦି କ., ମାନ୍ଦ୍ରାନ୍ଧି କିମଦି ବିଲୁନ୍ଦିଲି ମିଲୁନ୍ଦିଲି ପୁରୀ-
ରିନ୍ଦୁଲି ଉଲ୍ଲେଖିରିବ୍ରକ୍ଷମିନ୍ଦୁରି ଶିଶ୍ରୀଗ୍ରାମି 280

ଆଶିକିଶରି କିମଦି

ଶାଲଦାମ୍ବାକ୍ଷି କ., ଗ୍ରେଲେସିଂକାନ୍ଦି ଗ., ପିନ୍ଧାନ୍ଦିଶ୍ଵରିଲୋ ଗ. Mn-Si-Ca-O-C ବିଲୁନ୍ଦିଲି
ଶିରୁଲି ତ୍ରେଵାର୍କରିନ୍ଦ୍ରାଲୁହ ଅନିଲିନ୍ଦି 293
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 300
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 305
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 308
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 308

ମୁଖ୍ୟ ବିଶେଷିତ

କ୍ରେମରିଟେଲୋକ୍ଷି ଏ., ଗୁରୁତ୍ବରୀ ଏ., ପିନ୍ଧାନ୍ଦି ଏ. ଶ୍ରେଷ୍ଠାମାନ୍ଦି ଲାଲୁମିଶିଲ
Digitalis cilata-ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି 310
ଲାଲାକ୍ଷିଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି Yucca Gloriosa-ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲି 311
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 315
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 318
ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ ପାଶାର୍କାଶ୍ଵରିଲୋ 319

СОДЕРЖАНИЕ

НЕОРГАНИЧЕСКАЯ И АНАЛИТИЧЕСКАЯ ХИМИЯ

Андроникашвили Т. Г., Гвелесиани З. А., Кикнадзе Л. О., Дзагания М. А. Разделение изомеров крезола методом газовой хро- матографии на жидкокристаллической неподвижной фазе	247
Бахтадзе М. В., Лаперашвили Т. А., Сагинашвили И. Н., Мумладзе А. Н. Электрические свойства диодов Шоттки, полученных электрохимическим осаждением металлов на фосфиде галлия	257

ОРГАНИЧЕСКАЯ ХИМИЯ

Дзагнидзе И. В., Елисеева В. И., Цомая Н. И., Миндиашви- ли Г. С. Исследование процесса формирования покрытий при электро- осаждении эпоксилиоксановых олигомеров на медный анод	264
Апхазава П. Н., Гаголишвили М. Ш., Бериашвили Г. Г., Чирак- адзе Г. Г. Фотостабильность некоторых азокрасителей с различными заместителями	268
Битиев Ш. Г., Чивадзе В. Г., Цивадзе А. Ю. Синтез нового поли- эфирного лиганда и его ионоселективные свойства	270
Гигаури Р. И., Гвахария В. Г., Долидзе Л. Д., Гигаури Р. Д. Окисление симметричных триалкиларсенитов азотной кислотой	276

ТЕХНОЛОГИЯ

Гвелесиани Дж. Ф., Мампория М. Г. Изучение стабильности фторид- ного электролита для получения высокочистого хрома	287
---	-----

ФИЗИЧЕСКАЯ ХИМИЯ

Багдададзе Д. И., Гвелесиани Г. Г., Цамалаидзе Л. В. Термиче- ское моделирование системы Mn—Si—Ca—O—C	289
Цагарейшвили Д. Ш., Цагарейшвили Г. В., Тушишвили М. Ч. Упругие и термоупругие характеристики субоксида бора в широком ин- тервале температур	295
Винокур К. Д., Джапаридзе К. Г., Чилая Г. С., Шарашидзе Л. К., Элашвили З. М. Новые оптически активные соединения для индукции сегнетоэлектричества в жидкокристаллах	302
Сидамонидзе Ш. И., Цицишвили Г. В., Глоити Г. О., Марчилა- швили К. М., Матушевская М. П. Адсорбция воды на $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ керамике	306

КРАТКИЕ СООБЩЕНИЯ

Кемертелидзе Э. П., Гвазава Л. Н., Алания М. Д., Жекозид и диги- цитрин из листьев <i>Digitalis ciliata</i>	309
Далакишвили Ц. М., Пхенидзе Т. А. Исследование жирнокислотного и стеринового состава листьев <i>Yucca Gloriosa L.</i>	311
Гамзиани Г. А., Джибути Л. Л., Бокучава С. Д. Количественное описание теоретически допустимых внутримолекулярных превращений органических соединений	313
Русанов А. Л., Джакишвили К. Т., Буличева Е. Г., Лекаев Т. В., Едлинский Э. Я., Кереселидзе М. К. Новые бис(эфиро- нафтальевые ангидриды) на основе хлораля	316

C O N T E N T S



INORGANIC AND ANALYTICAL CHEMISTRY

Andronikashvili T. G., Gvelesiani Z. A., Kiknadze L. O., Gzagania M. A. Separation of cresol isomers by gas chromatography on liquid crystalline stationary phase	251
Bakhtadze M. B., Laperaashvili T. A., Mumladze A. N., Saginashvili I. N. The properties of Schottki barrier creation on the base of gap by electrochemical deposition of metals	257

ORGANIC CHEMISTRY

Gzagnidze I. V., Yeliseeva V. I., Tsomaya N. I., Min- diashvili G. S. The investigation of the formation process of coating at electroprecipitation of epoxysiloxane oligomers on copper anod	265
Apkhazava P. N., Gagolishvili M. Sh., Beriashvili G. G., Chirakadze G. G. Photostability of azo dyes bearing different substituents	266
Bitiev Sh. G., Chivadze W. G., Tsivadze A. Yu. Synthesis and ion-selective properties of new polyetheral ligand	275
Gigauri R. I., Gvakharia V. G., Dolidze L. D. Gigauri R. D. Oxidation of symmetric threalkylarsenites with nitric acid	279

TECHNOLOGY

Gvelesiani J. F., Mamporia M. G. The study of fluoride electro- lite stability for high-purity chromium production	287
---	-----

PHYSICAL CHEMISTRY

Bagdavadze J. I., Gvelesiani G. G., Tsamalaidze L. V. Complete thermodynamic analysis of the system Mn-Si-Ca-O-C	294
Tsagareishvili D. Sh., Tsagareishvili G. V., Tushish- hvili M. Ch. Elastic and thermoelastic characteristics of boron suboxide in wide ranges of temperatures	301
Vinokur K. D., Japaridze K. G., Chilaya G. S., Sharashidze L. K., Elashvili Z. M. The new optically active materials for induction of ferroelectricity in liquid crystals	305
Sidamonidze Sh. I., Tsitsishvili G. V., Glonti G. O., Marchilashvili K. M., Matushevskaya M. P. Water adsorp- tion on $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ ceramics	308

SHORT COMMUNICATIONS

Kemertelidze E. P., Gvazava L. N., Alania M. D. Jaceosid and digicitrin from the leaves of <i>Digitalis Ciliata</i>	310
Dalakishvili T. S. M., Pkheidze T. A. The study of fatty acid and sterine contents of the leaves of <i>Yucca Gloriosa L.</i>	312
Gamziani G. A., Djibuti L. L., Bokuchava S. D. The quanti- tative description of theoretically possible intermolecular transmutations of organic compounds	315
Rusanov A. L., Jashashvili K. T., Bulycsheva E. G., Le- kaev T. V., Edlinsky Z. Ya., Kereslidze M. K. New bis (ethernaphthalene anhydrides) on the basis of chloral	318



НЕОРГАНИЧЕСКАЯ И АНАЛИТИЧЕСКАЯ ХИМИЯ

УДК 543:547.543.544

Т. Г. АНДРОНИКАШВИЛИ, З. А. ГВЕЛЕСИАНИ, Л. О. ҚИКНАДЗЕ,
| М. А. ДЗАГАНИЯ

**РАЗДЕЛЕНИЕ ИЗОМЕРОВ КРЕЗОЛА МЕТОДОМ ГАЗОВОЙ
ХРОМАТОГРАФИИ НА ЖИДКОКРИСТАЛЛИЧЕСКОЙ
НЕПОДВИЖНОЙ ФАЗЕ**

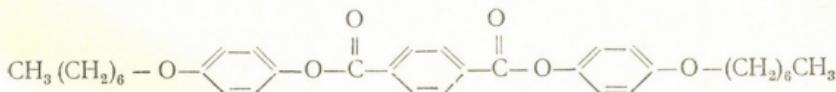
Основной задачей хроматографии является разделение смеси на составляющие ее компоненты. Значительные успехи газовой хроматографии в последние годы связаны как с появлением новых высокоеффективных капиллярных колонок, так и высокоселективных стационарных фаз. Все это в сумме позволяет решить такую сложную аналитическую задачу, как разделение смеси изомерных соединений (в том числе и стереоизомеров).

Особое место среди селективных фаз, характеризующихся высокой разделяющей способностью по отношению к смеси изомеров, занимают жидкие кристаллы, которым свойственно наличие метаморфизма — переходного состояния между кристаллической и жидкой фазой [1].

Специфичность взаимодействия жидких кристаллов с компонентами разделяемых смесей обусловлена не полярностью, а геометрией (размером, формой) молекул веществ, входящих в состав как подвижной, так и неподвижной фаз.

Жидкие кристаллы находят применение не только в газовой, но и тонкослойной хроматографии [2].

Целью нашей работы было исследование возможности применения жидкого кристалла — гидрохинон-бис-(*n*-гептилоксифензоата) с температурой плавления 120° и температурой изотропности 195° в качестве стационарной фазы для разделения изомеров крезола.



С аналитической точки зрения разделение изомеров крезола является одной из трудных задач. В настоящее время для разделения этой смеси применяются различные физико-химические методы, например, такие как кристаллизация под высоким давлением [3], аддуктивная кристаллизация [4], разделение путем комплексообразования [5, 6]. Среди этих методов по своей эффективности весьма перспективна хроматография, как жидкостная [7, 9], так и газовая [10].

В последнем случае разделение крезолов было проведено на стеклянной насадочной колонке (2 м×4 мм), заполненной графитированной сажей Карбонакс (800—100 меш), модифицированной 0,1% Sp—1000 [10].

В данной работе хроматографическое разделение смеси крезолов осуществлялось как на капиллярной, так и насадочной колонке.

Стеклянная капиллярная колонка (СКК) была изготовлена из стекла пирекс, длиной 50 м, с внутренним диаметром 0,25 мм. Предварительно внутренняя поверхность капилляра была обработана реак-

тивами, в виде следующих растворов: 1% HF, метанол, 1% KOH, 14% NH₄OH, в указанной последовательности. Затем колонка промывалась дистиллированной водой.

Заполнение СКК раствором неподвижной фазы (НФ) проводилось при температуре 120—135° в термостате хроматографа [11]. Был приготовлен 5% раствор жидкого кристалла гидрохинон-бис-(п-гентилюксизобеноат) в диметилформамиде ($t_{кип}$ — 153°). Заполнение СКК раствором НЖФ (динамическим методом) было закончено после того, как на выходе из колонки собралось не менее 1,5 мл раствора. Удаление остаточного растворителя — диметилформамида производилось кондиционированием колонки при температуре 150—160° в токе газа-носителя (Ar). Эксперимент проводился на хроматографе марки «ЛХМ-8МД». Детектор — пламенно-ионизационный, расход газа-носителя (He) — 1 см³/мин.

В случае насадочной колонки жидкий кристалл наносился в количестве 5% на твердый носитель Хроматон-N-super (зернением частиц 0,25—0,315 мм). Эксперимент осуществлялся на хроматографе марки «Биохром-1». Детектор пламенно-ионизационный, оптимальный расход газа-носителя (He) в течение эксперимента 30 см³/мин.

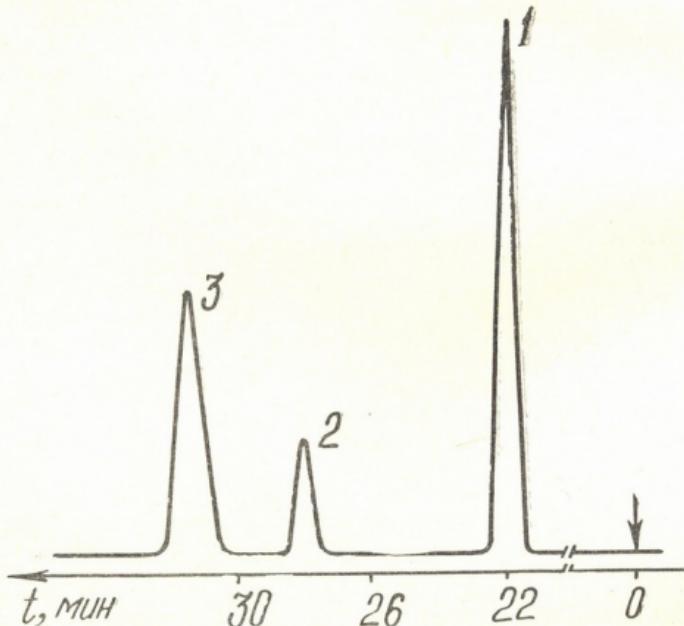


Рис. 1. Хроматограмма смеси крезолов на ЖКНФ для СКК, длина колонки 50,0 м, газ-носитель — гелий, температура колонки 160°. Компоненты смеси: 1 — п-крезол
2 — о-крезол, 3 — м-крезол

На рис. 1 приведена хроматограмма разделения изомеров крезола на капиллярной колонке при температуре 160°. Последовательность элюирования изомеров крезола п-, о-, м- нехарактерна для насадочной колонки, заполненной графитированной сажей (о-, м-, п-) [10].

Коэффициенты разделения для пара-ортого и орто-мета крезола числены по формуле [12]:

$$K_{2,1} = \frac{t_{R_2} - t_{R_1}}{\mu_{0,5}^2 + \mu_{0,5}^1} \cdot B,$$

где t_R — время удерживания пиков; $\mu_{0,5}$ — полуширина пиков; B — скорость диаграммной ленты, мм/с. Для капиллярной колонки — $K_{n-o} = 78,4$; $K_{o-m} = 18,8$; для насадочной колонки — $K_{o-m,n} = 0,3$ (пим изомеры на этой колонке не разделяются).

Эффективность колонки (число теоретических тарелок, приходящееся на один метр длины колонки) определяли по формуле [12]:

$$N = 5,5 \left(-\frac{t'_R}{\mu_{0,5}} \right) / L$$

Для капиллярной колонки по п-крезолу $N = 650$. Эффективность насадочной колонки по п-крезолу $N = 355$.

Индексы Ковача для СКК определяли по формуле [12]:

$$I_x = 100 \frac{l_g t'_R - l_g t'_{(n)}}{l_g t'_{(n+1)} - l_g t'_{(n)}} + 100 n$$

Для пара-, орто- и метакрезолов получили соответственно:

$$I_{n-kp} = 1507, \quad I_{ok-p} = 1677, \quad I_{m-kp} = 1713$$

Толщину слоя неподвижной фазы для СКК определяли по формуле [12]:

$$d_f = \frac{C}{100 d} (0,265 \bar{U} + 0,25),$$

где C — концентрация раствора, d — диаметр колонки (0,25 мм), \bar{U} — линейная скорость перемещения раствора через колонку в процессе нанесения НФ (3—4 см³/сек). Она равна $d_f = 2$ мкм.

Коэффициент равномерности определяли по формуле [12]:

$$\Delta = n_k \cdot \tau \cdot K / t, \quad \text{где } t = t_R + 1/B$$

n_k — число пиков, τ — ширина наименее размытого пика, измеренная на высоте, соответствующей необходимой четкости разделения, K — степень разделения наихудшим образом разделяемой пары компонентов, B — скорость диаграммной ленты (мм/с); t — продолжительность анализа, равная сумме времени удерживания последнего компонента и продолжительности элюирования половины основания зоны этого вещества; 1 — соответствующее расстояние на картограмме. Коэффициент равномерности для смеси изомеров крезола в случае СКК равен $\Delta = 0,2$, соответственно для насадочной колонки $\Delta = 0,02$.

На рисунке 2 приведена хроматограмма разделения изомеров крезола на насадочной колонке при температуре 130°. Как яствует из хроматограммы, имеет место частичное разделение орто- от мета-пара крезолов. С повышением температуры разделение ухудшается.

Сравнение результатов, полученных на капиллярной и насадочной колонках, показывает, что, несмотря на невысокую эффективность СКК, имеет место полное разделение изомеров крезола, что свидетельствует о высокой селективности данной жидкокристаллической фазы по отношению к изомерам. Эффективность и разделяющая способность насадочных колонок не могут быть увеличены путем их удаления из-

за большого перепада давления, что, в свою очередь, ухудшает разделение.

Увеличение эффективности капиллярной колонки может быть осуществлено уменьшением толщины слоя пленки неподвижной фазы (так

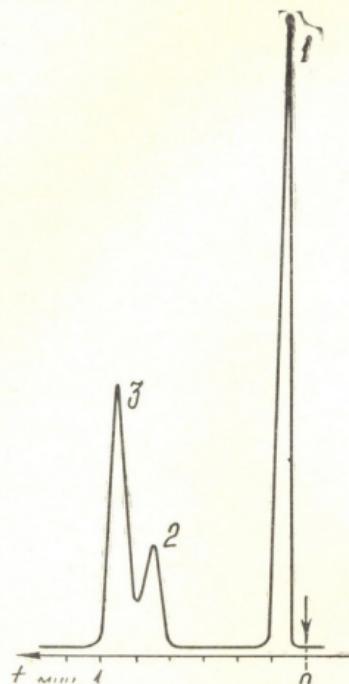


Рис. 2. Хроматограмма смеси крезолов на ЖКНФ для насадочной колонки; длина колонки 1,0 м, газ-носитель—гелий, температура колонки 130°. Компоненты смеси: 1—этанол, 2—о-крезол, 3—м-, п-крезол

как по уравнению Голея ВЭТТ пропорциональна квадрату толщины пленки), что также в значительной мере уменьшает время анализа вышеуказанной смеси.

Институт физической и органической химии им. П. Г. Меликишвили АН Грузии

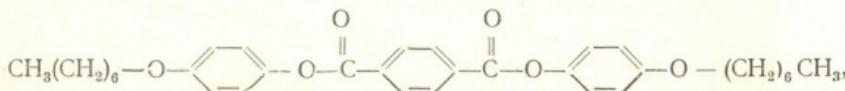
Поступило 15.12. 1989

©. ანდონიძევალი, ზ. გვივარები, ლ. პიპაძე, გ. ქაჩახვა

კრისტოფილი იზომერების დაზოვა თხევადერისტურ უქრავ ცაჲაზ
აირად კრომატოგრაფიაზი

რ ე ზ ი უ მ ე

შესწავლით თხევადი კრისტალის, ჰიდროქინონ-ბის-(3-ჰექტილოქსიბენ-ზოატი)-ს;



აირად ქრომატოგრაფიაში სტაციონარულ ფაზად გამოყენების შესაძლებლობები გარეთ აღნიშნული თხევადი კრისტალის ნემატურ ფაზაში ყოფნის ტემპერატურული ინტერვალია 120—195°C-მდე.

კვლევები ჩატარდა „LHM—8MD“ მარკის ქრომატოგრაფზე (კაპილარული ქრომატოგრაფი) და „Biochrom-1“ მარკის ქრომატოგრაფზე (შევსებულ სვეტებინი ქრომატოგრაფი). სვეტების სიგრძე 50 მ და 1 მ, შესაბამისად დურექტორიალურ-იონიზაციური. საანალიზოდ აღებული იყო კრეზოლის იზომერები.

კაპილარულ და შევსებით სვეტებზე მიღებული შედეგების შედარებამ გვიჩვენა, რომ მიუხედავად კაპილარული სვეტის დაბალი ეფექტურობისა, ხდება კრეზოლის სამივე იზომერის სრული დაყოფა, რაც მიუთითებს აღნიშნული თხევადკრისტალური ფაზის მაღალ სელექტურობაზე იზომერების მიმართ.

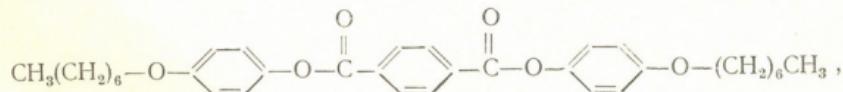
შევსებულ სვეტებზე კრეზოლის იზომერების დაყოფა ხდება შემდეგი თანამიმდევრობით: ۳—۲, ۳ (უკანასკნელი ბინარული ნარევი პრეტიკულად არ იყოფა). შევსებული სვეტის ეფექტურობა და დაყოფის უნარი არ შეიძლება გაიზარდოს მისი დაგრძელების გზით წნევის დიდი მერყეობის გამო, რაც თავის მხრივ აუარესებს დაყოფის პროცესს.

T. G. ANDRONIKASHVILI Z. A. GVELESIANI, L. C. KIKNADZE,
M. A. DZAGANIA

SEPARATION OF CRESOL ISOMERS BY GAS CHROMATOGRAPHY ON LIQUID CRYSTALLINE STATIONARY PHASE

Summary

The goal of this paper is the investigation of the possible use of the liquid crystal hydrochynone-bis-(p-heptyloxybenzoat)[†]



with melting temperature 120°C and isotropy temperature 195°C as a stationary phase for separation of cresol isomers.

Cresol mixture was separated chromatographically on both capillary and packed column.

The glass capillary column (GCC) was made of pyrex glass, 50m long, with the inner diameter 0.25mm. The 5% solution of liquid crystal in dimethylformamide was prepared and the column was filled at 120—130°C in the chromatograph thermostat. The experiment was carried out on chromatograph LHM—8MD with flame-ionization detector, and the gas-carrier expenditure (He) 1cm³/min.

In the case of the packed column the solid carrier-chromaton-N-Super (particle granulation 0.25—0.315mm) was coated by 5% quantity of liquid crystal. The experiment was carried out on „Biochrom—1“ chromatograph, with flame-ionization detector, the gas-carrier expenditure (He) being 30 cm³/min during the whole experiment.



The comparison of the results obtained on capillary and packed columns shows, that despite not high efficiency of GCC, cresol isomer separation was complete, which is indicative of high selectivity of the liquid crystalline phase in respect to the isomers. Partial separation of o-from p-and m-isomers takes place on the packed column (the latter binary mixture is eluted in the form of one peak—there is no separation).

The efficiency and the separating capacity of packed columns can not be increased by their lengthening because of high pressure differential, that in its turn deteriorates separation.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Анионикашвили Т. Г., Арутамова Л. Г., Султанов Н. Т., Маркарян К. Г. Жидкие кристаллы в капиллярной хроматографии. Мецнисеба, Тбилиси, 1982, 99.
2. Witkiewicz Z. Journal of Chromatography, 1989, 466, 37—87.
3. Tsudzura Katsuhiko, Kogaku to Rōgē. Chem. and Chem. Ind., 1988, 41, 1, 157—159
4. Ghosh A. K., Roy M. B., Bhattacharjee G. Fuel Sci. and Technol., 1986, 6, 1, 27—31.
5. Goldberg J., Stein Z., Tanaka K., Toda F. J. Ind. Phenom., 1988, 6, 1, 15—30.
6. Тода Фумио, Танака К. Заявка 60—112730, опубл. 19.06.85 МКИ С 07 39/07, С 07 С 37/86.
7. Smidl P., Pecka K., Suma S. Ropa a uhlie, 1987, 29, 12, 700—704.
8. Tomkins Bruce A., Senbins Roger A. J. Assoc. Offic. Anal. Chem., 1984, 67, 5, 919—923.
9. Kostenko V. G. J. Chromatogr., 1986, 355, 1 296—301.
10. Zowall H. Chem. anal. (PRL), 1983, 28, 1—2, 141—144
11. Гвелесани З. А., Кикнадзе Л. О. Известия АН Грузии, сер. хим., 1989, 3, т. 15, 229—230.
12. Вигдергауз М. С. Расчеты в газовой хроматографии. М., 1978, 30.



რაც 621. 382. 2:541. 1

ა. ბახტაძე, თ. ლაცერაშვილი, გ. შუმლაძე, ი. საჩინაშვილი

**გალიუმის ფოსფიდზე მეტალების ელექტრონობილობი
დაფარით მიღებული ზორტის დიოდების ელექტრული
თვისება**

მეტალისა და ნახევარგამტარის კონტაქტი არის თანამედროვე მიკროელექტრონიკის უმნიშვნელოვანესი ელემენტი, რომელთა გამმართველ კონტაქტს შეიძინა შოტკის დიოდს უწოდებენ. შოტკის დიოდების ელექტრული პარამეტრები ძალიან მგრძნობიარება ნახევარგამტარის ზედაპირის მდგომარეობის მიმართ. ზედაპირის ტექნოლოგიური დეფექტები, უანგისა და მინარევების არსებობა ხელს უშლის შოტკის ბარიერის ფიზიკური ბუნების გამოვლენას. ამიტომ დიოდებს დამზადებისას დიდი მნიშვნელობა აქვს ტექნოლოგიური პროცესების შეტჩივას.

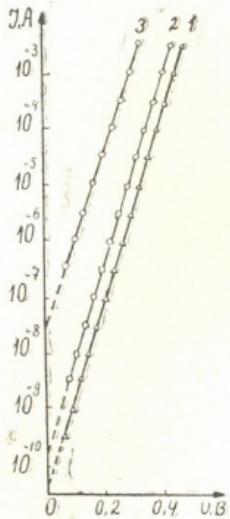
მეტალისა და გალიუმის ფოსფიდის კონტაქტზე შოტკის ბარიერის დაშალების ელექტროქიმიური მეთოდი, რომლის საშუალებით მიღებული დიოდების ფიზიკური მასასიათებლები დაკავატურად აღიწერებიან მეტალისა და ნახევარგამტარის უშუალო კონტაქტის თეორიული მოდელით [1], აღწერილი იყო შრომაში [2], ამ შეთოვდით მიღებული შოტკის დიოდების (In|GaP, Ga|GaP, Ni|GaP, Cu|GaP, Pt|GaP) ელექტრული და ფოტოელექტრული მახასიათებლების ანალიზისა და იმხანად არსებული თეორიული მოდელების ძირითადი დებულებების შეჯერების ბაზაზე ნაჩვენები იყო [3], რომ შოტკის ბარიერის სიმაღლე ძლიერად დამკინდებული მეტალიდან ელექტრონის გამოსვლის მუშაობაზე, რაც ეწინააღმდეგებოდა A^3B^5 ფაფის ნახევარგამტარებზე დამზადებული შოტკის ბარიერის სიმაღლის უცვლელობის შესახებ [3, 5] ლოტერატურაში დაკვიდრებულ აზრს. ეს ფაქტი შემდეგ იქნა დადასტურებული [6].

შრომაში მოცემულია გალიუმის ფოსფიდზე In-ის, Ga-ისა და მათი მეტალი სნარის InGa-ის GaP-ზე ელექტროქიმიური მეთოდით შოტკის დიოდების მიღების ტექნოლოგია და მათი ელექტრული თვისებები.

ექსპერიმენტში გამოყენებული იყო p-ტიპის GaP, (111) კრისტალური ორიენტაციითა და ელექტრონების კონცენტრაციით ($2-4 \cdot 10^{17} \text{ см}^{-3}$). გალიუმის ფოსფიდის ფირფიტები იშლიაფებოდა 250—300 მე-ის სისქემდე M7 მიკროფენილით და პრიალდებოდა აღმასის პასტით AM1. ერთ ზედაპირზე უკეთებობოდა ომური კონტაქტი In-ის შეცხობით წყალბადის ატმოსფეროში 5 წუთის განმავლობაში. ზედაპირი ომური კონტაქტითა და მასზედ მირჩილული მავთულით იფარებოდა ქიმიურად მდგრადი ლაქით. ფირფიტის მეორე ზედაპირი იწამლებოდა სნარში HCl+HNO₃(3 : 1), ირეცხებოდა დასტილირებულ წყალში და სწრაფად თავსდებოდა ელექტროლიტში, რომელიც გარდა დასაფენი მეტალის ან მეტალთა ჯგუფის ატმობისა შეიცავდა ნახევარგამტარის ზედაპირის ელექტროქიმიურ მწამელელს NaOCl. ამრიგად, ჭრ

ხდებოდა ნახევარგამტარის ზედაპირის ელექტროქიმიური გასუფთავები შემდეგ მეტალის დაფენა გასუფთავებულ ზედაპირზე.

In-ის ან Ga-ის გახსნით 7—8 მლ კონცენტრირებულ მარილმჟავაში. ელექტროლიტის ემატებოდა NaOH 2 მგ/ლ ისეთი რაოდენობით, რომ ელექტროლიტის მუვანინობის შესაბამისი $P_{\text{H}} = 1,5$. დენის გატარებისას ელექტროლიტში ფორმირდება კომპლექსი NaOCl, რაც, როგორც ცნობილია [7], A^3B^5 ჯგუფის ნახევარგამტარებისათვის წარმოადგენს ელექტროქიმიურ მუმვლელს. InGa-ის დასაფენად გამოყენებოდა ელექტროლიტი, რომელიც წარმოადგენდა ინდიუმის დასაფენი ელექტროლიტისა და გალიუმის დასაფენი ელექტროლიტის ნარევს.



ჩა. 1. შოტკის დიოდების 1—In|GaP, 2—Ga|GaP,
3—InGa|GaP კოლტაპერული მახასიათებელი

ნახევარგამტარის ზედაპირის ელექტროქიმიური გასუფთავებისას ნახევარგამტარზე მოდებული იყო ~ 1 ვ სიძიდის დაფენითი პოტენციალი. 5—10 წუთის შემდეგ ძაბინის მიმართულება იცვლებოდა საჭინააღმდეგოდ და მეტალის დაფენა ხდებოდა ეტაპიზრივად. ნახევარგამტარის ზედაპირზე კრისტალური ჩანასახების წარმოსაქმნელად ჯერ გატარებული იყო მცირე დენი 0,1—0,5 მა/სმ² სიმკვრივით, ხოლო შემდეგ ელექტროლიზის პროცესის დაჩქრების მიზნით დენის სიმკვრივე თანდათან იზრდება 5—7 მა/სმ²-მდე. დაფენა ხდებოდა ოთახის ტემპერატურაზე. ანდად გამოყენებული იყო პლატინა. მეტალის ფენის სისქის რეგულირება ხდებოდა დაფენის ღროს ცვლილებით. ლაპარ ფირფიტას ცილდებოდა მექანიკურად და აცეტონში წამოდულებით. ჩის შემდეგაც ფირფიტა ამუშრი და ბარიერული კონტაქტებით იჭრებოდა (2—4) მმ² ფართობის ნიმუშებად. მათი ელექტრული მახასიათებლები იზომებოდა ოთახის ტემპერატურაზე.

შოტკის დიოდების In/GaP, Ga/GaP, InGa/GaP კოლტაპერული მახასიათებელი ნახევრადლოგარითმულ მასშტაბში მოცემულია ნახ. 1-ზე. რო-

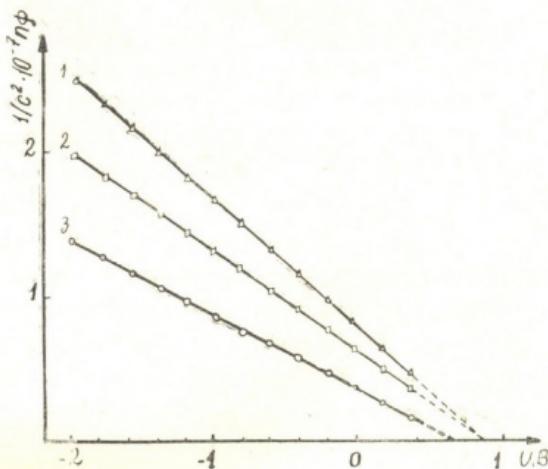
გორც ჩანს, დამკიდებულება დენის სიდიდესა (გამტარი მიმართულებით) და
დიოდზე მოდებულ ძაბვას შორის $U > \frac{3kT}{e}$ -თვის აღიწერება ექსპონენცია-
ლური კანონით [8]:

$$I = A^* T^2 \exp \left(-\frac{e\Phi_B}{kT} \right) \exp \left(\frac{eU}{nkT} \right),$$

სადაც A^* არის რიჩარდსონის მუდმივას ეფექტური მნიშვნელობა, T — აბსო-
ლუტური ტემპერატურა, k — ბოლცმანის მუდმივა, e — ელექტრონის მუხტი,
 n — არაიდეალურობის კოეფიციენტი, Φ_B — მოტენციალური ბარიერი, არაიდე-
ალურობის კოეფიციენტის მნიშვნელობა ახლოსაა ერთან (შ = 1,05 ± 0,02), ამ
შემთხვევაში პოტენციალური ბარიერის განსაზღვრა შესაძლებელია ფორმუ-
ლით

$$\Phi_B (I - U) = \frac{kT}{e} \ln (SA^* T^2 / I_0),$$

სადაც S არის გამმართველი კონტაქტის ფართობი. რიჩარდსონის მუდმივას
ეფექტური მნიშვნელობა $A^* = 150,8 \text{ A/S}^2 \text{J}^2$.



ნას. 2. შოტკის დიოდების 1—In|GaP, 2—Ga|GaP, 3—InGa|GaP
ვოლტტევადური მახსიათებელი

მე-2 სურათზე მოცემულია გამოსაკვლევი ნიმუშების ვოლტტევადური მა-
ხსიათებელი კოორდინატებში $(U, \frac{1}{C^2})$. ამ დამკიდებულებიდან ბარიერის
სიმაღლე გამოთვლილი იყო ფორმულით

$$\Phi_B (C - U) = U_0 + E_F + \frac{kT}{e},$$

სადაც E_F ფერმის დონეა, ექსპერიმენტში გამოყენებული ნიმუშებისათვის
 $E_F + \frac{kT}{e} = 0,1$ ვვ. ვოლტამპერული მახსიათებლიდან და ვოლტტევადური მა-

ხასიათებლიდან გამოთვლილი ბარიერის სიმაღლე ერთმანეთს უმთხვევა და  ტენციალური ბარიერის სიდიდე InGa/GaP შოტკის დიოდებისათვის ნაკლები აღმოჩნდა ბარიერის სიმაღლეზე In/GaP და Ga/GaP დიოდებში

$$\Phi_{BInGa/GaP} = 0,64 < \Phi_{BIn/GaP} \approx \Phi_{BGa / GaP} = 0,8 \text{ ვ}$$

ამ შედეგის ახსნა ვერ ხერხდება მეტალისა და ნახევარგამტარის გამყოფ ზედაპირზე შოტკის ბარიერის ჩამოყალიბების ვერც ერთი თეორიული მოდელის ფარგლებში [9—15]. ველდებით ავსნათ დეფექტურ მოდელზე [12] დაყრდნობით იმ დაშვებით, რომ მეტალისა და GaP-ის გამყოფ ზედაპირზე მიმდინარე ფიზიკურ-ქიმიური პროცესებისა და ბარიერის სიმაღლეს შორის ურთიერთყველირი ხორციელდება ნახევარგამტარის ზედაპირზე არსებული დეფექტების საშუალებით. დეფექტები შეიძლება იყოს სტრუქტურული, ანტისტრუქტურული, მინარევები და მათი კომპლექსები. ამ დეფექტების შესაბამისი ენერგეტიკული მდგომარეობები აქტიურულ ზონაშია და ღრმა დონეებს ქმნიან. ისინი ადგენენ ენერგეტიკულ ზოლს აქტიურულ ზონაში, რომელიც ხსიათდება ელექტრონების დონით ფი, რაზეც ხდება ფერმის დონის დაბმა მეტალის მხრიდან. ბარიერის სიმაღლე ბარდინის მოდელის [4] ონაშენებში განისაზღვრება ფორმულით

$$\Phi_B = E_g - \Phi_0,$$

სადაც E_g — ნახევარგამტარის ექტიულული ზონის სიგანეა.

ცნობილია, რომ მეტალისა და გალიუმის ფოსფიდის გამყოფ ზედაპირზე შოტკის ბარიერის ფორმირებაში არსებითია ნახევარგამტარის ზედაპირზე და მის მიმდებარე ფენებში არსებული დეფექტები, რომელთანაც დაკავშირებულია გამტარებლობის ზონის მინიმუმიდან 1,1 ევ-ით დაშორებული ზედაპირული მდგომარეობები [13]. ჩვენი აზრით, ელექტროლიზისას დასაფენა მეტალის ატომები ფარავენ ამ დეფექტებს, ქმნიან მიკროკლასტრებებს და შემდგომში მათი გეომეტრული ზომების გაზრდისას ხდება მათი შეტყუმა და მთლიანი, ერთგვაროვანი, პრიალა მეტალური ფენის მიღება. ბარიერის სიმაღლე იმ მეტალების დაფენისას, რომლებიც ურთიერთქმედებაში არ შედიან ზედაპირულ დეფექტებთან, მუდმივი რჩება $\Phi_B = 2,3 - 1,1 = 1,2$ ევ. როგორც ცნობილია, ასეთ ბარიერს იძლევიან ერთმანეთისაგან ელექტროლოგითობითა და სხვა პარამეტრებით განსხვავებული მეტალები (Au, Ni, Cu, Pd) ინდიუმისა და გალიუმის დაფენისას ეს მეტალები შეიძლება ურთიერთქმედებაში შევიდნენ ნახევარგამტარის ზედაპირზე არსებულ სტრუქტურულ ან ანტისტრუქტურულ (V_{Ga} , V_P , P_{Ga} , Ga_P) დეფექტებთან და მათი კონცენტრაციის ცვლილების შედეგად გამოიწვიოს ზედაპირული ელექტრონული მდგომარეობების ენერგეტიკული სპექტრის გადაწყვილება ისეთნაირად, რომ ელექტრონების ცნობის ენერგიამ Φ_0 გადაინაცვლოს $\Delta\Phi$ სიდიდით, მაშინ ბარიერი იქნება

$$\Phi_B = E_g - (\Phi_0 + \Delta\Phi),$$

ე. ი. შეიძლება ბარიერის სიმაღლე მნიშვნელოვნად შეიცვალოს. In-ისა და Ga-ის ერთდროული მიწოდებით შეიძლება ზედაპირული მდგომარეობების ისეთი ცვლილება მოხდეს, რომ ელექტრონებისტრალობის ენერგიამ გადაიწიოს ერთი მიმართულებით უფრო მეტად, ვიდრე ცალკე In-ის ან Ga-ის ატომების მიწოდებით შესაბამისი ზედაპირული დეფექტების ცვლილების გამო.

ამრიგად, გალუბის ფოსფიდზე შეტაღების ელექტროქიმიური დაფულების შეცველი შოტკის დიოდების თვისებების შესწავლის საფუძველზე შეტაღება და განვითარება, რომ შეტაღისა და GaP-ის ურთიერთქმედება შოტკის ბარიერის ჩამოყალიბებისას ხდება ზედაპირზე არსებული დიფერენციალური ალებით.

საქართველოს მეცნიერებათა აკადემიის
კიბერნეტიკის ინსტიტუტი

შემოსულია 26.07.1990

19. 805
M. V. BAXTADZE, T. A. LAPERASHVILI, I. N. SAGINASHVILI,
A. N. MUMLADZE

ЭЛЕКТРИЧЕСКИЕ СВОЙСТВА ДИОДОВ ШОТТКИ, ПОЛУЧЕННЫХ ЭЛЕКТРОХИМИЧЕСКИМ ОСАЖДЕНИЕМ МЕТАЛЛОВ НА ФОСФИДЕ ГАЛЛИЯ

Резюме

Исследованы вольтамперные и вольтемкостные характеристики диодов Шоттки, полученных электрохимическим осаждением металлов In, Ga и их сплавов In_xGa_{1-x} на электролитически очищенную поверхность фосфида галлия. Показано, что в едином технологическом процессе проведение электрохимического травления поверхности полупроводника и осаждение металла из электролита, который содержит травящий комплекс $NaOCl$ и осаждаемый металл, дает возможность получить диоды Шоттки с коэффициентом неидеальности ($n=1,05\pm 0,02$).

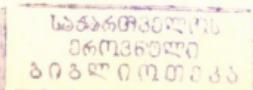
Высота барьера диодов Шоттки, полученная осаждением металлических сплавов In_xGa_{1-x} , оказалась существенно меньше, чем высота барьера, полученная осаждением только In и Ga. Это явление объясняется дефектной моделью формирования потенциального барьера на границе раздела металла с полупроводником.

M. V. BAKHTADZE, T. A. LAPERASHVILI, A. N. MUMLADZE,
I. N. SAGINASHVILI,

THE PROPERTIES OF SCHOTTKI BARRIER CREATION ON THE BASE OF GAP BY ELECTROCHEMICAL DEPOSITION OF METALS

Summary

The dependence of current and voltage capacity of Schottky barrier obtained by electrochemical deposition of metals In, Ga and their alloys In_xGa_{1-x} on GaP has been revealed. The preliminary electrolytic cleaning of GaP right before the process and deposition of the metal from electrolit containing metal and NaOCl complex has given the possibility of obtaining Schottky diodes with non ideal coefficient ($n=1,05\pm 0,02$). InGa/GaP Schottky barrier have significantly lower barrier then In/GaP and Ga/GaP. The results approved the idea, that characteristics of GaP metal interface is in a good agreement—with defect model of Schottky barrier formation.



1. Милнес А., Фойхт Д. Гетеропереходы и переходы металлы-полупроводник. М.: Мир, 1975.
2. Бахадзе М. В., Лаперашвили Т. А. Изв. АН ГССР, серия химич., 1985, II, 4, 306—308.
3. Лаперашвили Т. А., Накашидзе Г. А. ЖТФ, 1985, т. 55, стр. 732—735.
4. Bardeen J. Phys. Rev., 1947, v. 71, № 10, p. 717—728.
5. Monch W. Thin solid films, 1983, v. 104, p. 285—289.
6. Charadia P., Brilson L. J. Vac. Sci. Technol., v. 3. (4) № 8, p. 1075—1079, 1987.
7. Wayne R. D., Hold H. W., Edward M. T. Pat. USA kl. 104 — 129. 75 9(B 23 003) № 3791948, 1974.
8. Зи С. Физика полупроводниковых приборов, М.: Мир, 1984, 1.
9. Schottki W. Z. fur Phys., 1939, 113, 5, 367—414.
10. Kurtin S., Mogill T. C. Mead C. Phis. Rev. Lett. 1969, 22, 26, 1433—36.
11. Brilson L. J. Phys. Rev. Lett. 1978, 40, 260—264.
12. Spieer W. E., Lindau L., Su C. Y. Phis. Rev. Lett. 1982, 44, 465—468.
13. Freouf J. L., Woodall J. M. Appl. Phis. Lett. 1981, 39(9), 727—729.
14. Tersoff J. Phys. Rev. Lett. 1984, 52, 465—468.
15. Spicer W. E., Lulentzal-Weber, Weber E. J. Vac. sci. and technol., 1988, v. 6(4), p. 1245—1251.
16. Allen R. E., Sankey O. F., Dow J. D. Surf. sci., 1986, 168, 375—385.

ო რ გ ა ნ ე რ ი ძ ი მ ი ა

საქ 678.027

ი. ქაგიძე, გ. მლიშვილი, ნ. ცოხაია, გ. მილიაშვილი

საილუმინის ანოდზე ვასტაციის ილოკანი რღვივოვარიას
ელექტროდალექტისას მიღებული დანაზარის ფორმირების
პროცესის კვლევა

ლითონის ზედაპირზე ელექტროდალექტის მეთოდით პოლიმერული დანა-
ფარების ფორმირება წარმოადგენს რთულ პროცესს, რაც დაკავშირებულია
სხვადასხვა ფიზიკურ-ქიმიურ გარდაქმნებთან, რომლებიც მიმდინარეობს ერთ-
დროულად ელექტროდალექტისა და ელექტროლიზისას პირო-
ბებში.

ცნობილია მთელი რიგი წყალში ხსნადი კომპონიციები ელექტროდალექ-
ტისათვის, რომლებმაც მრეწველობის სხვადასხვა დარგში ჰპოვა გამოყენება
ლითონის ზედაპირის იგრესიული გარემოს ზემოქმედებისაგან დასაცავად. შეს-
წავლილია პოლიელექტროლიტის /1, 2/ და ლატექსის /3/ წყალში ხარებიდან
ელექტროდალექტის მეთოდით ლითონის ზედაპირზე პოლიმერული დანაფარის
ფორმირების მექანიზმი. ფართო პრაქტიკული გამოყენება, ქვეთ აგრეთვე წყალ-
შემცველი ორგანული სისტემებიდან პოლიმერის ელექტროდალექტით მიღე-
ბულ დამცავ დანაფრებს. უკანასკნელ წლებში დიდი ყურადღება ექცევა
ელექტროდალექტის ხერხით დანაფარების ფორმირების მექანიზმის შესწავლას.
დანაფარი, რომელიც პოლიმერების (ოლიგომერების) ნარევების წყალ-ორგა-
ნული დისპერსიებიდან /4—6/ მიიღება, მაღალი ელექტროსაიზოლაციით თვისე-
ბებით გამოიჩინება.

ჩვენი სამუშაოს მიზანს წარმოადგენდა სპილენძის ანოდზე ეპოქულური
და სილოკსანური ლოიგომერების წყალ-ორგანული დისპერსიული ნარევები-
დან ეპოქულოკსანური კომპონიციური მასალის ელექტროდალექტის პრო-
ცესის კვლევა და მათ საფუძველზე მიღებული თერმოგამყარებული პოლიმე-
რული დანაფარების სხვადასხვა თვისებების შესწავლა.

პოლიორგანოსილოქსანები, ორგანული პოლიმერებისაგან განსხვავებით,
მთელი რიგი ძეირული თვისებებით (თერმო-, ატმოსფერო-, სინათლისა და
წყლის მიმართ მედეგობით) /7, 8/ და მაღალი დიელექტრული მაჩვენებლებით
ხასიათდებიან /9, 10/. აქვე აღსანიშნავია, რომ პოლიორგანოსილოქსანებისათვის
დამახასიათებელია არასაქმარისა და არა ზოგ შემთხვევაში ზღუდავს მა-
თი გამოყენების სფეროს, მაგრამ ამ ნაკლის კომპენსირება შესაძლებელია მათ
მაკრომოლეკულაში რეაციის სუნარიანი ფუნქციონალური ეპოქულური გენ-
ფების შეუვანით. შესწავლილია შემდეგი კომპონიციები: 1 — ეპოქულური
ოლიგომერის ეD-20-სა და ოლიგოფენილეტოქსისილოქსანის (მოდიფიკატორი-
113—65) ნარევი (A), რომელსაც უმატებენ კარბოქსილური ეპოქულური
მარკის) პოლიეთერულ ფის (B), II-ოლიგოფენილეტოქსისილოქსანები (ოლი-
გოფენილეტოქსი-სილოქსანების) ეპოქულური ეპოქულური, რომელსაც უმა-
ტებენ ვაპ-0179 მარკის პოლიეთერულ ფის (კომპონიცია B).

დისპერსიის დასამზადებლივ პოლიეთერულ ფისის წყალხსნას შეურე-
ვენ კომპონიციის A ან (B) კომპონენტის წყალ-აცეტონიან ნარევს. კომპონენ-

ტებს შორის შეფარდება როგორც I, ასევე II კომპოზიციაში შეაღენდა A (ან B) კომპონენტი: პოლიეთერული ფისი (25—75): (75—25). დისპერსიული ფაზის კონცენტრაცია კი 7,5—18 %. კომპოზიციის კომპონენტების შეტევასთვის იყენებენ მაგნიტურ ან პროპელერის ტიპის ლაბორატორიულ სარეველას. მიღებული დისპერსიების pH-ს ვზომავდით ლაბორატორიულ pH-მეტრზე (pH-340 მარკის).

დისპერსიის ხელით ელექტროგამტარობას (H) ვიკალევდით მათი ელექტრული წინააღმდევგბის შესწავლის გზით სპეციალურ უქრედში მოთვესებული ცლატინის ელექტროდებით და რეოქორდლულ ბოგირ p-38-ის გამოყენებით.

წყალ-აცეტონის გარემოში დისპერსიული ფაზის ნაშილაკების ელექტროკინეტიკურ პოტენციალს (ჰ-პოტენციალი), ვზომავდით მოძრავი საზღვრის მეთოდით. გვერდით სითხედ ვიყენებდით ზემოაღნიშნული კომპოზიციის დისპერსიულ გარემოს. ელექტროფორეზულ მილში საზღვრის გადანაცვლების სიჩქარის მონაცემებზე დაკვირვებით ვსაზღვრავდით ელექტროკინეტიკურ პოტენციალს [11].

ელექტროფორორეზული ნალექის გამოსავალი გაითვლებოდა წონითი მეთოდით. თერმოგამყარების შემდეგ დანაფარის სისქეს ვზომავდით MK 0—25 ტიპის მიკროსისქისმზომით; ელექტრომახასიათებლებს, წყალმედევნობასა და აღჭენის ესაზღვრავდით სტანდარტული მეთოდებით.

ცხრილი 1

დისპერსიის ფიზიკურ-ქიმიური დახასიათება

დისპერსიის №	დისპერსი-შემადგენლობა, (მას)	D, 10 ⁻⁶ , მ	pH	ელექტროგამტარობა, მმ ⁻¹ . მ ⁻¹ . 10 ⁻⁸ (15°C)	პოტენციალი, (მვ)
I	1:3 (A:B)	0,98	7,6—8,0	—	40—45
II	1:3 (B:B)	1,29	6,0—7,0	1467	50—55

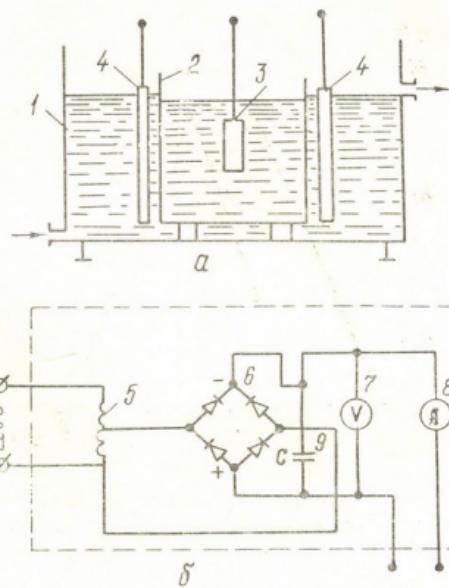
შენიშვნა: დისპერსიის ნაშილაკების ზომა ისაზღვრებოდა მომზადებილი 3 დღე-ლამის შემდეგ.

საკვლევი დისპერსიის მახასიათებლები მოყვანილია ცხრ. 1, ელექტროდალექვას ვაწარმოებდით მუდმივი ძაბვის რეჟიმში, სპეციალურ ლაბორატორიულ დანადგარზე, რომლის სქემა მოყვანილია ნახ. 1.

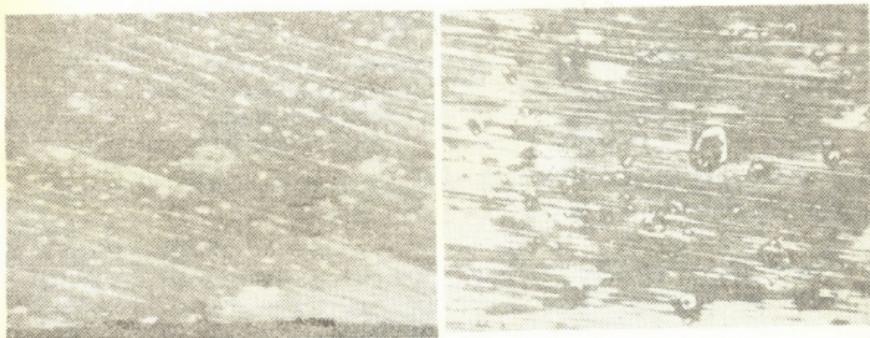
დანადგარი შედგება აბაზანისაგან /ნახ. 1a, 1/, რომელშიც ისხმება გამოხდილი წყალი; მასში არის სპეციალური დიალიზური უქრედი 3, დამზადებული კატიონგაცვლითი მემბრანისაგან. უქრედი ივება ელექტროფორორეზული დისპერსიით და ადგენენ სქემას (ნახ. 1 ბ), ანოდად გამოყენებულია 18 სმ² ფართის სპილენის ფირფიტა, კათოდად კი უუანგავი ფოლადის ორი ფირფიტა-2, რომელიც მოთავსებულია გამოხდილი წყლის აბაზანაში — დიალიზური უქრედის მახლობლად. აბაზანის ტემპერატურა 20±2°.

ელექტროდალექვის წინ ვახდენდით სპილენის ფირფიტის ცხმილგაცვლას. ელექტროფორორეზული ნალექის ფორმირების შემდეგ დაფარულ ნიმუშებს ვიღებდით აბაზანიდან, დაუმაგრებელ შერს ჩამოვრეცხავდით გამოხდილი წყლით. ნალექს ვაშრობდით ოთახის ტემპერატურაზე 10 წუთის განმავლობაში, შემდეგ ვახდენდით თერმულ გამყარებას 180—185° ტემპერატურაზე 80—90 წუთის განმავლობაში.

ნახ. 2. წარმოდგენილია I და II დისპერსიის ნაწილაკების ელექტრონული მიკროფორმოგრაფია, მიღებული დისპერსიული ფაზის შემდეგი თანაფარ-დობისას A : B, B : B = 1 : 3 (სურ. 2ა და 2ბ) შესაბამისად. გამოყენებული იყო



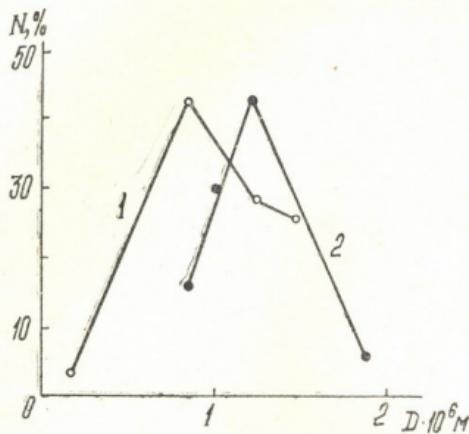
ნახ. 1. ელექტროდალუეტის დანადგარის სქემა



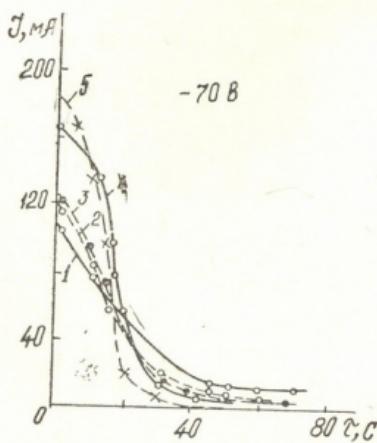
ნახ. 2. I (2ა) და II (2ბ) დისპერსების ნაწილაკების ელექტრონული მიკროფორმოგრაფები დისპერსიი დამზადების 24 საათის შემდეგ. ამ ნაწილაკების შედგენილობა სხვა-დასხვაა, პირველ შემთხვევაში (დისპერსია 1) იგი საშკომპონენტიანია, მეორე შემთხვევაში კი ორკომპონენტიანი (დისპერსია II).

ნახ. 3. წარმოდგენილი ჰისტოგრამები გვიჩვენებს, რომ ორივე დისპერსია ძირითადად მონოდისპერსულია, თანაც ნაწილაკების საშუალო დიამეტრი II დისპერსიისათვის რამდენადმე უფრო დიდია, ვიდრე 1 დისპერსიისათვის. თერ-მოგამყარებული დანაფარების თვისებები უმთავრესად დამოკიდებულია პოლი-ეთერული ფისისა და ეპოქსიდური ოლიგომერების ფარდობაზე.

ნახ. 4 წარმოდგენილია დენის ძალის დაცემის კინეტიკური მრუდები 1 და II დისპერსიის ელექტროდალექვისას სპილენძის ანოდზე, A და B ოლი-



ნახ. 3. ეპოქსისოლოქსანური თლიგომერების დისპერსიების ნაში-ლაკების განაშილება ზომების მიხედვით: 1—I დისპერსია; 2—II დისპერსია

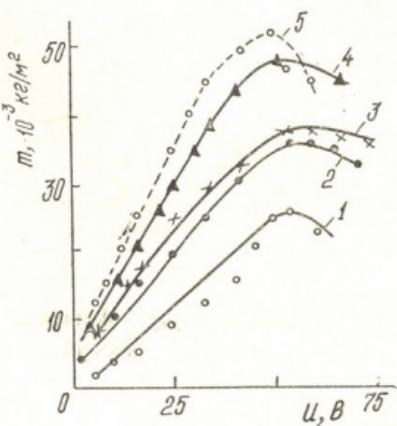


ნახ. 4. წყალ-აცეტინის დისპერსიონან სპილენძის ანოდზე ეპოქსისოლოქსანური თლიგომერების ელექ-ტროდალექვის პროცესში ელექტროდენის ძალას ცვლილების დამკიდებულება დროზე: I დისპერ-სია—A:B=3:1 (1); 2:1 (2); II დისპერსია B:B 1:3 (3); 1:4 (4); 2:1 (5), ძაბვა ელექტროდებზე 70 გ

გომერების B ოლიგომერთან სხვადასხვა თანაფარდობისას მოყვანილი მონა-ცემებიდან ჩანს, რომ B კომპონენტის რაოდენობის გადიდება ეპოქსიდურ

ოლიგომერთან (A, B) შედარებით იწვევს დენის ძალის დაცემის სიჩქარეს (მაიზოლირებელი დანაფარის წარმოქმნა) გაზრდას (ნახ. 3), რაც ამ ღრღნის ნაწილაების მუხტის გაზრდის შედევრა.

ნახ. 4-ის 1, 2 და 3—5 მრუდების შედარება გვიჩვენებს, რომ ორკომპონენტიანი დისპერსიები /II/ ხსიათდებიან შედარებით უკეთესი ელექტროსაიზოლაციო თვისებებით (ნაჩენი დენის სიდიდე დაბალია) (ნახ. 4, მრუდები 3—5), ვიდრე სამკმპნენტიანი დისპერსია [1]. ამავე დროს უკანასკნელ შემთხვევაში დისპერსიას, რომელშიც ნაწილაკებს მცირე მუხტი გააჩნიათ (B : A უფრო მცირე ფარდობისას (ნახ. 4, მრუდი 1) შედარებით უარესი ელექტროსაიზოლაციო თვისებებით ხსიათდებიან; ნაჩენი დენის ძალის სიდიდე მეტია, ვიდრე ის დისპერსიები, რომლის ნაწილაკებს დიდი მუხტი აქვთ (B : A უფრო დიდი ფარდობისას, ნახ. 4, მრუდი 2). ასეთივე კანონზომიერება გვაქვს



ნახ. 5. ეპოქსისიცურექსანური ოლიგომერების დისპერსიების ელექტროფორეზული ნალექის მასის დამოიდებულება ძაბვაზე დისპერსიული ფაზის სხვადასხვა კონცენტრაციულისას (მასრ %-ში): 1—7,5; 2—10,7; 3—12; 4—15,5

აგრეთვე II დისპერსიისათვის (ნახ. 4-ის მრუდები 3—5), ეს შეიძლება აიხსნას შედარებით ნაკლებად მკვრივი ელექტროფორეზული დანალექის წარმოქმნით სპილენძის ანოდზე.

ნახ. 5. წარმოღვებილია მრუდები, რომლებიც აღწერენ ელექტროდანალექის მასის დამოიდებულებას მუდმივი დენის ძაბვაზე 30 წმ-ის განმავლობაში დისპერსიული ფაზის სხვადასხვა კონცენტრაციისას. პროცესის დასწუისში დისპერსიული ფაზის ცველა აღებული კონცენტრაციის შემთხვევაში გვაქვს პროპორციული დამოიდებულება ნალექის მასასა და მოდებულ ძაბვას შორის, ხოლო ძაბვის შემდგომი გადიდებისას ელექტროდანალექის მასა მცირდება (ნახ. 4, მრუდები 1—5).

მიღებული მონაცემების საფუძველზე შეიძლება ვივარაულოთ, რომ მაღალი ძაბვის ზემოქმედებისას ხდება პოლიციალგანმასზღვრელი ოლიგომერის (B) რაოდენობის შემცირება კომპოზიციური მასის მოცულობაში, რის შედეგადაც პოლიმერული დამცავი აფსკი მეტალის ზედაპირზე აღარ წარმოქმნება. შემჩნეული მოვლენა შეიძლება აიხსნას ნაწილაკების მოცულობითი კოგულაციით, რაც ამცირებს ელექტროდანალექის მასას. მიღებულმა კანონზომიერე-

სამუშაო

ბამ საშუალება მოგვცა დაგვედგინა ელექტროდალექვის ოპტიმალური რეჟიმი
მი. იგი უზრუნველყოფს სპილენძის ანოდზე ისეთი დანაფარის მიღებას, რომ მაღალი ელექტროსაიზოლაციით თვისებე-
ბით ხსიათდება.

მიღებული ექსპერიმენტული მონაცემები გვიჩვენებენ, რომ ეპოქსიდური
და სილიკანური ოლიგომერების განსაზღვრული შემცველობისას წყალ-აცე-
ტონის, როგორც ორ, ისე სამკომპონენტური დისპერსიიდან ელექტროდალე-
ქვის დაგვენილი ოპტიმალური რეჟიმის პირობებში სპილენძის ანოდზე შეიძ-
ლება ისეთი დანაფარის მიღება, რომელიც მაღალი ელექტროსაიზოლაციით და-
ფიზიკურ-ქიმიური თვისებებით ხსიათდება (ცხრ. 2).

ცხრილი 2

ეპოქსიდილოქსანის საშუალებელზე სპილენძის ანოდზე ელექტროდალექვის მეთოდით
მიღებული თერმოგამყარებული დანაფარის თვისებები

დისპერ- სის №	დისპერსიის შედგენილობა (მას.)	თერმოგამყა- რებული და- ნაფარის ნის- ები, 10 ⁻⁶ მ	გამრღვევი ჭრივა, მ3	შედეგითი მო- ცულობითი წინაღობა (მმ.მ)	წყალგამძლე- ობა (დღ- ლაზე)	იდენტია (ბალ.)
I	1:3 (A:B)	28—30	4,5	2,3.10 ¹³	75—80	1
I	1:3 1: 1:4 (B:B)	32—34 34—37 35—38	5,8 6,2 6,0	3,5.10 ¹³ 4,0.10 ¹³ 2,9.10 ¹³	85 90 —	1 — 1

თერმოგამყარებული დანაფარების თვისებებს ძირითადად პოტენციალგან-
მსაზღვრელი კომპონენტისა და ეპოქსიდ-სილოქსანური ოლიგომერის თან-
ფარდობა განსაზღვრავს.

თბილისი ი. გ. ჯავახშვილის სახ.

სახელმწიფო უნივერსიტეტი

მცირე სიმძლავრის ელექტრული
განქანების ტექნოლოგიის სამეცნიერო-
კვლევითი ინსტიტუტი

შემთხვევა 11.05.1990.

И. В. ДЗАГНИДЗЕ, В. И. ЕЛИСЕЕВА, Н. И. ЦОМАЯ, Г. С. МИНДИАШВИЛИ

ИССЛЕДОВАНИЕ ПРОЦЕССА ФОРМИРОВАНИЯ ПОКРЫТИЯ ПРИ ЭЛЕКТРООСАЖДЕНИИ ЭПОКСИСИЛОКСАНОВЫХ ОЛИГОМЕРОВ НА МЕДНЫЙ АНОД

Резюме

Исследован процесс электроосаждения эпоксисилоксановых олигомеров из водноакетонной дисперсии на медный анод. Изучены физико-химические свойства дисперсии и закономерности процесса.

Показано, что дисперсии и процесс электроосаждения как из двухкомпонентных, так и из трехкомпонентных эпоксисилоксановых олигомеров данного химического состава характеризуются близкими физико-химическими параметрами.

Установлено, что свойства термоотверженных покрытий зависят главным образом от соотношения потенциалопределяющего компонента к эпоксисилоксановому олигомеру.

THE INVESTIGATION OF THE FORMATION PROCESS OF COATING AT ELECTROPRECIPITATION OF EPOXYSILOXANE OLIGOMERS ON COPPER ANOD

Summary

The process of electroprecipitation of epoxysiloxane oligomers from hydroacetone dispersion on the copper anod, has been investigated. Physico-chemical properties of dispersion and regularities of the process.

It is shown, that dispersions and the process of electroprecipitation of two-component as well as of three-component epoxysiloxane oligomers of given chemical structure are characterised by close physico-chemical parameters. The properties of thermohardened coatings are ascertained to depend mainly on the correlation of potential defined component to epoxy-siloxane oligomer.

ЛІТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Дейнега Ю. Ф., Власюк Н. В., Афанасьева В. П. Коллоид. журн., 1984, 46, 4, с. 771.
2. Котлярский Д. Д. Банд М. И. Лакокрасочные материалы и их применение. 1978, 3, с. 31.
3. Елисеева В. И., Мороз А. П., Рябинина Т. И., Зуйков А. В. Коллоид. журн., 1977, 39, 3, с. 550.
4. Усьяров О. Г., Ефремов И. Ф. Коллоид. журн., 1966, 28, 2, с. 271—276.
5. Дейнега Ю. Ф., Ульберг З. Р., Эстрела-Льопис В. П., Нижник Ю. Ф. Коллоид. журн., 1976, 38, 5, с. 809—813.
6. Эстрела-Льопис В. П., Ульберг З. Р., Овсянникова Т. А., Дейнега Ю. Ф. Коллоид. журн., 1980, 42, 1, с. 174—176.
7. Сорокин М. Ф., Шоде Л. Г., Кононова З. А. Химия и технология пленкообразующих веществ. М.: Химия, 1981, с. 224—242.
8. Майофис И. М. Химия диэлектриков. М.: Высшая школа, 1970, 332 с.
9. Соломон Д. Г. Химия органических пленкообразователей. Пер. с англ. М.: Химия, 1971, 319 с.
10. Finrel W. A. Y. Prot. Coat. and Lininge. 1987, № 8, р. 38—43.
11. Цюрупа Н. Н. Практикум по коллоидной химии. М.: Высшая школа, 1963—с. 70—76.

UDC 668.811:541.14

P. N. APKHAZAVA, M. Sh. GAGOLISHVILI, G. G. BERIASHVILI,
G. G. CHIRAKADZE

PHOTOSTABILITY OF AZO DYES BEARING DIFFERENT SUBSTITUENTS

Dyes stability is a general technical factor, particularly with the effect of light and other radiation. Photofastness is one of the most important properties of synthetic dyes and many attempts have been made to correlate it with the structure of the dye. Some of the researches have dealt with the dye fading in solvent system /1/.

In this work we have evaluated photochemical stability of a series of new silica and diheterocycloalkyl containing azo dyes of general struc-

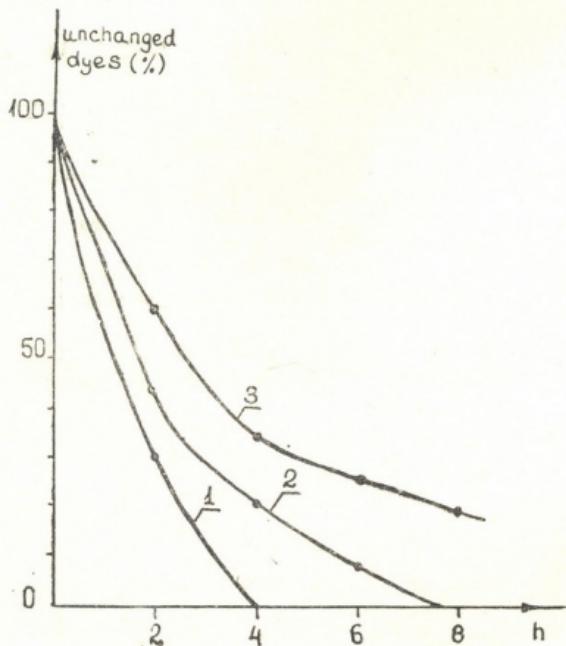
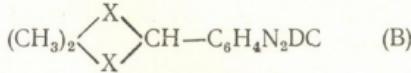
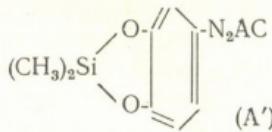
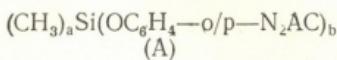


Fig. 1. Relationship between the quantity of Si—O—C (aromatic) bond and the rate of fading of the dyes A and A'. 1 — Trimethyl-2-hydroxynaphthylazo-phenyl-4-oxy silane; 2 — Dimethyl-bis-(2-hydroxynaphthylazophenyl-4-oxy) silane; 3 — Dimethyl (1'-hydroxy-8'-amine-3', 6'-disulphonaphthal-2-azophenyl-3, 4-dioxy) silane

tures A,A' and B. The azo dyes were prepared as it was preliminary reported /2.3/.



Where $a/b = 1/3, 2/2, 3/1; X = O$ or S

$AC = 2$ -hydroxynaphthalene; $DC = H$ acid

Ethanolyc (A,A') and water (B) air-saturated solutions of the dyes ($0.5 - 2.4 \cdot 10^{-4}$ mole/L) were irradiated in stoppered quartz cuvetts at the temperature $20^\circ - 25^\circ$. The irradiation of the samples was carried out using ПРК-2 light source. The inetic was followed by measuring of absorbance at regular intervals (СФ-26).

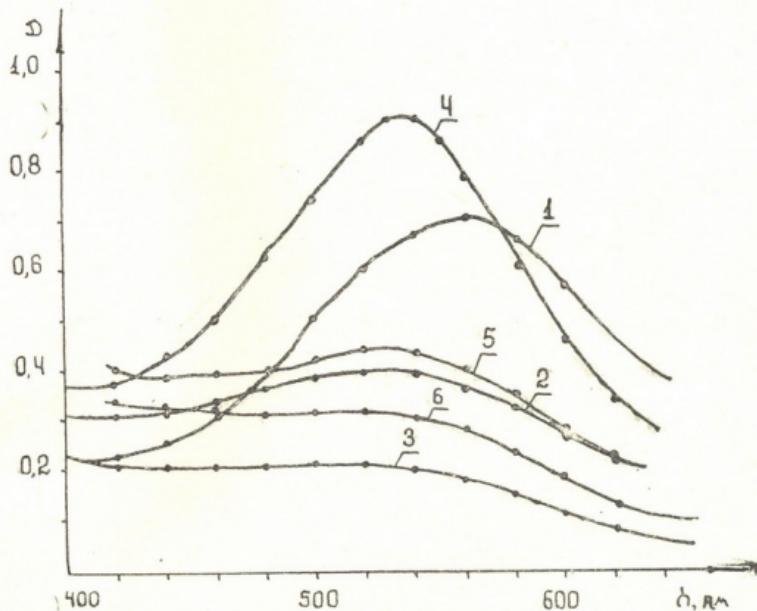


Fig. 2. The effect of nature of heteroatoms on the longest-wavelength absorption band of diheterocycloalkyl bearing azo dyes. (1—3) 1,3-dioxacyclohexyl and (4—6) 1,3-dithiacyclohexyl bearing azo dyes; 1,4-unirradiated samples, 2 and 5—6, 3 and 6—10 irradiated samples respectively

Decreasing of the concentration of all investigated dyes caused an increase of the irradiation time, connected with the destruction of chromophore— $N=N$. These effects are clearly shown in Fig. 1 and 2.

The Si—O—C (aromatic) bond consequently influences photostability of the silica containing dyes, which is probably connected with the change of electronic density at the azo link caused by quantity of electronodonating group Si—O—C (aromatic).

The presence of dithiacyclohexyl groups in the dyes results in a bathochromic shift relative to those bearing dioxacyclohexyl substituent. Probably it is connected with the less induction effect of sulphur atom, then that of oxygen, and, so less changes of electronic density occur on the—N=N—link. It is found negligible photostability for dithiacyclohexyl bearing azo dyes.

Combining the obtained results the best structures for practical purposes can be chosen.

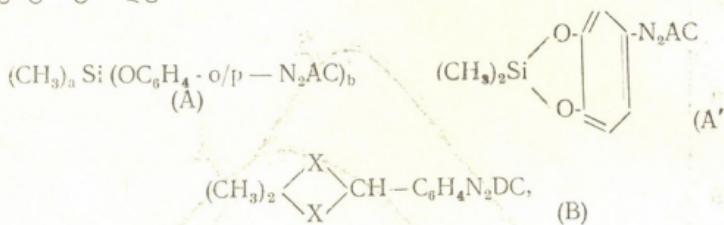
Georgian Technical University

ვ. აჭარავა, მ. ღალაძევილი, გ. ბერიაშვილი,
გ. ჭირაძეამი

სსვადასევა ჩამნაცვლებლებიანი ზოგიერთი აზოსალებრის
ფოტოსტაბილურობა

რეზოუნდ

შესწავლილია შემდეგი შედგენილობის A, A' და B ინალი აზოსალებრების ფოტოსტაბილურობა



სადაც $a/b = 1/3, 2/2$ და $3/1; X=O$ ან S

$AC = 2\text{-ჰიდროქსინაფტალინი}$; $DC = H\text{-მეავა}$.

სალებრების სპირტული (A, A') და წყალსნარების (B) ($0,5\text{--}2,4 \cdot 10^{-4}$ მოლი/ლ) შესწავლა განხორციელებულია ზო სინათლის წყაროს ნათურის პრკ-2-ის გამოყენებით, უნგბადის არეში. დადგენილია სალებრების ფოტოსტაბილურობის დამოკიდებულება დასხივების პირობებზე.

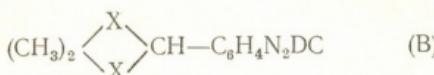
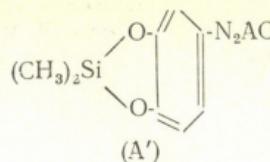
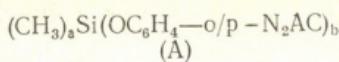
მიღებული შედეგები საშუალებას იძლევა, ავარჩიოთ უფრო ფოტოსტაბილური სტრუქტურები სალებრების შესწავლილი კლასებიდან.

П. Н. АПХАЗАВА, М. Ш. ГАГОЛИШВИЛИ, Г. Г. БЕРИАШВИЛИ,
Г. Г. ЧИРАКАДЗЕ

ФОТОСТАБИЛЬНОСТЬ НЕКОТОРЫХ АЗОКРАСИТЕЛЕЙ С РАЗЛИЧНЫМИ ЗАМЕСТИТЕЛЯМИ

Р е з у м е

Изучена фотостабильность новых азокрасителей следующего состава A, A' и B



где $a/b = 1/3, 2/2, 3/1; X = O$ или S

$AC = 2$ -гидроксинафталин, $DC = H$ кислота.

Изучение спиртовых (A , A') и водных (B) растворов красителей ($0,5 - 2,4 \cdot 10^{-4}$ моль/л) осуществлено с применением источника УФ света лампы ПРК-2, в воздушной среде. Установлена зависимость фотостабильности красителей от условий облучения.

Полученные результаты позволяют выбирать наиболее фотостабильные структуры изучаемых классов красителей.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Вагопі М., Clementi S., Cusciapi G. J. Chem. Tech. Biotechnol., 1990, 48, 303—312.
2. Чиракадзе Г. Г., Сагинашвили М. Г., Гаголишвили М. Ш., Апхазава П. Н., А. С., СССР № 1509383, 1989; Бюл. изобр. 30, 1989.
3. Вардосанидзе Г. О., Хелая Т., Чачуа Н. Д., Апхазава П. Н., Карапкусашвили Т. Г., Чиракадзе Г. Г. Изв. АН ГССР, сер. химич., Сб. ст., 1988, 125—129.

УДК 546.742+547.435

Ш. Г. БИТИЕВ, В. Г. ЧИВАДЗЕ, А. Ю. ЦИВАДЗЕ

СИНТЕЗ НОВОГО ПОЛИЭФИРНОГО ЛИГАНДА И ЕГО ИОНОСЕЛЕКТИВНЫЕ СВОЙСТВА

В 1962 г. Чарльз Педерсен выделил и идентифицировал макроциклический полиэфир как неожиданный побочный продукт и обнаружил, что он обладает необычной способностью образовывать комплексы с катионами щелочных металлов. Впоследствии он синтезировал серию макроциклических полиэфиров, которым дал название «краун—соединения», и в 1967 г. сообщил об их получении и о своей оригинальной работе по изучению свойств этих соединений. Эти работы послужили началом развития химии краун-соединений [1].

За относительно короткое время выявлены уникальные свойства краун-соединений, многочисленные возможные области их практического применения. Открытоценными аналогами краун-эфиров являются поданды, синтез которых осуществляется значительно проще [2]. Поскольку циклизация не требуется, реагенты можно брать в избытке. Высокий выход продуктов достигается в результате простых и дешевых стадий. Эта важная черта химии полиэфирных лигандов делает поданды привлекательными с технологической точки зрения [3]. Одна из областей практического применения полиэфирных лигандов заключается в селективном взаимодействии с ионами металлов [4—6].

Полиэфиры, имеющие на концах аминогруппы (аминоэфиры, $\text{H}_2\text{NCH}_2(\text{CH}_2\text{OCH}_2)_n\text{CH}_2\text{NH}_2$), моделируют антибиотики класса амино-гликозидов [7] и изучены относительно мало.

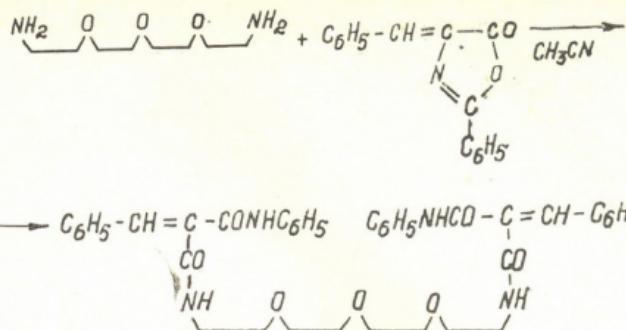
Модифицирование такого типа диаминоэфиров путем замещения водорода аминной группы разными функциональными группами может привести к улучшению ионоселективных и комплексообразующих свойств.

В качестве модifikатора диаминоэфиров нами были использованы оксазолиноны различного типа.

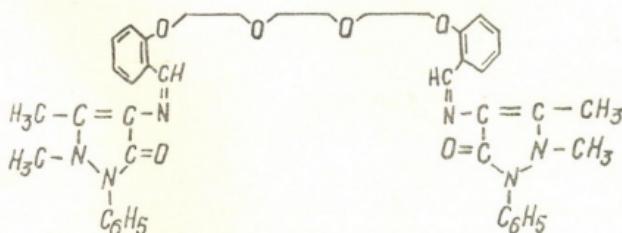
Так, реакцией 3,5,7-тирокса-I,II-диаминодекана (I) с 2-фенил-4-бензилиден- Δ^2 -оксазолином-5 (II) в растворе ацетонитрила был синтезирован новый поданд бис- 2'-бензоиламиноциннамоил-3,5,7-триокса-I, II-диаминодекан (III) (схема 1).

Известно аналогичное по структуре соединение — дibenзополиоксиэтилен, содержащий 4-аминоантипирилиминометин в бензоядрах общей формулы (IV).

Исходные продукты для синтеза данного соединения (4-аминоантипирин и 1,8-бис(бензальдегидокси)-3,6-диоксаоктан) трудно доступ-



ны, и синтез проходит при высокой температуре с большими энергетическими затратами.

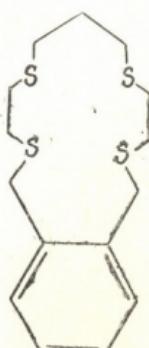


Данное соединение было испытано в качестве активного компонента для свинец-селективного электрода. Селективность соединения по отношению с ионом меди в литературе не описана.

В последнее время широкое распространение получили жидкостные и полимерные катион-селективные электроды на основе электрически нейтральных переносчиков [8].

Возможность использования макроциклических соединений для создания ионоселективных электродов на катионы переходных металлов мало изучена [9].

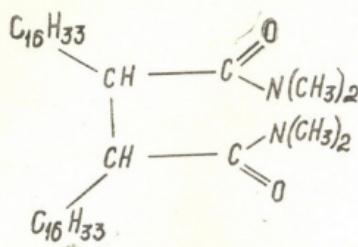
Из литературы известно, что в качестве активного компонента для изготовления медь-селективного электрода используется макроциклический тиаэфир [10]. 13,14-бензо-1,4,8,11-тетратиациклогептадекан, имеющий следующую структурную формулу



13,14-бензо-1,4,8,11-тетратиоциклогептадекан был получен из 1,3-пропандитиола, 2-хлороэтанола, и α,α' -дигидро- α -ксилена. Синтез очень сложен, многостадиен и требует больших энергетических затрат.

Недостатком электрода на основе этого соединения является низкая чувствительность и избирательность к ионам меди. Область работы этого электрода 10^{-4} — 10^{-1} М Cu(II). Коэффициенты селективности в литературе не приведены.

Наиболее близким по свойствам к (III) является α,α' -дигексадицилоксисукцинимидная кислота ди(ди- N -метил)амида [11] формулы:



Электрод на основе соединения (V) работает в области 10^{-5} — 10^{-1} М Cu(NO₃)₂. Коэффициенты селективности (данные для щелочных и щелочноземельных металлов) в работе не приведены.

Недостатком электрода на основе этого соединения является низкая избирательность к ионам меди. Коэффициент селективности $K_{Cu, Pb}^{Pot} = 79$, т. е. ионы свинца существенно мешают определению ионов меди. Определению ионов меди также мешают (хотя и в меньшей степени, чем свинец) ионы Cd²⁺, Zn²⁺ (см. таблицу 1).

Полученный нами поданд (III) обладает повышенной избиратель-

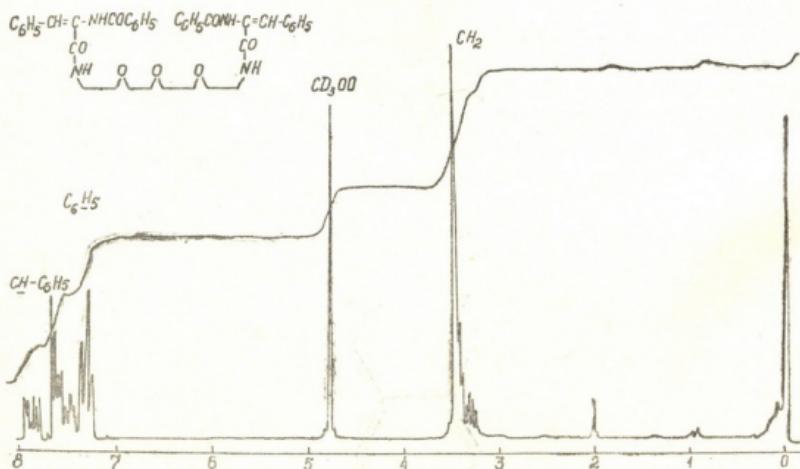


Рис. 1. ПМР-спектр Бис-[2-бензоиламиноциннаил]-3,5,7-триокса-I,II-диаминодекана (III).

Таблица 1

Основные характеристики и сравнение коэффициентов селективности медно-селективных (Cu^{2+}) электродов на основе соединения (III) и соединения (V)

Электрод на основе соединения	Крутизна электродной функции, мВ	Концентрационная область работы электрода, моль/л	Коэффициенты селективности													
			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12		
			Li^+	Na^+	K^+	Rb^+	Cs^+	Sr^{2+}	Ba^{2+}	Ca^{2+}	Co^{2+}	Ni^{2+}	Mg^{2+}	Zn^{2+}		
III	24—26 мВ	$5 \cdot 10^{-5}—5 \cdot 10^{-1}$	10^{-8}	$3,3 \cdot 10^{-3}$	$4,1 \cdot 10^{-2}$	10^{-4}	10^{-4}	$4,2 \cdot 10^{-4}$	10^{-4}	10^{-4}	$3,3 \cdot 10^{-4}$	$2,7 \cdot 10^{-4}$	10^{-4}	$2,8 \cdot 10^{-2}$	$5 \cdot 10^{-1}$	$2,4 \cdot 10^{-2}$
V	34 мВ	$10^{-5}—10^{-1}$	—	—	—	—	—	—	—	—	$5,7 \cdot 10^{-2}$	$5,7 \cdot 10^{-2}$	—	10^{-1}	79	$5,9 \cdot 10^{-1}$

ностью к ионам меди (II). Это вещество представляет собой кристаллический порошок белого цвета, растворимый в этаноле, метаноле, ^{АХЛЮКС}_{ЗДОРОВЬЕ} роформе и тетрагидрофуране и нерастворимый в воде, эфире, ацетоне. Температура плавления 113—114°.

Индивидуальность соединения (III) и его структуры подтверждены методами ИК- и ПМР-спектроскопии. ИК-спектры снимали на приборе "Specord M-80" (в КBr): ν (NH) — 3240 см⁻¹; ν (CH) — 3080, 2945, 2890 см⁻¹; ν (CO) — 1650, 1620 см⁻¹; ν (CN)_{as} — 1520, 1490, 1450 см⁻¹; δ (CH₂) — 1355, 1335, 1315, 1290 см⁻¹; ν_{as} (COC) — 1110 см⁻¹, ν кольца — 850, 810 см⁻¹; ρ (CH₂) — 720, 700 см⁻¹; τ (NCO) — 645 см⁻¹, δ (COC), δ (CCO) — 535, 410 см⁻¹.

Спектры ПМР снимали на спектрометре "Bruker WP-250". Химические сдвиги H (CD₃OD + CDCl₃, δ , м.): 3,45 (синглет) — CH₂, 7,25, 7,45 (мультиплет) — C₆H₅, 7,80 (мультиплет) — CH — C₆H₅ (рис. 1).

Данные химического анализа отвечают следующему составу:



Найдено, %: C — 69,16; H — 6,09; N — 8,19;

Вычислено, %: C — 69,57; H — 6,09; N — 8,12;

ЭКСПЕРИМЕНТАЛЬНАЯ ЧАСТЬ

Бис.[2'-бензоиламиноциннаомоил]—3,5,7-триокса-I,II-диаминодекан (I): 1,130 г (4,54 ммоль) 2-фенил-4-бензилиден-Δ²-оксазолинона-5 растворяли в 110 мл ацетонитрила: 0,422 мл (2,27 ммоль) 3,5,7-триокса-I,II-диаминодекана растворяли в 20 мл ацетонитрила (мольное соотношение оксахолинон-диамин = 2:1). Полученные растворы смешивали при комнатной температуре, отфильтровывали от механических примесей и перемешивали на магнитной мешалке в течение 24 ч. О скорости протекания реакции судили по уменьшению интенсивности полосы при 1805 см⁻¹ ($\nu_{c=0}$) в ИК-спектре. После перемешивания растворитель упаривали на роторном испарителе, и вещество разрыхляли стеклянной палочкой в гентане, фильтровали на воронке Бюхнера и сушили при 20° в вакуум-эксикаторе над KOH в течение 48 ч. Выход вещества 2,69 г (~89%).

Полученное соединение (III) испытывали в качестве электроактивного компонента ионоселективных электродов для определения ионов меди (II) в растворах. Для этого из соединения (III) готовили ионочувствительную мембрану для ионоселективного электрода. Исследуемый электрод помещали в анализируемый раствор в паре со стандартным электродом сравнения и проводили измерения Э. д. с. в мВ. Схема измерительной ячейки:

Ag, AgCl/KCl, 0,1 M/KNO₃, 0,1 M(исследуемый раствор)/мембрана/

Cu(NO₃)₂ 0,01 M/KNO₃, 0,1 M/KCl/0,1 M/AgCl, Ag.

Электрод, содержащий (III), обладает прямолинейной электродной функцией в пределах концентрации ионов меди (II) 5,10⁻⁵—5,10⁻¹ моль/л в области pH 3,5—5,5 и имеет угловой коэффициент электрода 24—26 мВ. В таблице представлены основные характеристики и коэффициенты селективности электрода на основе (III) и ближайшего аналога — соединения (V).

Институт общей и неорганической химии
им. И. С. Куриакова АН СССР

Поступило 31.05.1990

Институт физической и органической химии
им. П. Г. Меликишвили АН Грузии

ԱԽԵԼՈՅ ՑՈՂՈՅԹԵՐՆԱԼՈՅ ԼՈՂԱԲԸՆՈՒՍ ՏԵՐՄԵԽՈ ԶԱ ՑՈՆԸ
 ՈՐԵՎԵԼՈՎԵԺԸՆՈՒՐՈ ԹՅՈՍԵՑԵՑՈ

Հ Յ Ց Ո Շ Յ

2-ֆենօլ-4-ծեմիլուրեն- Δ^2 -օքսաթոլոն-5-օնս դա 3, 5, 7-ტրիօքսա-1,
 11-դիմինօքյանու սացումզելից սինտեզիկը ծաղկությունու աճալու პոլույտուրալու լո-
 ցանքու ծով-2-ծեմիլուրենունամուռ-3, 5, 7-ტրիօքսա-1, 11-դիմինօքյանու.

Ցոլություն նայրու աճասույնեան մալալու թյուրիցուուն սպոլցն (II)-ու
 սոնցեծուան.

Sh. G. BITIEV, W. G. CHIVADZE, A. Yu. TSIVADZE

SYNTHESIS AND ION-SELECTIVE PROPERTIES OF NEW
 POLYETHERAL LIGAND

Summary

New polyethereal ligand, bis-[2benzoylaminoacrynamoi] — 3, 5, 7 - trioxa-1,11-diaminodecane, was synthesized starting from both 2-phenyl-3-benzyliden- Δ^2 -oxazolinone-5 and 3,5, 7-trioxa - 1, 11 - diaminodecane. The obtained compound has enhanced selectivity to copper (II) ion.

ԾՈՒՅՈՒՆԱԾՈՒՐՈ — ЛИТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Хираоки М., Краун-содинения. М.: Мир, 1986, 9.
2. Vogtle F., Weber E., Angew. Chem., 1979, 91, 813.
3. Schwind R. A., Gilligan T. J., Cussler E. L., Academic Press, New York, 1978, 289.
4. Host Guest Complex Chemistry Macrocycles (Eds. Vogtle F., Weber E.) Berlin, Springer-Verlag, 1985, 421.
5. Маркович И. С., Дзиномко В. М. ЖВХО им. Д. И. Менделеева, 1985, 30, 5, 562.
6. Pedersen C. J., J. Amer. Chem. Soc., 1970, 89, 386.
7. Машковский М. Д. Лекарственные средства, часть II, М.: Медицина, 1978, 191.
8. Овчинников Ю. А., Иванов В. Т., Шкраб А. М. Мембреноактивные комплексы, М.: Наука, 1974.
9. Шпигун Л. К., Новиков Е. А., Золотов Ю. А. Ж. аналитической химии, 1986, XVI, вып. 4, 617.
10. Kamata S., Higo M., Kamiberggi T. G. Chem. Lett., 1982, v. 3, p. 287—288.
11. Brzozka Z. Analyst., 1988, 113, 6, 891—893.

УДК 547.242+546.19

Р. И. ГИГАУРИ, В. Г. ГВАХАРИЯ, Л. Д. ДОЛИДЗЕ, Р. Д. ГИГАУРИ

ОКИСЛЕНИЕ СИММЕТРИЧНЫХ ТРИАЛКИЛАРСЕНИТОВ АЗОТНОЙ КИСЛОТОЙ

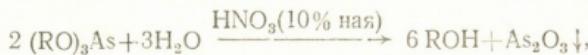
Химическое поведение эфиров мышьяковистой кислоты общей формулы $(RO)_3As$, где R — алкил, обусловливается, в основном, наличием двух реакционных центров: связи $>As—OR$ и неподеленной пары электронов у атома мышьяка. Поэтому взаимодействие триалкиларсенитов с химическими реагентами протекает либо путем разрыва упомянутой связи, либо путем присоединения окислителя с повышением координационного числа центрального атома. Вполне возможно, что иногда и в первой группе реакции (разрыв связи $>As—OR$) взаимодействие происходит с участием неподеленной пары электронов атома мышьяка или кислорода [1].

Таким образом, одним из основных свойств триалкиларсенитов является их взаимодействие с сильными окислителями, при котором ковалентность мышьяка повышается. Следует, однако, отметить, что количество реагентов, способных к взаимодействию с эфирами мышьяковистой кислоты с повышением валентности центрального атома довольно ограничено. Склонность атома мышьяка к этому, как выясняется [2], в большой степени зависит от связанных с ним заместителей, вследствие чего реакционная способность эфиров кислот мышьяка (III) с каким-либо реагентом сильно зависит от строения последних. В большинстве случаев при взаимодействии, например, триалкиларсенитов с окислителями, вместе с окислением мышьяка до sp^3 — гибридного состояния, протекают реакции с изменением соответствующих радикалов. Однозначно можно сказать, что общей реакцией, при которой ковалентность мышьяка в эфирах мышьяковистой кислоты повышается до 5 без изменения заместителя, является присоединение галогенов, однако и в этом случае получаются различные результаты [1].

В настоящей работе была предпринята попытка исследовать окисление симметричных триалкиларсенитов с целью изменения и самих радикалов.

В качестве окислителя была использована азотная кислота различной концентрации.

Как оказалось, при обработке триалкиларсенитов 10%-ной азотной кислотой протекает обычная реакция гидролиза с образованием оксида мышьяка (III) и соответствующего спирта. Реакция имеет общий характер и выражается схемой:



где R = изо — C_4H_9 , и — $C_{53}H_{11}$ или изо — C_5H_{11} .

Азотная кислота была использована в количестве, необходимом для окисления всего мышьяка (III) до мышьяковой кислоты. Реакция проводилась при комнатной температуре, а далее с целью завершения

процесса содержимое колбы кипятилось 2—3 часа с применением обратного холодильника. Загрузка исходных соединений и выход продуктов реакций при окислении 10%-ной азотной кислотой приведены в табл. 1.

Таблица 1

Загрузка исходных соединений и выход продуктов реакций при окислении триалкиларсенитов 10%-ной азотной кислотой

Для реакции взяты				Получены						
(RO) ₃ As			10%-ная HNO ₃	As ₂ O ₃			ROH			
R	г	моль	NHO ₃ , г	г	моль	%	г	моль	%	
—C ₆ H ₅	147	0,50	630	1,00	35,1	0,18	71,0	91,7	1,24	82,6
изо-C ₆ H ₉	150	0,51	64,3	1,02	37,0	0,19	73,4	91,2	1,23	80,5
—C ₅ H ₁₁	168	0,50	630	1,00	34,9	0,18	70,7	112,6	1,28	85,3

Спектральный количественный анализ выделенного осадка показал, что продуктом реакции является мышьяковистый ангидрид высокой чистоты (см. табл. 2).

Таблица 2

Результаты спектрального анализа исходного («рафинированного») и полученного нами мышьяковистого ангидрида

Проба	Содержание примесей, %									
	Si	Al	Mg	Ca	Fe	Cu	Sb	Bi	Sn	Na
Рафинированный As ₂ O ₃	5 · 10 ⁻²	5 · 10 ⁻⁵	3 · 10 ⁻⁵	5 · 10 ⁻³	5 · 10 ⁻²	2 · 10 ⁻⁵	1 · 10 ⁻⁵			
Полученный As ₂ O ₃	1 · 10 ⁻⁵	—	1 · 10 ⁻⁵	—	2 · 10 ⁻⁵	—	—	3 · 10 ⁻⁶	—	1 · 10 ⁻⁵

Образование эфиров мышьяковистой кислоты объясняется тем, что взаимодействие высших спиртов с белым мышьяком — реакция сульбю селективная [3]. Спирт взаимодействует только с мышьяковистым ангидридом, а все остальные примеси, обычно сопутствующие белому мышьяку, остаются на дне реактора в виде ила. Последний отделяется от продукта взаимодействия фильтрацией, а далее очищается перегонкой при обычном или уменьшенном давлении.

Таким образом, синтезированные эфиры мышьяковистой кислоты являются высокочистыми. Естественно, что полученный из них мышьяковистый ангидрид будет особо чистым, что подтверждается анализом на содержание примесных элементов.

Важное значение имеет и то, что в результате гидролиза регенерируются и спирты с выходом до 90%. Они, безусловно, вновь могут быть применены для получения исходных триалкиларсенитов и т. д.

Из вышеизложенного можно заключить, что обработка триалкиларсенитов 10%-ной азотной кислотой может стать одним из важных способов получения мышьяковистого ангидрида высокой чистоты, который может быть применен для волоконной оптики и в фармацевтике.

Далее нами было исследовано окисление триалкиларсенитов 56%-ной («продажная») азотной кислотой. На этот раз в качестве исходных эфиров были использованы три-Н- и три-изо-амиларсениты (табл. 3).

Таблица 3

Загрузка исходных соединений и выход мышьяковой кислоты при окислении триалкиларсенитов 56%-ной азотной кислотой

Исходные вещества			Выход $H_3AsO_4 \cdot 0,5 H_2O$		
$(RO)_3As$		56%-ная HNO_3	HNO_3		
R	г	моль	г	моль	г
н.- C_5H_{11}	161	0,48	323,0	2,87	71,4
изо- C_5H_{11}	168	0,50	337,5	3,003	75,0

Оказалось, что при этом, как и в предыдущих опытах, имеет место образование белого мышьяка в виде нерастворимого осадка. Однако весь осадок растворяется при использовании окислителя приблизительно в 3 раза больше по сравнению с теоретическим. Анализ кисло-водной среды показал, что продуктом реакции является мышьяковая кислота высокой чистоты, а органический слой, в основном, состоял из соответствующего спирта.

Исходя из этого, можно заключить, что доминирующая реакция окисления триалкиларсенитов 56%-ной азотной кислотой протекает по схеме:



Процесс проводят при постоянном перемешивании и охлаждении (проточная вода). Следует подчеркнуть, что порой реакция становится неуправляемой: при быстром добавлении сравнительно большого количества окислителя смесь становится «взрывоопасной» из-за сильно экзотермического характера начавшейся реакции. Хроматографическое исследование «органики» (без перегонки) показало, что ~2% всей массы составляет альдегид. Этот факт однозначно указывает на то, что при обработке высших триалкиларсенитов более концентрированной азотной кислотой, в отличие от разбавленной, имеет место и частичное окисление самого радикала.

Как уже было отмечено, в растворе оказалась мышьяковая кислота состава $H_3AsO_4 \cdot 0,5 H_2O$, термическим разложением которой получается соответствующий ангидрид. Содержание примесных элементов в последнем оказалось (в %): Si — $4 \cdot 10^{-4}$; Al — $1 \cdot 10^{-6}$; Fe — $5 \cdot 10^{-5}$; Cu — $3 \cdot 10^{-5}$; Sn — $1 \cdot 10^{-5}$. Результаты спектрального количественного анализа показывают, что полученная мышьяковая кислота является особо чистой, что, в основном, обусловлено качеством исходных эфиров мышьяковистой кислоты.

Убедившись в том, что при обработке триалкиларсенитов концентрированной азотной кислотой протекает и структурное изменение составного радикала, решили исследовать окисление эфиров мышьяковистой кислоты безводным окислителем. Для этой цели азотная кислота была получена по методике [4]:



Содержание основного вещества в кислоте оказалось 93—95 %. Чтобы избежать неожиданностей, после начала реакции окислитель

добавлялся к триалкиларсениту с такой скоростью, чтобы температура реакционной массы колебалась в пределах 50—70°, а затем для завершения процесса смесь нагревалась до кипения в течение 4—6 часов.

В отличие от окисления 56%-ной азотной кислотой, в последнем случае интересным оказалось, что в составе органики было обнаружено ~ 10—17% карбоновой кислоты:



Исследования по этому направлению продолжаются.

Тбилисский государственный университет

им. И. Джавахишвили

Институт неорганической химии и электрохимии

им. Р. И. Агладзе АН Грузии

Поступило 25.12.1989

რ. გიგაური, ვ. გვახარია, ლ. დოლიძე, რ. გიგაური

სიმამრთლი ტრიალკილარსენიტების დაუზიანვა აზომებავით

რ ე ზ ი უ მ ე

შესწავლითა სიმეტრიული ტრიალკილარსენიტების დაუზიანვის შესაძლებლობა. დადგნილია, რომ დარიშხანოვანი მჟავას ეთერებისაგან ზოგადი ფორმულით $(RO)_3As$, სადაც $R = i\text{-}C_4H_9$, $n\text{-}C_5H_{11}$ ან $i\text{-}C_5H_{11}$, 10%-იანი აზოტქავით დამუშავებისას მიღება მაღალი სისუფთავის დარიშხანოვანი ანიდრიდი; 56%-იანი HNO_3 ტრიალკილარსენიტებს უანგავს დარიშხანმჟავამდე, ხოლო 93—95%-იანი აზოტქავით დამუშავებისას კი ხდება რაღიალების ნაწილობრივი დაუზიანვაც შესაბამის კარბონმჟავებამდე.

მოწოდებულია ამ დროს მიმდინარე რეაქციების საალბათო ტოლობები.

R. I. GHIGAURI, V. G. GVAKHARIA, L. D. DOLIDZE, R. D. GHIGAURI

OXIDATION OF SYMMETRIC THREEALKYLARSENITES WITH NITRIC ACID

Summary

The oxidation of symmetric threealkylarsenites was studied. It is established, that arsenious oxide with high purity is obtained from arsenic acid ethers with general formula $(RO)_3As$ (where $R = i\text{-}C_4H_9$, $n\text{-}C_5H_{11}$ or $i\text{-}C_5H_{11}$) by oxidation with 10% nitric acid. Arsenic acid is prepared by oxidation with 56% nitric acid, while aliphatic radicals are partially oxidized in appropriate organic acids with 93—95% nitric acid.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Камай Г., Чернокальский Б. Д. Методы синтеза и реакции эфиров кислот мышьяка. В кн.: Реакции и методы исследования органических соединений. М.: Химия, 1964, 9—126.
2. Гигаури Р. Д., Гургенидзе Н. И., Чернокальский Б. Д., Чачава Г. Н. ЖХО, 1977, т. 4, № 2, 387—389.
3. Инджия М. А., Гигаури Н. Ш., Гигаури Р. Д., Гургенишвили Л. В., Варадашвили А. Ш. Сообщ. АН ГССР, 1982, т. 105, № 2, 301—304.
4. Брауэр Г. Руководство по неорганическому синтезу, т. 2. М.: Мир, 1985, 518—519.

გ ე რ ტ რ ი ტ ე ბ ი

რამ 541.7.621.762

ქ. გვილავანი, გ. გამოცირია

გადაღი სისუფთავის პროექტის მისაღაბი ფინანსური
აღმართოლითან ხელაპირობის უზრუნველყოფა

თანამედროვე ტექნიკაში განსაკუთრებული მნიშვნელობა ენიჭება მაღალი სისუფთავის ნივთების ტექნიკური კრომის ახალი ტექნიკის ერთ-ერთი უმნიშვნელოვანესი ელემენტია. ლითონური ქრომის ბაზაზე დამზადებული მხურეალმედეგი და მხურეალმედეგიც შენაღობები გამოიყენება სავაიციო და სარაკეტო ტექნიკაში; ქრომის შემცველი სხვადასხვა მარკის ანტიკორნზიული ფოლადები ფართოდ იხმარება მრეწველობასა და ყოფა-ცხოვრებაში. უდიდეს მასშტაბებს ღებულობს ქრომის გალვანური დანაფარების გამოყენება. ბოლო პერიოდში განსაკუთრებით გაიზარდა მოთხოვნა ღიფუზზიურ და ბლაზ-მურ დანაფარებზე. დადგრილია, რომ ქრომის და მის ბაზაზე დამზადებული ნაწარმის თვისებები მნიშვნელოვნადა დამოკიდებული ქრომის სისუფთავებზე. ქრომის თვისებებზე განსაკუთრებულ მავნე გავლენას აძლენენ ე. შ. ჩანერგვის ელემენტები, რომლებსაც მიეკუთვნება წყალბადი, უანგბადი, აზორი, ნახშირბადი და სხვა არალითონება.

ქრომის მიღების მეთოდებიდან თუ არ ჩავთვლით ძალიან ძვირადირებულ იოდიდურ მეთოდს, შედარებით სუფთა ლითონი მიღება ქრომის მევას ელექტროლიზით, თუმცა მაღალ სისუფთავეს განსაკუთრებით ჩანერგვის ელემენტების მიმართ, ვერც ეს მეთოდი უზრუნველყოფს. ამიტომ აზდენენ მის დამატებით გაწმენდას — რაფინირებას მაღალი სისუფთავის წყალბადის გარემოში 1500—1600° ტემპერატურაზე ხანგრძლივი გახურებით, რას შედეგადაც ჩანერგვის ელემენტების შემცველობა ლითონში დაიყვანება $10^{-4} \pm 10^{-3}$ % ფარგლებში. ამგვარი დამუშავების შედეგად ქრომის ლიტებულება ორჯერ იზრდება. ამიტომ, ელექტროლიზით ისეთი ქრომის მიღება, რომელიც არ მოითხოვს დამატებით გასუფთავებას, წარმაადგენს უაღრესად აქტუალურ პრობლემას. ამ თვალსაზრისით ელექტროლიზური ქრომის მიღების ცნობილი მეთოდებიდან უკეთეს პერსპექტიულად უნდა ჩაითვალოს მისი მიღება ფტორიდების შემცველი ქრომის მევას სსნარებიდან მაღალ ტემპერატურაში, რომელიც უზრუნველყოფს 0,01—0,05% უანგბადის შემცველი ლითონის მიღებას, რაც 1—1,5 რიგით ნაკლებია, ვიდრე არარაფინირებულ ლითონში, ხოლ 2—3-ჯერ მეტი, ვიდრე რაფინირებულში. ასე ლითონს შეუძლია შეცვალოს ძვირი რაფინირებული ელექტროლიზური ქრომი რიგ საპასუხისმგებლო ნაკლების წარმოებაში.

ფტორიდის შემცველი ქრომმჟავას მაღალტემპერატურული ელექტროლიზი ტექნოლოგიურად არ არის დამუშავებული. ლიტერატურაში არსებული კვლევითი სამუშაოების შედეგები მიუთითებენ მთელ რიგ პრობლემებზე, რომელთა გადალახვის გარეშე ამ მეთოდის პრაქტიკული გამოყენება შეუძლებელი იქნება. წარმოდგენილი სამუშაო ესება ერთ-ერთი პრობლემის — ელექტროლიტის დროში არასტაბილურობის დაძლევის ცდას.

ფტორიდების შემცველი ქრომმჟავა სსნარების ელექტროლიზის ლიტერატურაში მრავალი სამუშაო აქვს მიძღვნილი, რომელთა მიზანს წარმოად-

გენს, როგორც თხელი გალვანური დანაფარების მიღება [1–3], ასევე ელექტროლიზური ქრომის სქელი დანალექის მიღება მათი შემდგომი გამოყენებით სხვადასხვა დანაშრულებისათვის [4–6].

რაინდმა [4] პილველმა მიუთითა ამ ელექტროლიტის არასტაბილურობას. შემდგომ იგივე აღნიშნა ზოსმოვიჩმა და ივანოვამ [3], თუმცა ვიტაკერ-მა [5] ტყვიის ქრომატით წინასწარ გაფერებული ელექტროლიტიდან და PbO_2 -ს ფენით დაფარული პალადიუმის ანოდების გამოყენებით, შეძლო დროში სტაბილური შედეგების მიღება ღითონის მაღალი დენით გამოსავლით. ვერც ერთმა დასახელებულმა ავტორმა ვერ მოახერხა მიღებული შედეგების ახსნა. ერთადერთი სამუშაო, სადაც მითითებულია დროში ელექტროლიტის არასტაბილურობის მიზეზზე, კუთვნის იურევს თანაავტორებით [6], რომელმაც აჩვენა, რომ ელექტროლიზის პირობებში ადგილი აქვს ფტორიტყალბარმევას ამოქროლებას ელექტროლიტიდან და მის ოპტიმალურ შედეგების დარღვევას.

ჩვენს კალიებში გამოყენებული იყო როგორც რეაქტორი კვალიფიკაციის, ასევე ტექნიკური მარტის ქრომის ანზიდრილი. უკანასკნელის გაწმენდას SO_4^{2-} -ონებისაგან ვახდენდით $\text{Ba}(\text{OH})_2$ -ით ღამუშავებით. ფტორილ-იონის შეკვენას სსნარში ვახორციელებდით რეაქტორი კვალიფიკაციის NaF ან 46% HF -ის სახით, აგრეთვე CrF_3 -ის სახით, რომელიც მიიღებოდა წყალბადში რაფინირებული ელექტროლიტური ქრომის (TY-14—5—76—76) გახსნით ფტორნიჟალბარმუავში.

კათოლებად გამოყენებოდა 4—5 მმ დიამეტრის სპილენძის ლერო, ან-დად — Pb+4% Sn შენადნობისაგან ჩამოსხმული ღრუ ცილინდრი. ცდები ტარდებოდა $95 \pm 5^\circ\text{C}$ ტემპერატურაზე. ფტორილ-იონების კონცენტრაციისა და აქტივობის განსაზღვრას ელექტროლიტში ვახდენდით ონთომეტრული მე-თოდით. ამ მიზნით გამოყენებოდა მF-VI მარკის სელექტრული ფტორილუ-ლი ელექტროლიტი. კონცენტრაციის განსაზღვრისათვის ვაგებდით მაგრადულე-ბელ გრაფიკს. აქტივობას ვასზღვრავდით უშუალოდ ელექტროლიტში, სინ-გის ბუფერული ხსნარებით განხავების გარეშე. ხსნარში სამეცნიერო ქრო-მის განსაზღვრისათვის გამოყენებული იყო პერმანენტური მეთოდი. დენით გამოსავალი ქრომზე განისაზღვრებოდა გრაფიმეტრული მეთოდით.

Міністру фінансів України М.І. Кравчуком [4] та таємніх агентів, котрі виконували функції державного агента з розслідуванням злочинів проти держави та державного підприємства, було встановлено, що відповідно до статті 155 Кримінального кодексу України, яка встановлює відповідальність за злочини проти державного підприємства, відповідальність за злочини проти державного підприємства встановлюється відповідно до законодавства про державні підприємства та державні установи. Відповідно до цього, відповідальність за злочини проти державного підприємства встановлюється відповідно до законодавства про державні підприємства та державні установи.



ლურობა არ შეიძლება ამ ფაქტით აიხსნას, რადგან ტყვეის ანოდების გამოწვევა ყენების შემთხვევაში არა აქვს ადგილი Cr^{3+} -ის კონცენტრაციის მულტიზრდას — უკვე ერთი საათის შემდეგ მისი კონცენტრაცია მუდმივ მნიშვნელობას დაბულდება.

ჩვენი აზრით, აქ საჭიროა მეტი ყურადღება მიეკუს ფტორიდ-იონების აქტივობის ცვლილებას, რადგან ელექტროლიზის პირობებში (95°C) როგორც ცნობილია [9], სამკალენტანი ქრომი სხვარში იმყოფება მწვანე მოდიფიკაციის სახით, რომელიც წარმოადგენს მტკცე შიგასფერულ კომპლექსს $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_{6-x}\text{F}_x]^{3-x}$, სადაც $X=0 \dots 6$. ამან არ შეიძლება არ განაპირობოს ფტორიდ-იონის აქტივობის შემცირება და მით უფრო, რაც მეტი იქნება

ც ხ რ ი ლ ო 1

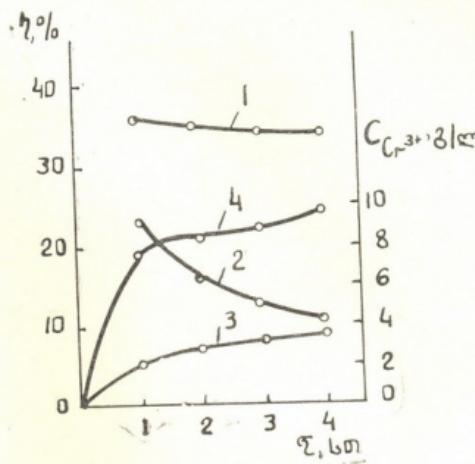
ფტორიდ-იონის აქტივობის ცვლილება ქრომმჴავა ხსნარში ელექტროლიტის $95 \dots 100^{\circ}\text{C}$ გაცემების შემდეგ

ხსნარის შედეგის რიცხვი	ხსნარის მომზადების პირობები, $^{\circ}\text{C}$	+mV	ფტორიდ-იონის აქტივობა, გ/ლ	ფტორიდ-იონის აქტივობის ცვლილობა
$\text{CrO}_3 - 300 \text{ g/l}$ ფტორიდ-იონი 13/g/l	20°	204	$2,29 \cdot 10^{-4}$	1,00
იგვენი	ხსნარს ვაცხელებდთ $95 \pm 2^{\circ} 1$ სთ განმავლობაში შემდეგ სწრაფად გავატოვეთ 20°	219	$1,2 \cdot 10^{-4}$	1,90
$\text{CrO}_3 - 300 \text{ g/l}$ ფტორიდ-იონი 13/g/l $\text{Cr}^{3+} - 3,2 \text{ g/l}$	20°	229	$0,8 \cdot 10^{-4}$	2,86
იგვენი	ხსნარს ვაცხელებდთ $95 \pm 2^{\circ} 1$ სთ განმავლობაში შემდეგ სწრაფად გავატოვეთ 20°	248	$0,37 \cdot 10^{-4}$	6,20

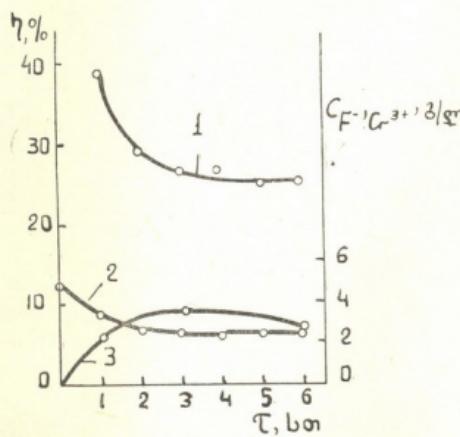
ხსნარში Cr^{3+} -ის კონცენტრაცია. ამ მოსაზრების შემოწმების მიზნით სელექტიური ფტორიდული ელექტროლიტის EF-VI -ის გამოყენებით ჩავატარეთ ქრომის მეაგვს ფტორიდულ ელექტროლიტში ფტორიდ-იონის აქტივობის გაზომვა ცნობილი მოცემული პირობებისათვის. როგორც I ცნობილის მონაცემებიდან ჩანს ფტორიდ-იონების აქტივობის შემცირებას ადგილი აქვს არა მარტო ხსნარში Cr^{3+} -ის არსებობისას, არამედ ახლად მომზადებული ფტორიდული ელექტროლიტის გაცხელებისას პროცესის ოპტიმალურ ტემპერატურამდე. ეს ეფუძნება აიხსნება ლიტერატურაში ცნობილი ფაქტით [10, 11], რომლის თანამადაც ადგილი აქვს ქრომატის ანიონში ერთი უანგბადის ჩანაცვლებას ფტორიდ-იონებით, რის შედეგადაც წარმოქმნება ფტორიდშემცველი კომპლექსური ოქსიანიონი — $[\text{CrO}_3\text{F}_2]^{2-}$. ხსნარში Cr^{3+} -ის შეყვანისა და გაცხელების შემდეგ კი ადგილი აქვს ფტორიდ-იონების აქტივობის შემცირებას დაახლოებით 6-ჯერ, რაც უნდა აიხსნას ზემოაღნიშნული კომპლექსების ერთ-დროული წარმოქმნით.

მე-2 ნახაზზე მოცემულია ელექტროლიზის პროცესში წარმოქმნილი Cr^{3+} -ის დაგროვებისა და ერთდროულად ფტორიდ-იონის კონცენტრაციის გაზომვის შედეგები. როგორც ნახაზზე მოცემული გრაფიკებიდან ჩანს სტაციონარული მდგრადი მყარდება ელექტროლიზის პირველი საათის განმავლობაში. შეიმჩნევა მყაფიო კორელაცია Cr^{3+} და F^- -იონების კონცენტრა-

ციებისა და დენით გამოსავლის ცვლილებათა შორის. აქ აუცილებელია ალა-ნიშნის რომ F^- -იონის კონცენტრაციის განსაზღვრა ხდებოდა სინჯში, ე. წ.
„შემნიღბველი“ დანამატის გარეშე, რომლის დანიშნულებაა დაშალოს ჭარ-მოქმნილი კომპლექსები.



ნახ. 1. ქრომის დენით გამოსავლისა (η —1,2) და ელექტროლიტში სამვალენტიანი ქრომის კონცენტრაციის (C —3,4) დამოიდებულება ელექტროლიტის მეშვინის ხანგრძლივობაზე. 1,3—ნოლი $-Pb + 4\% Sn$ უნაღმობა. 2,4 — პლატინის ანოდი $\cdot CrO_3$ — 300 г/л; F^- —5 г/л; t —95 \pm 5°; $D_J = 100$ с/дм²



ნახ. 2. ქრომის დენით გამოსავლის, ფტორიდ-იონის და სამ-ვალენტიანი ქრომის კონცენტრაციების დამოიდებულება ელექტროლიტის მეშვინის ხანგრძლივობაზე. 1—დენით გამოსავალი, 2—ფტორიდ-იონის კონცენტრაციის ცვლილება, 3—სამვალენტიანი ქრომის კონცენტრაციის ცვლლება. CrO_3 — 300 г/л; F^- —5 г/л; t —95 \pm 5°; $D_J = 100$ с/дм²

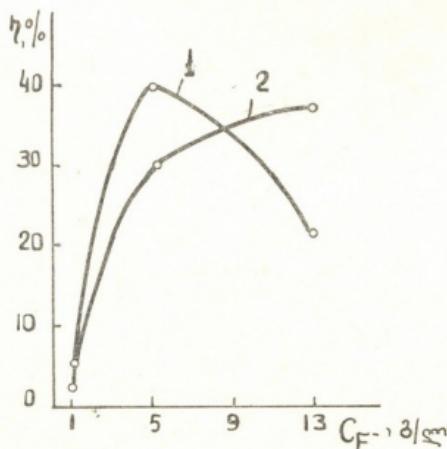


ძალიან საინტერესო შედეგი იქნა მიღებული ხანგრძლივი ელექტროდენსაცენტრის ზის პირობებში თარიმალურზე უფრო მაღალი კონცენტრაციის ფრინვილ-ინნის შემცველ ელექტროლიტებში. მე-3 ნახაზზე ნაჩვენებია, დღით გამო-

ც ხ რ ი ლ ი 2

ქრომის ნალექის სისქის ზრდის ხანგრძლივობის გავლენა პროცესის მაჩვენებლებზე და ნალექის ხარისხზე. ელექტროლიტის პირობები: ელექტროლიტის შედეგის ლობა (გ/ლ): $300 - \text{CrO}_3$, 5-HF; კათოლი—საიზოლაციო „AKR-7“ მოთავსებული პლიუნგის დისკი, $d=75 \text{ mm}$ ($F=44 \text{ cm}^2$); ანოდი— $\text{Pb}+4\%\text{S}$, შენაღნიბისაგან დაშადებული დისკი. $d=50 \text{ mm}$; $t=92 \pm 3^\circ$, $D_J = 95 \div 115 \text{ g/cm}^3$

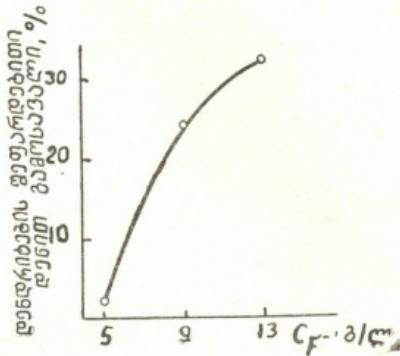
ცდის ხანგრძლივობა, სთ		ლითონის დენით გამოსავალი, %			ნალ-ექის ხარისხი, გ/ლ	კათოლის ნალექის აღწერა
თაროვარი ცდის	ნალექის დაზიანების მიღება	კამა	ლითონი	ჭავა		
1	1	39,5	—	39,5	0,172	რძისებული ნალექი მაღლეს-დენის ელექტრო
3	4	36,3	—	36,3	0,565	იგივე, ელექტროლიტის პერი-მეტრზე მცირე ზომის დენ-დრიტება წამონაზარდებით
5	9	18,4	12,1	30,5	0,497	ელექტროლიტის ზედაპირზე ად-ვალად ცვენადი დენდრიტები
7,5	16,5	18,8	12,7	31,5	0,552	ნალექის ზედაპირზე დენ-დრიტები; მათი მოცულებას შემდეგ შედაპირი ხორჯლი-ანია
7,	23,5	21,2	12,3	33,5	0,636	აგვი
8,	31,5	21,1	1230	34,1	0,772	აგვი



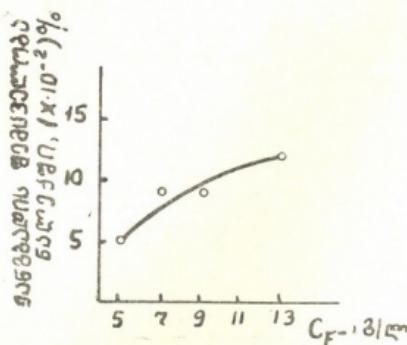
ნახ. 3. ქრომის დენით გამოსავლის დამოკიდებულება უტორიდ-ონის კონცენტრაციიზე. 1—ელექტროლიტის პირველ საათი-სათვეს, 2—ელექტროლიტის მეშვიდე საათისათვეს. $\text{CrO}_3—300 \text{ g/l}$; $t=95 \pm 5^\circ$, $D_J=100 \text{ g/cm}^3$

საელის დამოკიდებულება F- იონის კონცენტრაციაზე ელექტროლიზის პირ-ველი და მე-7 საათის შემდეგ.

როგორც ნახაზზე მოცემული გრაფიკიდან ჩანს, ოპტიმალური შედეგინალობის ელექტროლიტში ადგილი აქვს დენით გამოსავლის შემცირებას დროში გარევეული სიღილით. ფტორილ-იონის მაღალი კონცენტრაციის შემცველ ელექტროლიტში კი პირიქით — დენით გამოსავალი დროში საგრძნობლად იზრდება და აღემატება ოპტიმალური შედეგინალობის ელექტროლიტში მიღ-



ნახ. 4. დენრიტურმოქმნის დამოკიდებულება ფტორილ-იონის კონცენტრაციზე. კათოლის მუშაობის ხანგრძლივობა — 3 სა, ელექტროლიტის წინასწარი მუშაობის ხანგრძლივობა — 1 სთ, CrO_3 — 300 გ/ლ; $t = 95 \pm 5^\circ\text{C}$; $D_g = 100 \text{ g/cm}^3$

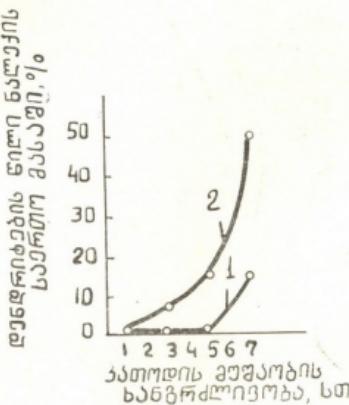


ნახ. 5. ქრომის ნალექში ჟანგბალის შემცველობის დამკიდებულება ელექტროლიტში ფტორილ - იონის კონცენტრაციზე, CrO_3 — 300 გ/ლ; $t = 95 \pm 5^\circ\text{C}$; $D_g = 100 \text{ g/cm}^3$

წეული დენით გამოსავლის დონეს. უკანასკნელ შემთხვევაში ადგილი აქვს დენდრიტურმოქმნის ტენდენციის ზრდას (იხ. ნახ. 4). მაგრამ ყველაზე მთავარი მაინც ის არის, რომ ფტორილ-იონის კონცენტრაციის გაზრდა ელექტროლიტში როგორც იმას მე-5 ნახაზზე მოტანილი გრაფიკი აჩვენებს, ხელს უწყობს ჟანგბალის შემცველობის გადიდებას ქრომის დანალექში.

როგორც იურიევი თანავტორებთან ერთად აღნიშნავს [6], ფტორილულ ელექტროლიტის არსტაბილურობის მიზეზი შეიძლება იყოს HF-ის აქრო-

ლება ელექტროლიტის პირობებში. ჩვენს მიერ 98°C გაცხელებული ოპტიმალური შედეგნილობის ფრორიდული ელექტროლიტის ორთქლის კანდიდატთანავე ტის ანალიზით დადგენილ იქნა, რომ ადგილი აქვს HF-ის აქტოლებას და მისი სიჩქარე შეადგენს 0,3—0,5% საათში ელექტროლიტში არსებული HF-ის რაოდენობიდან. ეს მიუთითებს იმაზე, რომ ელექტროლიტის პროცესი უნდა ჩატარდეს უკუმაციერის გამოყენებით. ასეთ პირობებში ჩატარებული ცდების შედეგები ნაჩვენებია მე-2 ცხრილში. როგორც ცხრილის მონაცემებიდან ჩანს, ახლადმომზადებულ ელექტროლიტში ქრომის დენით გამოსავალი მაღალია. როგორც ოვით ელექტროლიტის, ასევე კათოდის მუშაობის ხანგრძლივობის გაზრდით დენით გამოსავალი ეცვება. მიიღწევა სტაციონალური მდგრადობა, როცა ქრომის დენით გამოსავალი 30—35%-ის ფარგლებშია, მაგრამ 35—40% ქრომი დენდრიტების სახით გამოილექება. დადგენილი იქნა



ნახ. 6. დენდრიტულმოქმნის დამოკიდებულება კათოდის მუშაობის ხანგრძლივობაზე (ნალექის სისქეს ზრდაზე) და ელექტროლიტის წინასწარ მუშაობაზე: 1—ახლადმომზადებულ ელექტროლიტი, 2—წინასწარ 3 საათის განავალობაში ნაშენებაზე ელექტროლიტი, CrO_3 — 300 გ/ლ; F — 5 გ/ლ; t — $95 \pm 5^\circ$; $D_f = 100$ ა/დ²

(ნახ. 6), რომ ახლადმომზადებულ ელექტროლიტებში დენდრიტულმოქმნა შესამჩნევი ხდება, როცა კათოდის მუშაობის ხანგრძლივობა აღმატება 5 საათს, ხოლო ნამუშევარ ელექტროლიტში ეს გაცილებით ადრე შეიმჩნევა. ეს მოვლენა კრისტალის ზრდის აქტიურ-პასიური ცენტრების სწრაფ მონაცელებასთან ერთად უნდა აისხნას აგრძელებულ ტემპერატურაზე მიღებული ქრომის კრისტალური სტრუქტურის თავისებურებით, კერძოდ, კრისტალების ვერტიკალური ზრდით („ბოძისებური“ სტრუქტურა [12]).

ამრიგად, დადგენილია, რომ უტორიდულ ელექტროლიტებს შეუძლიათ სტაბილური მუშაობა დროის ხანგრძლივ პერიოდში, თუ თავიდან იქნება აცილებული HF-ის აქტოლება. ამავე დროს ალინიშნება დენდრიტულმოქმნის ტენდენციის გაზრდა ნამუშევარ ელექტროლიტში ახლადმომზადებულ ელექტროლიტთან შედარებით, რაც არ იძლევა 0,2—0,3 მმ-ზე სქელი კომპაქტური დანალექების მიღების საშუალებას.

საქართველოს მეცნიერებათა აკადემიის

რ. აგლაძის სახ. არაორგანული ქიმიისა

და ელექტროქიმიის ინსტიტუტი

შემოსულია 11. 07. 1990

ИЗУЧЕНИЕ СТАБИЛЬНОСТИ ФТОРИДНОГО ЭЛЕКТРОЛИТА ДЛЯ ПОЛУЧЕНИЯ ВЫСОКОЧИСТОГО ХРОМА

Р е з ю м е

Изучение стабильности фторидсодержащих хромовокислых электролитов ионометрическим методом показало, что при нагревании электролита происходит замещание кислорода в анионе хромата фторид-ионами и образование внутрисферных комплексов трехвалентного хрома, что вызывает уменьшение активности ионов фтора. Повышение исходной концентрации фторида от 5 до 13 г/л вызывает повышение содержания кислорода в осадке хрома и увеличение тенденции к дентритообразованию. Основной причиной нестабильности данного электролита является улетучивание HF. Показано, что при проведении процесса с использованием обратного холодильника электролит оптимального состава работает стablyно и обеспечивает выход хрома по току в пределах 30—35%.

J. F. GVELESIANI, M. G. MAMPORIA

THE STUDY OF FLUORIDE ELECTROLITE STABILITY FOR HIGH-PURITY CHROMIUM PRODUCTION

S u m m a r y

The study of stability of fluoride containing chromic-acid electrolytes by ionometric method has shown, that under heating of electrolyte the substitution of oxygen in the chromat-anion by fluoride-ions and the formation of the inside complexes of chromium (III) take place, that cause, the reduction of the activity of fluoride-ions. The increase of the initial concentration of fluoride from 5 to 13g/l causes an increase of oxygen content in chromium sediment and an increase of tendency for dendrite formation. The main reason of nonstability of the given electrolyte is the evaporation of HF. It has been shown, that with the use of back-flow condenser, the electrolyte of optimal composition works in a stable way and provides the current yield of chromium within 30—35%.

ЛІТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Баймаков Ю. Б., Баташев К. П., Теленков М. Л. Коррозия и борьба с ней: Материалы III конф. по хромированию. Бюлл. Всесоюзного электрохимета. 1937, т. III, 5—6, 423—432.
2. Шлугер М. А., Мартынова Л. С. Тр. Ин-та. Моск. веч. металлургический ин-т, 1969, вып. 8. 272—278.
3. Зосимович Д. П., Иванова Н. Д. Укр. хим. журнал, 1963, т. 29, вып. 7, 759—764.
4. Ryal N. G. Gof. The Electrochemical Society, 1960, 107, 5, 397—404.
5. Whittaker G. A. Gof. The Electrochemical Society, 1960, 109, 10, 986—987.
6. Юрьев Б. П., Петрова Г. И., Иванова Г. А. Тр. ин-та. ЛПИ им. Калянина, 1967, вып. 272, 128—136.



7. Антонов С. П., Зосимович Д. П. Укр. хим. журнал, 1965, т. XXXI, 5, 484—491.
8. Матулис Ю. Ю., Мицкус М. А. Теория и практика электролитического хромирования, М.: АН СССР, 1957, 31—43.
9. Гвелесиани Дж. Ф., Агладзе Р. И. Гидроэлектрометаллургия хрома (Под ред. Р. И. Агладзе). Тбилиси: АН ГССР, 1959, 179—190.
10. Pascal R. Nouveau Traité de Chimie Minérale. XV T. Masson et Clie, éditeurs. Paris, 1959, XIV, 1014.
11. Рипан Р., Четяну И. Неорганическая химия. М.: Мир, 1972, т. II, 875 с.
12. Аджиев Б. У. Автореф. дисс. канд. хим. наук, М., 1985, 22 с.



ФИЗИЧЕСКАЯ ХИМИЯ

УДК 669.046.74/782/891/787/784:541.123

Д. И. БАГДАВАДЗЕ, Г. Г. ГВЕЛЕСИАНИ, Л. В. ЦАМАЛАИДЗЕ

ТЕРМИЧЕСКОЕ МОДЕЛИРОВАНИЕ СИСТЕМЫ
Mn—Si—Ca—O—C

В связи с отсутствием в литературе термодинамического анализа системы Mn—Si—Ca—O—C представляется целесообразным решение данной задачи.

Расчеты проводились для девяти составов шихт:

1. MnO/SiO ₂ =2	с добавкой	5	масс. % CaO;
2. — " —	— " —	10	" — ;
3. — " —	— " —	15	" — ;
4. MnO/SiO ₂ =1	— " —	5	" — ;
5. — " —	— " —	10	" — ;
6. — " —	— " —	15	" — ;
7. Mn/SiO ₂ =0,363	— " —	5	" — ;
8. — " —	— " —	10	" — ;
9. — " —	— " —	15	" — ;

и охватывают область получения наиболее распространенных силикомарганцевых сплавов.

В числе возможных конденсированных компонентов системы учитывали: Mn, Si, Ca, C, MnSi, Mn₅Si₃, Mn₃Si, MnSi₂, CaSi, CaSi₂, Ca₂Si, Mn₃C, Mn₇C₃, Mn₂₃C₆, SiC, CaC₂, MnO, Mn₃O₄, Mn₂O₂, SiO₂, CaO, MnSiO₃, Mn₂SiO₄, CaSiO₃, Ca₂SiO₄, Ca₃SiO₅, Ca₃Si₂O₇, газообразных: Ar, O, O₂, O₃, C, C₂, C₃, C₄, C₅, CO, CO₂, C₂O, C₃O₂, Si, Si₂, Si₃, SiO, SiO₂, SiC, SiC₂, Si₂C, Si₂C₂, Si₃C, Ca, Ca₂, CaO, Mn, MnO.

Термодинамический анализ, моделирующий равновесные состояния указанных составов (ПТА), проводили с применением метода, алгоритма и программы расчетов на ЭВМ, описанных в [1]; они выполнены на ПЭВМ совместно с IBM PC при общем атмосферном давлении в интервале температур 1000—4000 К с шагом 50°.

Допущения образования металлического и шлакового растворов подобны описанным в [2]. Считали, что жидкий металлический раствор образуется при взаимном смешении и растворении металлов, силицидов марганца и кальция, карбидов марганца; шлаковый — подобным же образом из оксидов марганца, кремния, кальция, силикатов марганца и кальция.

В работе рассмотрены температурные области, в которых растворы (по данным [3]) находятся в расплавленном состоянии. Шлаковые растворы представлены в ионной форме, а металлические описаны элементным составом.

Основные результаты ПТА представлены в виде диаграмм. Для всех шихт определены соотношение конденсированных фаз (расплава шлака, металлического раствора и конденсированного углерода), изменение ионного состава шлакового раствора, состав металлического раствора и газовой фазы, распределение Mn, Si, Ca между металли-

ическим раствором, жидким шлаком и газовой фазой, извлечение Mn , Si и Ca в металлический расплав и энергозатраты процесса в температурном интервале 1550—2400 К. Из-за большого обилия диаграмм и их сходства для разных составов шихт, полученные результаты графически представлены на примере шихты 1.

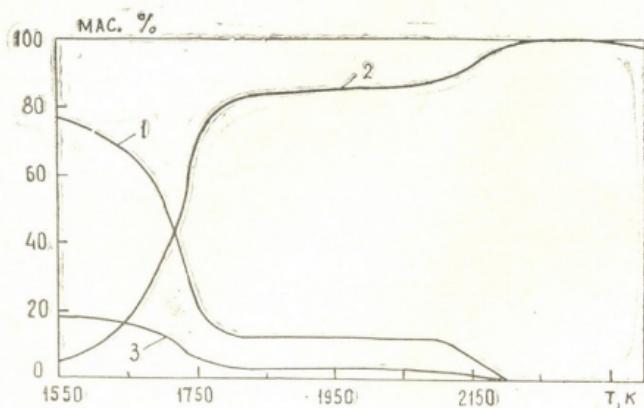


Рис. 1. Соотношение конденсированных фаз 1–3 (расплав шлака, металлический раствор, конденсированный углерод)

На рис. 1 показаны соотношения конденсированных фаз (расплава шлака, металлического раствора и конденсированного углерода) в температурном интервале 1550—2400 К; для всех составов шихт рост температуры способствует уменьшению количества шлака. Наиболее наглядно данная зависимость проявляется до ~ 1800 К. При более высоких температурах соотношение фаз неизменно.

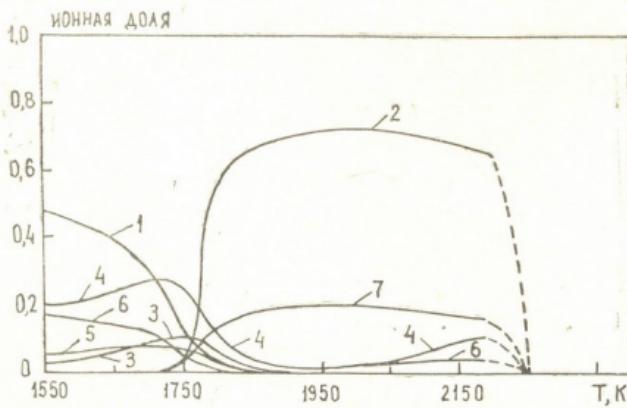


Рис. 2. Ионный состав шлакового раствора: 1— Mn^{+2} , 2— Ca^{+2} , 3— Si^{+4} , 4— O^{-2} , 5— SiO_3^{-2} , 6— SiO_4^{-4}

ких температурах (до ~ 2100 К) оно остается практически постоянным (для шихты 1—12, 2—22, 3—30, 4—13, 5—23, 6—32, 7—15, 8—25, 9—35 мас. %). В интервале температур ~ 2100 —2250 К количества шлака резко уменьшаются, и восстановление практически заканчивается. Аналогичная картина наблюдается и для металлического раствора с

той лишь разницей, что с повышением температуры имеет место увеличение его количества и выше 2200 К для составов 1—6 достигает ~98—99 масс.%, а 7, 8, 9 соответственно 80, 85, 89 масс.%. Содержание углерода для составов 1—6 снижается с ростом температуры и в интервале 1800—2150 К остается практически постоянным (соответственно 3, 5, 8, 12, 12 масс.%). Для составов 7, 8, 9 в температурном ин-

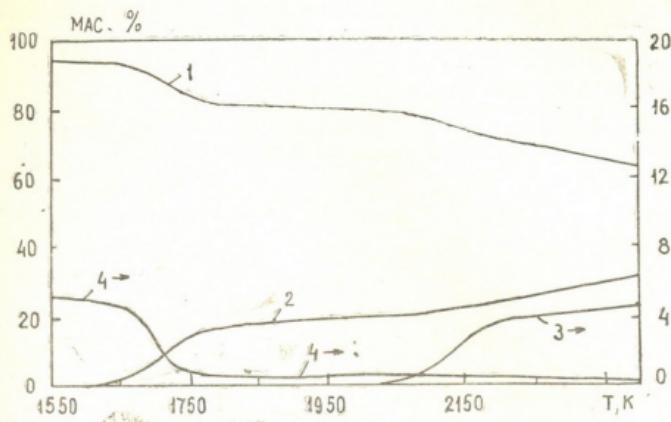


Рис. 3. Состав металлического раствора: [Mn], [Si], [Ca]. [C].

тервале 1550—1700 К количество углерода уменьшается незначительно; с ростом температуры до 1800 К оно резко повышается, достигая ~32—34 масс.%, и далее остается постоянным до 2150 К. Выше этой температуры количества углерода значительно снижаются (соответственно 20,15, 10 масс.%).

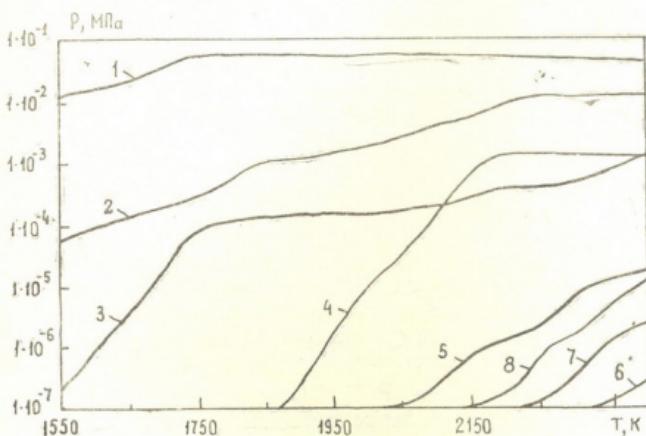


Рис. 4. Парциальное давление основных компонентов: 1—CO, 2—Mn, 3—SiO, 4—Ca, 5—Si, 6— Si_2 , 7— Si_2C , 8— SiC_2 .

Ионный состав шлакового раствора в температурном интервале 1550—2400 К представлен на рис. 2.

На рис. 3 показано изменение состава металлического раствора. Для шихт 1—6 содержание марганца в сплаве с ростом температуры снижается. Эффект наиболее нагляден для интервалов 1650—1800 К и 2100—2300 К. Рост температуры приводит к увеличению содержания кремния в сплаве; эффект наиболее ощутим до ~1750 К. Данную закономерность следует объяснить появлением марганца в сплаве уже до 1550 К, тогда как заметное восстановление кремния наблюдается выше этой температуры. При более высоких температурах (до ~2100 К) увеличение содержания кремния в сплаве обусловлено испарением

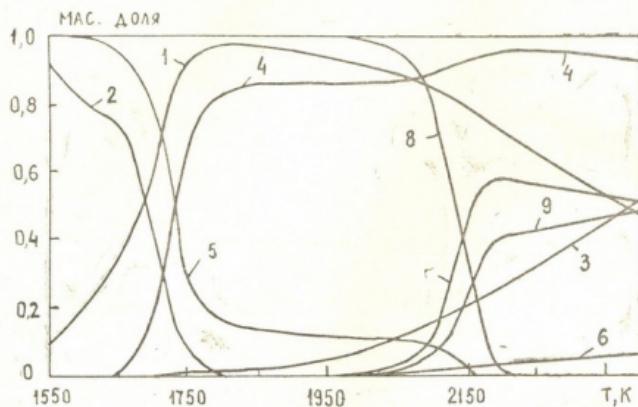


Рис. 5. Распределение Mn (1—3), Si (4—6), Ca (7—9) между соответственно металлическим раствором (1, 4, 7) жидким шлаком (2, 5, 8) и газовой фазой (3, 6, 9).

марганца. Аналогичная картина наблюдается и для составов 7—9 с той лишь разницей, что эффект при температурах 1650—1800 К менее ощущим. Наличие кальция в сплаве для всех составов обнаружено уже при ~2000 К; в интервале температур 2200—2250 К его количества резко растет и при 2400 К достигает соответственно 4,7, 9,0, 13,3, 6,0, 11,0, 16,3, 8,8, 15,2, 21,0 масс.%. Что касается углерода, то с повышением температуры до 1750 К для составов 1, 2, 3 наблюдается заметное уменьшение его концентрации в сплаве и достигает соответственно 3, 5, 8 масс%; с дальнейшим ростом температуры до 2100 К концентрация изменяется незначительно, и выше этой температуры количества углерода поникаются. Для составов 4, 5, 6 и особенно 7, 8, 9 с повышением температуры до 1800 К углерод в сплаве достигает сотых и тысячных долей.

Результаты расчетов газовой фазы даны на рис. 4. Для всех составов до 1750 К имеет место возрастание давления пара CO , и эта величина остается практически постоянной при более высоких температурах. В отличие от сказанного, с ростом температуры давление пара марганца в газовой фазе увеличивается непрерывно. До ~1850 К давление SiO резко возрастает. Более высокие температуры в меньшей степени влияют на изменение P^{SiO} . Выше ~1900—2000 К значительно повышается парциальное давление кальция, и газовая фаза над рассматриваемой системой наряду с вышеуказанными компонентами содержит также Si , Si_2 , Si_2C и SiC_2 .

Распределение Mn, Si и Ca между металлическим раствором, жидким шлаком и газовой фазой дано на рис. 5.

На рис. 6 показано извлечение Mn, Si и Ca в металлический расплав и энергозатраты процесса. Максимальное извлечение марганца для всех составов наблюдается при 1800 К и равно для шихты 1—6

~98, а 7—9—95 масс.%. Для кремния эти значения для составов 1—6 достигаются при 1850 К и соответственно равны 85, 73, 58, 60, 60, 60, а для шихт 7—9 при 1800 К — 50, 25, 20 масс.%. С увеличением количества CaO из-за образования устойчивых комплексов CaO—SiO₂ извлечение кремния до 1800—2050 К снижается. Однако, с дальнейшим ро-

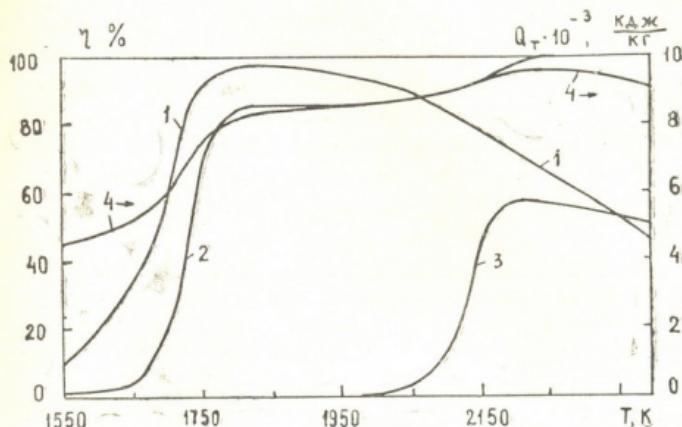


Рис. 6. Извлечение Mn(1), Si(2), Ca(3) в металлический раствор и энергозатраты (4).

стом температуры, в связи с ослаблением устойчивости комплексов, наблюдается увеличение его извлечения, и эта величина при 2200—2300 К соответственно достигает 96, 96, 95, 87, 95, 95, 56, 65, 73,5 масс.%. Извлечение кальция при этих температурах соответственно равно 58, 52, 46, 82, 5, 82, 71, 88, 88, 87 масс.%. Энергозатраты Q_r резко увеличиваются до 1800—1850 К и для всех составов достигают порядка 5000—8500 кДж/кг.

ИМЕТ им. Ф. Н. Тавадзе АН Грузии

Поступило 10.10.1990

Х. ბალავაძე, გ. გვილასიძე, ლ. ჭავალაძე

Mn-Si-Ca-O-C სისტემის სინтეზი თანამდებობის ანალიზი

რეზიუმე

ელექტროგამომთვლელი მანქანის გამოყენებით შესრულებულია Mn-Si-Ca-O-C სისტემის სრული თერმოდინამიკური ანალიზი 1000—4000 K ტემპერატურულ ინტერვალში. განსაზღვრულია ლითონური და აირადი ფაზის შედეგნილობა, მანგანუმის, სილიციუმის და კალციუმის გამოსავალი, პროცესის ენერგეტიკული დანახარჯი.

J. I. BAGDAVADZE, G. G. GVELESIANI, L. V. TSAMALAIIDZE

COMPLETE THERMODYNAMIC ANALYSIS OF THE SYSTEM
 $Mn - Si - Ca - O - C$

S u m m a r y

Complete thermodynamic analysis of $Mn - Si - Ca - O - C$ system has been conducted using electronic computer (EC) in the temperature range 1000 — 4000 K. Constitutions of metallic and slag solutions, gas phase distribution of manganese, silicon and calcium among metallic solution, liquid, slag and gas phase, manganese, silicon and calcium extraction and energy consumptions of the processes have been determined.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Синярев Г. Б., Ватолин Н. А., Трусов Б. Г., Моисеев Г. К. Применение ЭВМ для термодинамических расчетов металлургических процессов, М.: Наука, 1982.
2. Бородулин Е. К., Моисеев Г. К., Ватолин Н. А. ДАН СССР, 1981, 259, № 3, 596—599.
3. Хитрик С. И., Гасик М. И., Кучер А. Г. Электрометаллургия марганцевых ферросплавов. Киев: Техника, 1971.

УДК 536.7.206.1

Д. Ш. ЦАГАРЕЙШВИЛИ, Г. В. ЦАГАРЕЙШВИЛИ, М. Ч. ТУШИШВИЛИ

УПРУГИЕ И ТЕРМОУПРУГИЕ ХАРАКТЕРИСТИКИ СУБОКСИДА БОРА В ШИРОКОМ ИНТЕРВАЛЕ ТЕМПЕРАТУР

Экспериментальные данные по упругим и термоупругим характеристикам субоксида бора (B_6O), несмотря на его возрастающее использование в новой технике, весьма ограничены. В частности, за исключением опытных значений его упругих модулей при 298 К, измеренных в работе /1/, какие-либо данные по упругим и термоупругим характеристикам B_6O в широком интервале температур отсутствуют в литературе. В настоящей работе предпринята попытка в некоторой степени восполнить этот пробел, в частности, расширить банк данных по упругим и термоупругим характеристикам B_6O с использованием расчетных методов их определения.

В работе /1/ резонансным методом определены значения упругих модулей B_6O при комнатной температуре с использованием его образцов с различной пористостью. В /1/ показано, что адиабатическое значение коэффициента Пуассона (σ_s) B_6O почти не зависит от пористости, и оно принято равным 0,155. Согласно /1/ величина адиабатического модуля Юнга (Y_s) B_6O при нулевой пористости равна 4,723 Мбар; адиабатическое значение модуля объемной упругости (B_s) и величина модуля сдвига (μ) субоксида бора далее были определены нами с помощью уравнений теории упругости /2/;

$$B_s = Y_s / 3(1 - 2\sigma_s) = 2,282 \text{ Мбар} \quad (1)$$

$$\mu = Y_s / 2(1 + \sigma_s) = 2,044 \text{ Мбар} \quad (2)$$

Температурные зависимости адиабатического (B_s) и изотермического (B_r) модулей объемной упругости, термоупругих параметров Грюнайзена (γ) /3/, Андерсона — Грюнайзена (δ_s и δ_r) /4, 5/ и Мурнагана ($\partial B_s / \partial P$), /6/ субоксида бора определены из следующих уравнений:

$$B_s = B_{s, 298} [1 - K_1 (H_r - H_{298, 15})], \quad (3)$$

$$\gamma = \alpha V B_s / C_p, \quad (4)$$

$$\delta_s = -\alpha^{-1} (\partial \ln B_s / \partial T)_p, \quad (5)$$

$$B_m = B_s / (1 + \gamma \alpha T), \quad (6)$$

$$\delta_r = \delta_s + \gamma C_p T / (H_r - H_0), \quad (7)$$

$$(\partial B_s / \partial P)_r = (\delta_s + \gamma)(B_s / B_r), \quad (8)$$

где P — давление; T — температура; α — термический коэффициент объемного расширения; V — объем; C_p — изобарная теплоемкость; $(H_r - H_0)$ — изменение энталпии в интервале 0 — ТК.

Под K_1 обозначено выражение

$$K_1 = 2 (\alpha^2 V B_s / C_p^2)_{298}. \quad (9)$$

Заметим, что уравнения (4), (5) и (6) являются точными термодинамическими соотношениями, а (3) и (8) — квазитермодинамическими выражениями, заимствованными из [7]. Формула (7) выведена нами с помощью описанного в [7] квазитермодинамического метода. Рассчитанные из уравнений (3) — (8) значения величин B_s , B_τ , γ , δ_s , δ_τ , и $(\partial B_s / \partial P)_\tau$ приведены в табл. 1 и 2. Функции $B_s = f_1(T)$ и $\gamma = f_2(T)$ в графическом виде изображены

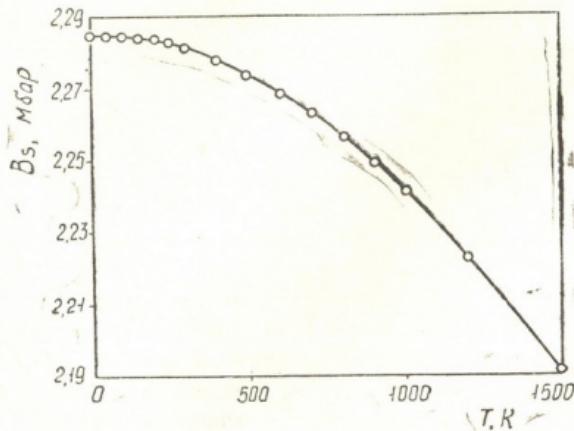


Рис. 1. Зависимость аддабатического модуля объемной упругости субоксида бора от температуры

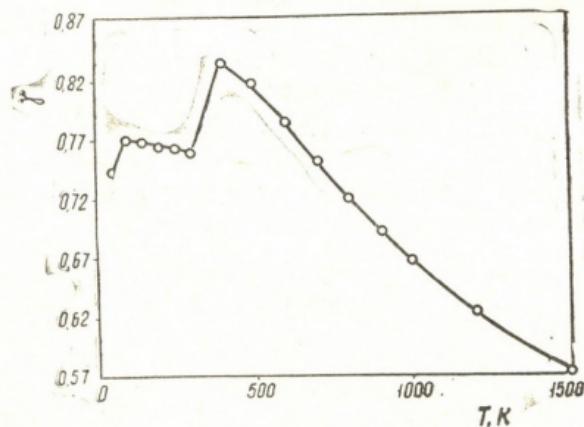


Рис. 2. Зависимость параметра Грюнайзена субоксида бора от температуры

ны на рис. 1, 2, В табл. 1 представлены также значения использованных в расчетах функций $C_p(T)$, $H_\tau - H_{298.15} = f(T)$, $\alpha(T)$ и $V(T)$ для субоксида бора. При этом данные по его энталпиям и теплоемкостям при низких

температурах получены нами в соавторстве в вакуумном адиабатическом калориметре, а при высоких температурах—с помощью массивного калориметра (метод смешения). Величины $\alpha(T)$ и $V(T)$ для B_6O найдены нами путем обработки приведенных в /1/ опытных данных по его высокотем-

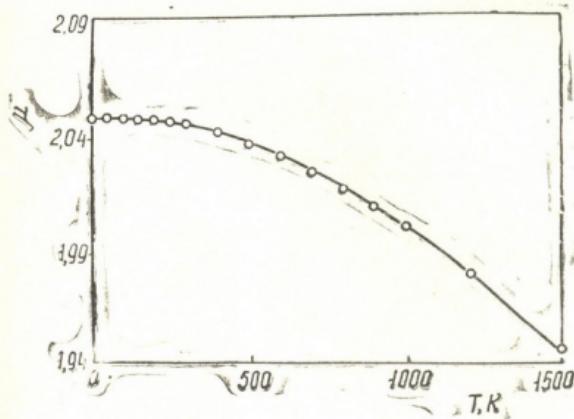


Рис. 3. Зависимость модуля сдвига субоксида бора от температуры

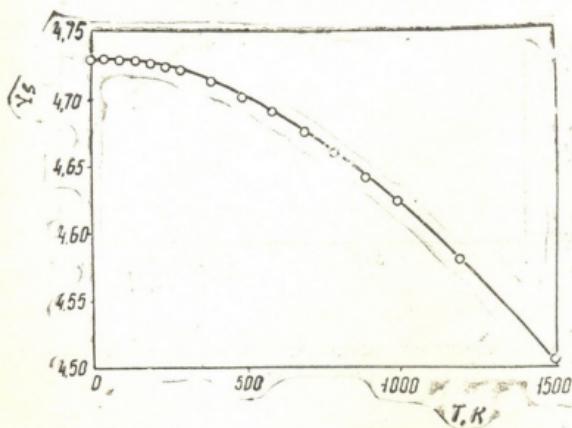


Рис. 4. Зависимость модуля Юнга субоксида бора от температуры

пературному линейному тепловому расширению и на основании предложенных в /7/ расчетных методов.

Для расчета функций $\mu=f_1(T)$, $Y_s=f_2(T)$, $\sigma_s=f_3(T)$, $C_m=f_4(T)$ и $\Theta_D=f_5(T)$ в интервале 0—1500К использованы уравнения:

$$\mu = \mu_{298} / \exp [K_2 (H_7 - H_{298,15})], \quad (10)$$

$$Y_s = 9 B_s \mu / (3B_s + \mu), \quad (11)$$

$$\sigma_s = (3B_s - 2\mu) / (6B_s + 2\mu), \quad (12)$$

$$C_m = (V - 1/3 [3/(2+K_3)])^{1/3}, \quad (13)$$

$$\Theta_D = \frac{h}{K} \left(\frac{3N}{4} \right)^{1/3} \frac{C_m}{(V/m)^{1/3}}, \quad (14)$$

где h и K — постоянные Планка и Больцмана; N — число Авогадро; m — число атомов в молекуле субоксида бора ($m = 7$); C_m — средняя скорость звука; Θ_D — характеристическая температура Дебая; под K_2 и K_3 обозначены выражения:

$$K_2 = \left(2 \gamma_{298} + \frac{1}{3} \right) \frac{\alpha_{298}}{C_{p,298}} \quad (15)$$

$$K_3 = \left(\frac{3\mu - Y_s}{4\mu - Y_s} \right)^{3/2} \quad (16)$$

Уравнение (10) выведено нами с использованием квазитермодинамического метода /7/, а соотношения (11) и (12) взяты из /2/, а (13) и (14) — из /8/.

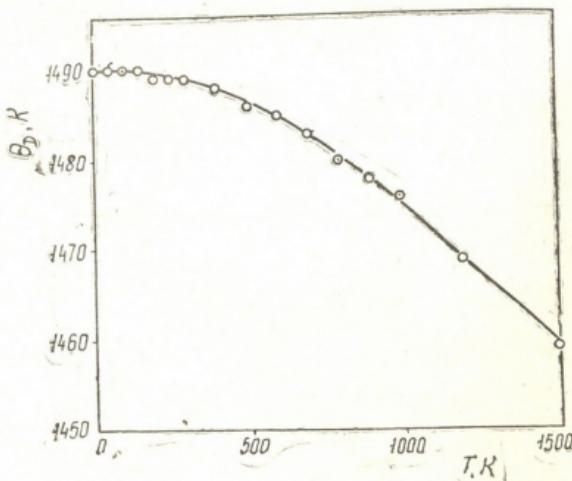


Рис. 5. Зависимость температуры Дебая субоксида бора от температуры

В табл. 1. и 2 приведены найденные из уравнений (10) и (14) значения модулей сдвига и Юнга, коэффициента Пуассона, средней скорости звука и температуры Дебая субоксида бора в интервале 0—1500 К. На рис. 3—5 представлены его кривые $\mu=f_1(T)$, $Y_s=f_2(T)$ и $\Theta_D=f_3(T)$, построенные с помощью данных табл. 1 и 2.

Как показывают данные табл. 1 и 2, средняя скорость звука в субоксиде бора, а также его коэффициент Пуассона почти не зависят от температуры; термоупругие параметры B_6O (γ , δ_s , δ_r , $(dB_s/dP)_r$) являются слабыми функциями температуры. Высокие значения параметра Θ_D для B_6O указывает на то, что его энергия сцепления составляет, по-видимому, значительную величину.

Так как субоксид бора является структурным аналогом карбида бора и основным структурным элементом строения его кристаллической решетки

Значения теплоемкости, энталпии, термического коэффициента объемного расширения, объема, температуры Дебая, параметров Грюнайзена, Андерсона - Грюнайзена и Мурнагана субоксида бора в интервале температур 0—1500 К

T, K	C_p , кал/моль·К	$H_t - H_{298,15}$, кал/моль	$\alpha \cdot 10^6$, K^{-1}	V, $cm^3/\text{моль}$	γ	δ_s	δ_T	$(\frac{\partial B_s}{\partial P})_T$	θ_D , K
0	0	-1898	0	31,0750	—	—	—	—	1490
50	0,297	-1893,8	0,1343	31,0755	0,744	1,55	4,17	2,29	1490
100	1,852	-1846,5	0,837	31,076	0,771	1,50	4,27	2,27	1490
150	4,995	-1678,1	2,260	31,078	0,769	1,50	4,12	2,27	1490
200	9,184	-1331	4,139	31,083	0,766	1,51	3,99	2,27	1489
250	13,68	-754,5	6,150	31,091	0,764	1,51	3,79	2,28	1489
298	17,76	0	7,95	31,102	0,760	1,58	3,64	2,34	1489
400	25,33	2220	12,48	31,135	0,836	1,38	3,44	2,23	1488
500	30,97	5044	14,94	31,178	0,818	1,41	3,24	2,24	1486
600	35,92	8392	16,65	31,227	0,786	1,47	3,12	2,28	1485
700	40,55	12218	18,00	31,281	0,752	1,54	3,05	2,32	1483
800	44,99	16496	19,17	31,339	0,721	1,61	3,02	2,36	1480
900	49,34	21213	20,22	31,400	0,692	1,68	3,01	2,40	1478
1000	53,63	26362	21,21	31,464	0,667	1,75	3,01	2,45	1476
1200	62,08	37935	23,04	31,602	0,624	1,88	3,05	2,55	1469
1500	74,63	58445	25,65	31,829	0,573	2,06	3,12	2,69	1459

Таблица 2

Значения величин B_s , B_T , μ , Y_s , σ_s и C_m субоксида бора в интервале температур 0 — 1500 К

T, K	B_s , Мбар	B_T , Мбар	μ , Мбар	Y_s , Мбар	σ_s	C_m , км/сек
0	2,28494	2,28494	2,04722	4,72925	0,155	9,747
50	2,2849	2,2849	2,04721	4,72922	0,155	9,747
100	2,2848	2,2847	2,04713	4,7290	0,155	9,746
150	2,2846	2,2852	2,0468	4,7284	0,155	9,746
200	2,284	2,283	2,0463	4,7271	0,155	9,746
250	2,283	2,280	2,0453	4,725	0,155	9,745
298	2,282	2,278	2,044	4,722	0,155	9,743
400	2,278	2,269	2,040	4,713	0,155	9,739
500	2,274	2,260	2,035	4,702	0,155	9,734
600	2,269	2,251	2,030	4,691	0,155	9,730
700	2,263	2,242	2,023	4,676	0,156	9,721
800	2,256	2,231	2,016	4,660	0,156	9,714
900	2,249	2,221	2,008	4,642	0,156	9,704
1000	2,241	2,210	2,000	4,624	0,156	9,695
1200	2,223	2,185	1,980	4,580	0,157	9,668
1500	2,191	2,144	1,947	4,506	0,157	9,622

является икосаэдр-полиэдр из 12 атомов бора, как в решетке β -ромбоэдрического бора, то представляется целесообразным сопоставить их некоторые упругие и термоупругие свойства при 298 К (табл. 3). Как видно из табл. 3, почти совпадают значения модулей Юнга и сдвига, средней склонности звука и температуры Дебая B_s , B_T и μ -бора; весьма близки величины их модуля объемной упругости и параметра Грюнайзена. Значительные расхождения между значениями параметров δ_s и δ , для рассмотренных веществ обусловлены тем, что производная $(\partial B_s / \partial T)_p$ для β -бора, в отличие от многих неорганических кристаллов, является положительной ве-

Таблица 3

Сопоставление некоторых упругих и термоупругих свойств субоксида бора с аналогичными данными карбида бора и β -ромбодиэдрического бора при 298 К

Свойство	B_6O (данные настоящей работы)	B_4C	β -B [8]
γ_s , Мбар	4,723	4,48 [9]	4,575
σ_s	0,155	0,21 [9]	0,127
B_s , Мбар	2,282	2,582 [9]	2,050
μ , Мбар	2,044	1,85 [9]	2,030
γ	0,760	—	0,907
δ_s	1,58	—	10,87
δ_T	3,64	—	12,38
$(\partial B_s / \partial P)_T$	2,34	—	4,26
C_m , км/сек	9,743	—	10,185
θ_D , К	1489	1487 [10]	1538

личиной /8/. Большое сходство между значениями ряда упругих свойств B_6O и β -бора указывает на идентичность природы химической связи в этих веществах.

Институт metallurgии им. Ф. Н. Тавадзе АН Грузии

Поступило 12.03.1990

დ. ცაგარეიშვილი, გ. ცაგარეიშვილი, გ. თუშიშვილი

პორის სუბონენის დრეკაზი და თერმოდინამი

მახასიათებლები ტეპერატურის ფართო

ცირკულაცია

რეზიუმე

პორის სუბონენის (B_6O) დრეკადობის მოდულების შესახებ ლიტერატურაში არსებული ექსპერიმენტული მონაცემებისა (298 К-ზე) და საანგარიშო მეთოდების გამოყენებით გათვლილია მისი ოდიაბატური და ძინორემული მოცულობითი დრეკადობის მოდულების, ძვრის და იუნგის მოდულების, პუასონის კოეფიციენტის, გრიუნაიზენის, ანდერსონ-გრიუნაიზენის და მურნაგანის თერმოდრეკადი პარამეტრების, ბეკრის საშუალო სიჩქარის და დებაის ტემპერატურის მნიშვნელობები 0—1500 К ტემპერატურულ შუალედში. ნაჩვენებია, რომ იზოსტრუქტურული ნაერთების B_6O და B_4C და ანალოგიური კრისტალური მესერის შემთხვევაში დრეკადი და თერმოდრეკადი მახასიათებლების სიდიდეები 298 К-ზე უმნიშვნელოდ განსხვავდებიან ერთმანეთისაგან. გამოთქმულია მოსაზრება აღნიშნულ ნაერთებში ქიმიურია ბმის ბუნების ინდინტურობის შესახებ. მიღებულია ახალი განტოლებები, რომლებიც გამოსახავს არათრგანული კრისტალების ანდერსონ-გრიუნაიზენის იზოთერმული პარამეტრისა და ძვრის მოდულის ტემპერატურისაგან დამკიდებულებას ტემპერატურის ფართო ინტერვალში.

ELASTIC AND THERMOELASTIC CHARACTERISTICS OF BORON SUBOXIDE IN WIDE RANGES OF TEMPERATURES

S u m m a r y

The adiabatic and isothermal elastic bulk modulus, Young's and shear modulus, Poisson's coefficient, Gruneisen, Anderson-Gruneisen and Murnaghan thermoelastic parameters, the average sound velocity and Debye temperature values have been estimated in the temperature range 0—1500K on the base of available in the literature experimental data (at 298K) on boron suboxide (B_6O) and methods of calculation. It was shown, that the values of some elastic and thermoelastic characteristics of isostructural compounds of B_6O and B_4C and of β -rhombohedral boron with analogous space group hardly differ from each other. It was supposed, that the nature of chemical bonds in the above mentioned compounds are identical. New equations expressing the temperature dependence of Anderson-Gruneisen isothermal parameter and shear modulus in the wide range of temperatures were obtained.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Petрак D. R., Ruh R., Atkins G. R., Amer. Ceram. Soc. Bull., 1974, 53, 8, 569—575.
2. Лурье А. И. Теория упругости. М.: Наука, 1970.
3. Grüneisen E., Handb. d. Phys., 1926, 10, 1.
4. Anderson O. L., Phys. Rev., 1966, 144, 553.
5. Anderson O. L., J. Geophys. Res., 1967, 72, 3661.
6. Мурнаган F. D., Proc. Natur. Acad. Sci., 1944, 30, 244.
7. Цагарейшвили Д. Ш., Методы расчета термических и упругих свойств кристаллических неорганических веществ, Тбилиси, Мецниереба, 1977.
8. Цагарейшвили Г. В., Цагарейшвили Д. Ш. Термические и упругие свойства бора, Тбилиси, Мецниереба, 1990.
9. Mirthy S. Ramana, J. Mater. Scien. Lett., 1985, 4, 5, 603—605.
10. Кислый П. С., Кузенкова М. А., Боднарук Н. И., Грабчук Б. Л., Карбид бора, Киев: Наукова думка, 1988.

УДК 532.783—541.651

К. Д. ВИНОКУР, К. Г. ДЖАПАРИДЗЕ, Г. С. ЧИЛАЯ, Л. К. ШАРАШИДЗЕ,
З. М. ЭЛАШВИЛИ

НОВЫЕ ОПТИЧЕСКИ АКТИВНЫЕ СОЕДИНЕНИЯ ДЛЯ ИНДУЦИРОВАНИЯ СЕГНЕТОЭЛЕКТРИЧЕСТВА В ЖИДКИХ КРИСТАЛЛАХ

В последние годы в системах отображения информации широкое применение нашли жидкие кристаллы. Наиболее перспективными являются жидкие кристаллы с индуцированной спиральной структурой, особенно индуцированные хиральными смектиками. В последних дополнительно индуцируются сегнетоэлектрические свойства, поскольку именно в них получены рекордные для жидких кристаллов времена электроптического переключения.

Индуцирование сегнетоэлектрических свойств осуществляется введением оптически активного соединения с поперечным дипольным моментом в жидкие кристаллы, обладающие наклонными смектическими фазами (С или Н).

Известно [1], что для закручивания нематических матриц успешно применялись эфиры холестерина, тигогенина и 1-ментола. Возник вопрос о возможности индуцирования ими сегнетоэлектрических свойств. Однако большинство известных до сих пор эфиров вышенназванных соединений не обладают поперечным дипольным моментом.

В настоящей работе описывается синтез эфиров холестерина, 1-ментола и тигогенина с электроно-акцепторным заместителем в боковой цепи и приводятся результаты исследования их индуцирующих свойств.

С целью создания поперечного дипольного момента в молекулах оптически активной добавки были использованы α -хлормасляная и α -хлорфенилуксусная кислоты. В эфирах этих соединений поперечный дипольный момент реализуется за счет атомов хлора. Поэтому были синтезированы следующие исходные вещества.

Хлорангидрид α -хлорфенилуксусной кислоты. В этиловом эфире миндалевой кислоты [2] замещением гидроксильной группы на атом хлора [3] синтезируется α -хлорфенилуксусная кислота; при действии на последнюю хлористым тионилом получается хлорангидрид α -хлоруксусной кислоты с т. к. 103—106°/4 мм рт. ст., выход — 86%.

Хлорангидрид α -хлормасляной кислоты получается действием хлористого тионила на α -хлормасляную кислоту, т. к. 130—131°, выход — 89%.

Эфиры холестерина и тигогенина. В круглодонной колбе в сухом бензоле растворяется 20 мл сухого пиридина, смесь охлаждается, к ней по каплям при постоянном взбалтывании приливается хлорангидрид соответствующей кислоты. После полного добавления смесь нагревается (с обратным холодильником и хлоркальциевой трубкой) на водяной бане в течение двух часов. При охлаждении смесь выливается на подкисленный лед, экстрагируется бензolem, экстракт промывается водой до нейтральной реакции, растворитель отгоняется, а остаток кристаллизуется из этанола.

Таблица 1

Синтезированные оптически активные соединения

№	Вещество	Тпл, °C	$N[\alpha]$	$P_c, K\pi/cm^2$	Элементный анализ, %			БИОАКТИВНОСТЬ
					C	H	O ₂ H ₂ N ₂ Cl ₂	
1		108–109	–131,2	—	75,84 75,48	10,39 10,90	—	6,52 6,12
2		106–107	—93,5	—	77,99 77,68	9,47 9,82	—	6,59 6,92
3		172–173	–311,6	—	71,46 71,31	9,41 9,36	—	6,82 6,61
4		187–189	—202,2	—	73,87 74,47	8,62 9,02	—	6,63 6,24
5		92–93	—282,4	$1,3 \cdot 10^{-8}$	72,72 72,36	8,26 8,19	2,82 3,12	—
6		83–84	—296,5	$1,5 \cdot 10^{-8}$	73,42 73,58	8,93 8,60	2,64 2,95	—

Аллоксисалициловые альдегиды получаются аллоксированием резорцилового альдегида по методике [4]. Были получены 4-н-амилоксисалициловый альдегид, т. к. 149—150° (1 мм рт. ст.) и 4-н-гептилоксисалициловый альдегид, т. к. 164—166° (1 мм рт. ст.).

1-ментилоксиуксусная кислота и ее хлорангидрид синтезируются по методикам, описанным в [5].

4-аллоксисалицилиден-4'-гидроксианилин получается конденсацией аллоксисалицилового альдегида и п-аминофенола в среде этанола. Из этанола кристаллизуются 4-н-гептилоксисалицилиден-4'-гидроксианилин (т. пл. 124—126°) и 4-н-амилоксисалицилиден-4'-гидроксианилин (т. пл. 163—166°).

Ацилирование 4-аллоксисалицилиден-4'-гидроксианилина. В круглодонную колбу помещается 0,1 моль азометина, 20 мл сухого пиридина и при непрерывном взбалтывании добавляется холодная смесь 0,12 моля 1-ментоксиуксусной кислоты и 0,12 моля ее хлорангидрида. Смесь нагревается на водяной бане в течение двух часов, после охлаждения выливается в 5% раствор бикарбоната натрия, кристаллы отфильтровываются и кристаллизуются из этанола: 4-амилоксисалицилиден-4'-ментоксиацетанилин (т. пл. 92—93° $[\alpha]_D = -57,1^\circ$)

Элементный анализ и физические параметры полученных оптически активных соединений приведены в таблице 1.

Измерения спонтанной поляризации P_c проводились по осциллографам переполяризации на образцах с гомогенной ориентацией. Контроль за процессом переполяризации проводился по микроскопическому наблюдению образцов в поляризованном свете. Измерения величины спонтанной поляризации осуществлялись расшифровкой видимых на экране осциллографа петель диэлектрического гистерезиса в модифицированной схеме Сойера—Тауэра с заземленным образцом [6].

Угол наклона молекулы от нормали к смектическим плоскостям определялся по измерению углов погасания в скрещенных поляроидах при различных знаках постоянного раскручивающего поля. При подаче раскручивающего поля молекулы поворачиваются в плоскости образца так, что оптическая ось в однородно ориентированной части образца составляет угол наклона $\mp\theta_c$ с первоначальным направлением оси спирали.

При исследовании синтезированных веществ, растворенных в *n*-гексилоксисалицилиден-*n*'-н-гексиланилине (смектик C), оказалось, что эфиры холестерина (1 и 2) не индуцируют сегнетоэлектричество, а смеси с эфирами тигогенина (3 и 4), хотя в них индуцируются сегнетоэлектрические свойства, обладают очень малой величиной спонтанной поляризации $P_c < 10^{-10} \text{ Кл}/\text{см}^2$.

При проведении в ту же матрицу соединений 5 или 6 до 20% по весу величина $P_c = 1,3 - 1,5 \text{ нКл}/\text{см}^2$; $\theta_c = 7,5^\circ - 8^\circ$.

Ранее [7] было установлено, что для аллоксисалицилиденов, в молекулах которых радикал 1-метила непосредственно связан с сопряженной системой молекулы, $P_c = 2,5 \text{ нКл}/\text{см}^2$, а угол наклона $\theta_c = 21,5^\circ$.

Как следует из результатов, замена в салицилиденах группы $-\text{COOC}_{10}\text{H}_{19}-$ на $-\text{OCO}-\text{CH}_2-\text{O}-\text{C}_{10}\text{H}_{19}-$ вызывает уменьшение угла наклона примерно в три раза, что влечет за собой значительное увеличение шага спирали. Поэтому эти системы, несмотря на неблагоприятный угол наклона, вызывающий потерю контрастности, перспективны, т. к. характеризуются сравнительно малыми управляющими напряжениями, которые обратно пропорциональны величине шага.

ქ. ვინოკური, ქ. ჯაფარიძე, გ. შილაია, ლ. შარაშიძე,
ჭ. ელაშვილი

ახალი მატიკურად არტიური ნივთიერებაზე თხევად
რჩისტალები სეგნეტოელექტრონიკის
ინდუსტრიაზირების თაობის

რეზიუმე

აღწერილია ქოლესტერინის, 1-მენთოლისა და ტიგოგენინის ეთერების
სინთეზი აქცეპტორით გვერდით ჭაჭვიში. მოტანალია მათ მიერ თხევად კრის-
ტალებში სპირალური დახვევისა და სეგნეტოელექტრული თვისებების ინდუ-
ცირების კვლევის შედეგები.

K. D. VINOKUR, K. G. JAPARIDZE, G. S. CHILAYA, L. K. SHARASHIDZE,
Z. M. ELASHVILI

THE NEW OPTICALLY ACTIVE MATERIALS FOR INDUCTION OF FERROELECTRICITY IN LIQUID CRYSTALS

Summary

The synthesis of new ethers of 1-menthol, cholesterol and tigogenin with an acceptor in the side-chain was described. The results of induction of helical twist and ferroelectric properties of the obtained new ethers in liquid crystals are given.

ლიტერატურა — ЛИТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Чилая Г. С. Физические свойства и применение жидкких кристаллов с индуцированной спиральной структурой. Тбилиси: Мецниереба, 1985.
2. Синтез органических препаратов. Сб. 8, ИХ, 1958, 75.
3. Вейганд-Хильгетаг. Методы эксперимента в органической химии. М.: Химия, 1968, 215.
4. Ж. Всес. Хим. о-ва им. Д. И. Менделеева, 1983, 27, 117.
5. Синтез органических препаратов. Сб. 3, ИХ, 1952, 292, 477.
6. Логинов Б., Чилая Г. С. ПТЭ, 1987, № 6, стр. 207.
7. Винокур К. Д., Пикин С. А., Тавзарашвили С. П., Чилая Г. С., Элашвили З. М. Кристаллография, 1990, 35, I, 127.

УДК 537:312:541.128

Ш. И. СИДАМОНИДЗЕ, Г. В. ЦИЦИШВИЛИ, Г. О. ГЛОНТИ,
К. М. МАРЧИЛАШВИЛИ, М. П. МАТУШЕВСКАЯ

АДСОРБЦИЯ ВОДЫ НА $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ КЕРАМИКЕ

Изучение влияния среды на физико-химические характеристики высокотемпературных керамических сверхпроводников (ВТСП) является актуальной задачей. В частности, важное значение имеет определение механизма взаимодействия воды с поверхностью керамики, так как водяной пар (или конденсированная влага) активно способствует ухудшению сверхпроводящих свойств ВТСП [1]. Так, при контакте иттрий-бариевой керамики с парами воды на первом этапе в структуре ВТСП образуются планарные дефекты через каждые 5—6 слоев бария, а затем происходит объемное разрушение кристаллической решетки [2]. Механизм протекания этого процесса пока не установлен.

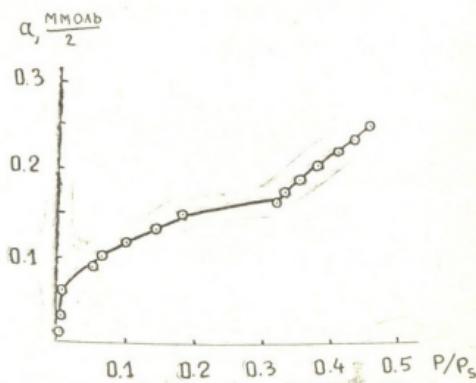


Рис. 1. Изотерма адсорбции воды на $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$

В данной работе калориметрическим методом исследована адсорбция воды на ВТСП-керамике состава $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ при 30° . Измерения проводились в дифференциальном микрокалориметре типа Кальве, соединенном с объемной адсорбционной установкой. Точность определения величин адсорбции составляет 1—2%, а дифференциальных теплот адсорбции — 3—4%. Образец ВТСП был получен стандартным керамическим методом: высокодисперсная однородная смесь порошков Y_2O_3 , BaCO_3 и CuO нагревалась при 940° в течение 4 часов в атмосфере воздуха. Процедура повторялась несколько раз с промежуточным измельчением продукта. Для получения сверхпроводящей керамики образец медленно охлаждался до комнатной температуры со скоростью $40^\circ/\text{час}$.

На рис. 1 и 2 представлены полученные нами результаты. Как видно из изотермы адсорбции (рис. 1), в области малых давлений вода слабо адсорбируется на изученном образце; так, при $P/P_s = 0,1$ величина адсорбции составляет всего 0,1 ммоль/г. Очевидно, керамика состава $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ не обладает развитой пористой структурой, и вода адсорбируется в основном на поверхности кристаллитов. С повышением давления при $P/P_s = 0,3$ адсорбция воды резко возрастает и при $P/P_s = 0,45$ адсорбируется около 0,25 ммоль/г воды. В работе [3] высказано предположение, что при адсорбции воды на керамике состава $\text{RBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ кислород молекул воды может занимать в структуре две позиции: 1) кислородные вакансии в базальной $\text{Cu}-\text{O}$ плоскости и 2) между двумя атомами $\text{Cu}(2)$ в R-катионсодержащей плоскости. По-видимому, в случае $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ вода первоначально адсорбируется около кислородных вакансий, а при $P/P_s = 0,3$ начинается заполнение объема вокруг катионов Y^{3+} .

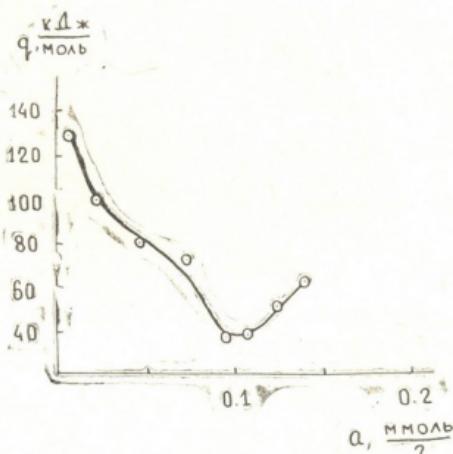


Рис. 2. Теплоты адсорбции воды на $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$

О сложном характере взаимодействия молекулы воды с поверхностью керамики состава $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ свидетельствуют и результаты измерения дифференциальных теплот адсорбции (рис. 2). Как видно, в образце $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ имеются достаточно сильные центры, адсорбирующие воду с теплотами 80—130 кДж/моль, однако их концентрация очень низка (около 0,07 ммоль/г). После заполнения этих центров теплоты адсорбции резко падают до значения 40 кДж/моль, а затем снова возрастают. К сожалению, мы не смогли измерить адсорбцию при более высоких заполнениях, однако из полученных результатов можно заключить, что в керамике состава $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ имеются энергетически неоднородные адсорбционные центры, которые в кристаллической решетке расположены в различных позициях.



წულის ადსორბა $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ კერამიკაზე

რეზიუმე

შესწავლილია წყლის ადსორბცია $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ შედგენილობის მაღალ-
ტემპერატურულ კერამიკულ ზედაპირზე $30^\circ\text{-}35^\circ$. კვლევები ჩატარებულია კალ-
ცეს ტაბს დიფერენციალურ მიკროკალორიმეტრზე, რომელიც შეერთებული
იყო მოცულობით ადსორბციულ დანადგართან. ნიმუში მიღებულია Y_2O_3 ,
 CuO და BaCO_3 ფხვნილების შეცხობით $940^\circ\text{-}35^\circ$ ჰაერის არეში.

ნაჩვენებია, რომ შესწავლილი კერამიკული ნიმუში სუსტად ადსორბირებს
წყალს, ე. ი. მას არ გააჩნია განვითარებული ფორმოვანი სტრუქტურა. ამას-
თან იგი შეიცავს ენერგეტიკულად არაერთგვაროვან ადსორბციულ ცენტრებს,
მათ შორის მცირე რაოდენობით ($\sim 0,07$ მმოლი/გ) ძლიერ ცენტრებს, რომ-
ლებზედაც წყალი ადსორბირდება $80\text{--}130$ კგ/მმოლზე სითბოებით. გამოთ-
ქმულია მოსაზრება კრისტალურ მესერში ადსორბციული ცენტრების შესაძ-
ლო ადგილმდებარეობის შესახებ.

Sh. I. SIDAMONIDZE, G. V. TSITSISHVILI, G. O. GLONTI,
K. M. MARCHILASHVILI, M. P. MATUSHEVSKAYA

WATER ADSORPTION ON $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ CERAMICS

Summary

The results of measurements of adsorption differential heats indicate a complicated character of water molecules interaction with the ceramic surface of $\text{YBa}_2\text{Cu}_3\text{O}_{7-\delta}$ composition. It was revealed, that there are energetically nonhomogeneous adsorptive centers, which take different positions in the crystalline lattice of the named ceramics.

ლიტერატურა — ЛИТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Еремина Е. А., Олейников Н. Н., Нефедов В. И., Соколов А. Н.
ЖВХО им. Д. И. Менделеева, 1989, 34, 4, 528.
2. Hyde B. G., Thompson I. G., Withers R., L. Fitzgerald J. G., Stewart A. M., Bevan D. J. M., Anderson J. S., Bitemead J., Paterson M. S. Nature, 1987, 327, 402.
3. Еремина Е. А., Ярославцев А. Б., Олейников Н. Н., Стрелков А. В.,
Третьяков Ю. Д. Сверхпроводимость: физика, химия, техника, 1989, 2,
7, 13.



КРАТКИЕ СООБЩЕНИЯ

УДК 547.972

Э. П. КЕМЕРТЕЛИДЗЕ, Л. Н. ГВАЗАВА, М. Д. АЛАНИЯ

ЖЕКОЗИД И ДИГИЦИТРИН ИЗ ЛИСТЬЕВ *DIGITALIS ELIATA*

Ранее из листьев *Digitalis ciliata* Trautv. наперстянки реснитчатой были выделены флавоноиды: лютеолин, апигенин, дракоцефалозид, цинароэозид, непетрин и гиспидулин-7-O- β -D-глюкопиранозид [1—3]. В данном растении обнаружены еще два флавоноида в незначительном количестве. С целью их выделения растительное сырье экстрагировали 80° спиртом; спирт упаривали, водную жидкость очищали хлороформом, а затем извлекали этилацетатом; растворитель отгоняли. Остаток хроматографировали на колонке с силикагелем марки «КСК», элюируя хлороформом и его смесью с метанолом. Из элюатов, полученных смесью хлороформ-метanol в соотношениях 49:1 и 19:31, получали вещества I и 2 соответственно.

Вещество 1 — желтого цвета игольчатые кристаллы, состава $C_{21}H_{22}O_{10}$. М. м. — 432 (спектрофотометрически [4], теоретически 434); т. пл. 175—177° (из метанола); дает положительные реакции по Бриантю; $[\alpha]_D^{20} +0^\circ$ (с 0,5; $CHCl_3$). В УФ-свете имеет темное свечение. По растворимости, цветным реакциям, хроматографической подвижности аналогично дигицитрину, описанному в литературе [5]. УФ-спектр, C_2H_5OH нм: 337, 283; добавление ацетата натрия, ацетата натрия/

борной кислоты и этилата натрия батохромию не вызывают. В ИК-спектре (KBr) отмечаются интенсивные полосы при 3400 и 2980 cm^{-1} , характерные для OH- и OCH_3 -групп.

Сплавление со щелочью метилированного продукта вещества I привело к двум соединениям. Одно из них сравнением с достоверным образцом идентифицировали как три-0-метил-галловую кислоту, а второе — 2-окси-3,4,5,6-гентаметоксицетоферон [5]. Такие продукты могут получаться при 5,3'-окси-3,6,7,8,4',5'-метокси замещении во флавоноидном ядре.

На основании полученных данных и литературных сведений вещество I нами охарактеризовано как дигицитрин или 5,3'-диокси-3,6,7,8,4',5'-гексаметоксифлавон [5].

Вещество 2 — имеет состав $C_{23}H_{24}O_{12}$; М. м. 360 (спектрофотометрически [4], теоретически 358); т. пл. 223—226° (из разбавленного спирта); УФ-спектр, $\lambda_{max} C_2H_5OH$, нм: 343, 275; + $AlCl_3$ 371,277; + $AlCl_3/HC_1$ 365, 275; + CH_3COONa 403, 349, 276; + CH_3COONa/H_3BO_3 350, 345, 276.

Сплавление гликозида со щелочью дает ванилиновую кислоту. Кислотным гидролизом (смесь Килиани [6]) и 0,5%-ным раствором щелочи [7] расщепляется на D-глюкозу и хроматографически однородный агликон с т. пл. 220—222°; УФ-спектр, $\lambda_{max} C_2H_5OH$, нм: 352, 278; его ацетилпроизводное плавится при 215—217°. Агликон идентифицирован как жекозидин или 5,7,4'-тригидрокси-3', 6-диметокси-флавон [8].

Таким образом, вещество 2 нами охарактеризовано как 5,4'-дигидрокси-3',6-диметоксифлавон-7-0- β -D-моноглюкопиранозид или жеко-ЖЕКО
зид [8, 9].

Указанные вещества из данного растения выделены и охарактеризованы впервые.

Институт фармакохимии
им. И. Г. Кутателадзе АН Грузии

Поступило 24.07.90

ქ. რივერტონი, ლ. გვარავა, გ. ალანია

შეკვეთი და დიგიციტრინი DIGITALIS CILIATA -ს ფლორული და დიგიციტრინი 5,3'-დიოქსი-3, 6, 7, 8, 4', 5'-ჰემი-6, 7-0- β -D-გლუკოპირანოზი

რ ე ზ ი უ მ ე

წამწამოვანი სათითურას ფლორულის ეთილაცეტატიანი ჭამიდან იზოლირებულია ორი ყვითელი ფერის ქრისტალური ნივთიერება, რომლებიც იძლევიან დამახასიათებელ რეაქციებს ფლორული და გლუკოპირანოზებზე.

ლობის ტემპერატურით, ფიზიკურ-ქიმიური თვისებებით, ულტრაინფრა სპექტრით ნივთიერება 1 დახასიათებულია როგორც დიგიციტრინი ანუ 5,3'-დიოქსი-3, 6, 7, 8, 4', 5'-ჰემი-6, 7-0- β -D-გლუკოპირანოზი და უკონტიდი ანუ 4',5-დიგიდროქსი-3'-6-დიმეტოქსი-ფლორული 7-O- β -D-გლუკოპირანოზიდი.

KEMERTELIDZE E. P., GVAZAVA L. N., ALANIA M. D.

**JACEOSID AND DIGICITRIN FROM THE LEAVES OF
DIGITALIS CILIATA**

Summary

Two crystal substances of bright yellow colour have been separated from the leaves of *Digitalis Ciliata* Trautv. They have characteristic reaction on flavonoids.

On the basis of physico-chemical characteristics and UV spectra data 1 is identified as digicitrin or 5,3'-dioxy-3,6,7,8,4',5'-hexamethoxyflavon and 2 is identified as 4'5-dihydroxi-3',6-dimethoxy-flavon-7-0- β -D-glucopyranosid or jaceosid.

ლიტერატურა — ЛИТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Кемертелидзе Э. П. Химия природ. соедин., 1969, № 5, с. 440; 1975, № 5, с. 653—654.
2. Гвазава Л. Н. Химия природ. соедин., 1976, № 6, с. 818—819.
3. Гвазава Л. Н., Алания М. Д., Кемертелидзе Э. П. Химия природ. соедин., 1987, № 3, с. 448—449.
4. Оганесян Э. Т., Шинкаренко А. Л., Симонян А. В., Фролова В. И. Химия природ. соедин., 1972, № 1, с. 57—59.
5. W. Meuer, A. Furst, Helv. Chim. Acta, 1932, v. 45, с. 232—237.
7. Алания М. Д. Химия природ. соедин., 1977, № 5, p. 646.
8. Hierman, A. Planta medica, 1978. N4., P. 443—444.
9. Wagner, H. Höger R. Murakami T. Farkas L. Chem. Ber. 1973, v. 106, p. 20—27.

УДК 547.915.665.3

Ц. М. ДАЛАКИШВИЛИ, Т. А. ПХЕИДЗЕ

ИССЛЕДОВАНИЕ ЖИРНОКИСЛОТНОГО И СТЕРИНОВОГО СОСТАВА ЛИСТЬЕВ *Yucca gloriosa* L.

В производстве тигогенина [1—3] при форэкстракции листьев юкки славной хлороформом или дихлорэтаном удаляется основная часть балластных веществ.

В хлороформном экстракте ТСХ анализом обнаружены стерины, лизоглицерини, свободные жирные кислоты, триацилглицерини, углеводороды и вещества неустановленной природы.

Для определения жирнокислотного состава хлороформный экстракт подвергали метанолизу [4]. Очищенную сумму метиловых эфиров анализировали на газожидкостном хроматографе «Хром-4». В ней установлено наличие (%): маргариновой — 9,9, пальмитиновой — 25,88, стеариновой — 1,93, олеиновой — 11,83, линолевой — 50,41 кислот.

Адсорбционным хроматографированием хлороформного экстракта на колонке силикагеля, применяя в качестве подвижной фазы петролейный эфир, бензол, бензол-хлороформ, элюирован β -ситостерин с сопутствующими веществами.

Выделение стеринов осуществляли из неомыляемой части объединенных фракций. После перекристаллизации из метанола получены белые игольчатые кристаллы с т. пл. 135—138°. ГЖХ анализом, на приборе «Varian aerograph» с пламенно-ионизационным детектором, эти кристаллы оказались смесью β -ситостерина — 71,2%, холестерина — 19,9% и неидентифицированного стерина — 8,9%. Их многократной препартивной хроматографией и перекристаллизацией суммы стеринов получили соединение с т. пл. 137°, ГЖХ анализом которого доказано, что оно является индивидуальным β -ситостерином. Ацетилприводное выделенного β -ситостерина плавится при 126°, а бензоат — 144°.

Институт фармакохимии

им. И. Г. Кутателадзе АН Грузии

Поступило 27.02.90

С. ღალაძევილი, Т. ღხეიძე

YUCCA GLORIOSA - ს ფოთლების ცხილოვანი განვაჭისა და სტერინების გამოკვლევა

რ ე ზ ი უ ბ ე

ტიგოგენის წარმოებისას დიდებული იუკას ფოთლების ფორექსტაქტში გაზერომატოგრაფიული მეთოდით დადგენილია მარგარინის — 9,9%, პალმიტინის — 25,88%, სტეარინის — 1,93%, ოლეინის — 11,83% და ლინოლის მენევას — 50,41% არსებობა.

ფორექსტაქტის გაუსაპნავი ნაწილიდან ადსორბციული ქრომატოგრაფიით გამოყოფილია ფრაქცია β -სიტოსტერინისა. გაზერომატოგრაფიული ანალიზით მასში გამოვლენილია β -სიტოსტერინი — 71,2%, ქოლესტერინი — 19,2% და არაიდენტიფიცირებული სტერინის — 8,9%.

მრავალჯერადი პრეპარატული ქრომატოგრაფიით და გადაკრისტალებით
მიღებულია ინდივიდუალური β -სიტოსტერინი ლლობის ტემპერატურით 137°,
აცეტილურმოებული ლლობის ტემპერატურით 126° და ბენზოატწარმოებული
ლლობის ტემპერატურით 144°.

Ts. M. DALAKISHVILI, T. A. PKHEIDZE

THE STUDY OF FATTY ACID AND STERINE CONTENTS OF THE
LEAVES OF YUCCA GLORIOSA L.

S u m m a r y

Using GLC method we have established the presence of various acids in the foreextract of *Yucca Gloriosa* leaves and the wastes of tigogenin production (%): margarine acid—9,9, palmitin acid—25,88, stearine acid—1,93, oleic acid—11,83, linolic acid—50,41.

— Sitosterin was isolated from the nonsaponified part of the foreextract by method of absorption chromatography. GLC analysis detected that β -sitosterine was a mixture of (%); β -sitosterine — 71,2; cholesterol — 19,2 and nonidentified sterine—8,9.

In the result of MPC and after recrystallization we have obtained an individual β -sitosterine composition, m. p. 137°, m. p. of its acetyl derivative is—126°, benscate—144°.

ლიტერატურა — ЛИТЕРАТУРА — REFERENCES

1. Кемертелидзе Э. П., Пхеидзе Т. А., Карчхадзе М. Г., Бочоришвили Б. С. Сообщения АН ГССР, 1972, 3, 605.
2. Пхеидзе Т. А., Кемертелидзе Э. П. ХФЖ, 1976, 11, 127.
3. Пхеидзе Т. А., Кемертелидзе Э. П., Элисабедашвили Т. А., Сепашвили И. Н. Авт. свид. № 549154, Бюлл. № 9.
4. Rahm I. L., Helman J. Lipid. Res., 1964, 5, 169.



УДК 541.621

Г. А. ГАМЗИАНИ, Л. Л. ДЖИБУТИ, С. Д. БОКУЧАВА

КОЛИЧЕСТВЕННОЕ ОПИСАНИЕ ТЕОРЕТИЧЕСКИ ДОПУСТИМЫХ ВНУТРИМОЛЕКУЛЯРНЫХ ПРЕВРАЩЕНИЙ ОРГАНИЧЕСКИХ СОЕДИНЕНИЙ

Применение математических методов для описания органических реакций издавна привлекает внимание химиков [1] и является не до конца решенной задачей теоретической органической химии. Среди работ, посвященных этой проблеме, наиболее общий характер имеют матричное описание органических реакций Уги и Дугунджи [2, 3] и формально-логический подход (ФЛП) к органическим реакциям, развитый Н. С. Зефировым и С. С. Трачом [4—8]. Одной из конкретных задач ФЛП является логически обоснованный вывод и последующий анализ так называемых символьических уравнений, описывающих всевозможные структурные изменения в ходе органических реакций.

Используя классификацию многоцентровых процессов с циклическим электронным переносом (ЦЭП) [5], нами была проведена количественная запись всех возможных внутримолекулярных превращений органических соединений на основании количества следующих типов реакций: рециклизация — A, циклизация — B, перегруппировка — C, циклофрагментация — D, олиго-циклофрагментация — E, фрагментация — F, олиго-фрагментация — G, циклоприсоединение — H, олиго-циклогипросоединение — I, присоединение — J, олиго-присоединение — K и циклодисмутация — L. В рамках такого подхода всевозможные внутримолекулярные превращения для любого органического соединения можно записать как:

$$A_a B_b C_c D_d E_e F_f G_g H_h I_i J_j K_k L_l, \quad (1)$$

где a, b, \dots, l — количества A, B, ..., L групп. Записанное при помощи A_a, B_b, \dots, L_l символов, выражение назовем семейством внутримолекулярного превращения органического соединения.

С помощью компьютерной программы ФЛАМИНГО [8] был проведен исчерпывающий поиск всех возможных внутримолекулярных перераспределений связей скелета молекулы тиоциклобутана:



В таблице 1 приведены наборы порядковых номеров так называемых обычных и специфических реакционных центров (РЦ) [4] реакционных уравнений, описывающие процессы с ЦЭП и типы соответствующих реакций (под обычным РЦ понимается такой атом, который в ходе реакции не меняет свою валентность, а под специфическим РЦ — такой атом, который в ходе реакции уменьшает или увеличивает свою

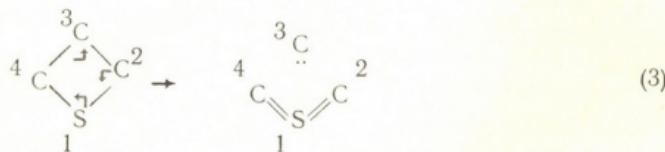
валентность на две единицы). В таблице обычными РЦ являются такие атомы, номера которых не содержат в правом верхнем углу знаки «—» или «+», а те атомы, номера которых содержат выше упомянутые знаки, являются специфическими РЦ и соответственно уменьшены.

Таблица 1

Теоретически допустимые внутримолекулярные превращения скелета тиоциклобутана

Порядковые номера РЦ	Типы соответствующих реакций	Обозначение типов
1-24	Фрагментация	F
1+34	Перегруппировка	C
134-	Фрагментация	F
23-4	Фрагментация	F
1234	Циклофрагментация	D
1-2-34	Олигоциклофрагментация	E
1+23-4	Циклофрагментация	D
123-4-	Олигоциклофрагментация	E
1-2-3-4-	Олигоциклофрагментация	E

шают (—) или увеличивают (+) свою валентность на две единицы. Так, например, набору РЦ 1+23-4 соответствует следующее внутримолекулярное превращение:



циклофрагментация.

Таким образом, семейство внутримолекулярного превращения скелета тиоциклобутана имеет вид:



Исходя из фундаментальной теоремы ФЛП [4], в которой говорится, что ЦЭП на Р нечетное количество РЦ требует присутствия в символическом (реакционном) уравнении 1,3,5,...,R количества специфических РЦ, а R четное количество РЦ — 0,2,4,...,R количества специфических РЦ, любой структуре можно сопоставить полином следующего вида:

$$Y_1 X_1^3 + Y_2 X_2^3 + Y_3 X_3^4 + Y_4 X_4^4 + Y_5 X_5^4 + \dots + Y_N X_N^M, \quad (5)$$

где Y_i указывает количество символических (реакционных) уравнений, содержащих M число общих (верхний индекс) и N специфических (нижний индекс) центров — X. Полином (5) для скелета тиоциклобутана имеет вид:

$$4X_1^3 + X_2^4 + 3X_3^4 + X_4^4 \quad (6)$$

По нашему мнению, полином (5) в дальнейшем может послужить источником новых топологических индексов органических соединений [9].

ორგანიზაცია ნავთონა თეორიულად დასავალი უიდამოლექულური
გარდაკმნის რაოდენობის აღმოჩენა

რ ე ზ ი უ მ ე

განხილულია მოცემული მოლექულური ფორმულის მქონე ორგანული
ნაერთების თეორიულად დასაშვები შიდამოლექულურ გარდაქმნათა ოჯახი.
თიოციკლობუტანისათვის მოყვანილია ყველა შესაძლო შიდამოლექულურ გარ-
დაქმნათა ერთობლიობა.

G. A. GAMZIANI, L. L. DJIBUTI, S. D. BOKUCHAVA

THE QUANTITATIVE DESCRIPTION OF THEORETICALLY POSSIBLE INTERMOLECULAR TRANSMUTATIONS OF ORGANIC COMPOUNDS

Summary

The work presents the method of quantitative description of theoretically possible intermolecular transmutations of organic compounds which have been carried out.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Алексеев В. Г. О совпадении методов формальной химии и символической теории инвариантов. СПБ, 1901, 35 с.
2. Dugundji J., Gillespie P., Marquarding D., Ugi I., Ramires F. In: Chemical Applications of Graph Theory (Ed. Balaban A. T.). Academic Press, London, 1976, p. 107—174.
3. Ugi I., Bauer J., Brandt W., Friedrich J., Gasteiger J., Jochum C., Schubert W. MATCH, 1979, №6, 159.
4. Зефиров Н. С., Трач С. С. Ж. орг. Хим., 1975, т. 11, в. 2, 225.
5. Зефиров Н. С., Трач С. С. Ж. орг. Хим., 1975, т. 11, в. 9, 1785.
6. Зефиров Н. С., Трач С. С. Ж. орг. Хим., 1976, т. 12, в. 1, 7.
7. Трач С. С., Зефиров Н. С. Ж. орг. Хим., 1982, т. 18, в. 8, 1561.
8. Зефиров Н. С., Трач С. С. Ж. орг. Хим., 1981, т. 17, в. 12, 2465.
9. Станкевич М. И., Станкевич И. В., Зефиров Н. С. Усп. хим., 1987, т. VII, в. 3, 337.

УДК 547.855.7

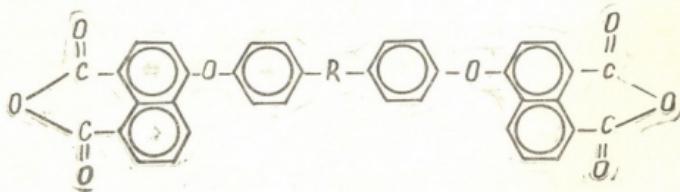
А. Л. РУСАНОВ, К. Т. ДЖАШИАШВИЛИ, Е. Г. БУЛИЧЕВА, Т. В. ЛЕКАЕВ,
З. Я. ЕДЛИНСКИЙ, М. К. КЕРЕСЕЛИДЗЕ

НОВЫЕ БИС(ЭФИРОНАФТАЛЕВЫЕ АНГИДРИДЫ) НА ОСНОВЕ ХЛОРАЛЯ

Использование хлораля в качестве «ключевого» соединения для получения различных конденсационных мономеров привлекло значительное внимание исследователей в последние 20 лет, что явилось следствием резкого сокращения выпуска ДДТ и, соответственно, вы-
свобождения значительных количеств хлораля [1].

Таблица 1

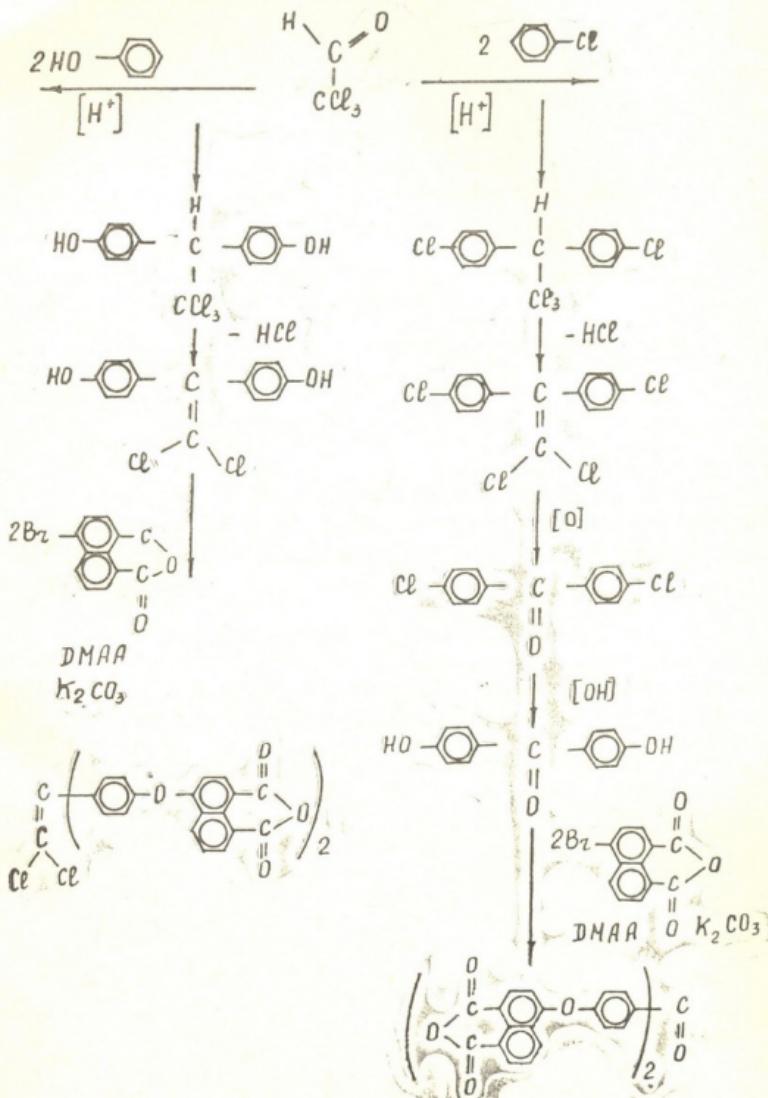
Некоторые характеристики БЭНА общей формулы



— R —	T. пл., °C	Элементный анализ			ИК — спектры	Выход, %
		Найдено Вычислено		%		
		C	H	Cl		
— C — O	287—289	73,39 73,27	3,39 2,99	—	1840, 1860 CO ангидрида 1680 CO диарилкетона 1240 O диарилэфира	12
— C — Cl Cl	255—262	66,49 67,47	2,93 2,68	10,90 10,53	1840, 1860 CO ангидрида 840, 980 C—Cl 1230 O диарилэфира	20

В рамках данного исследования мы предприняли попытку получения новых бис(эфиронафтальевых ангидридов) (БЭНА) являющихся исходными соединениями для получения полинафталимидов, полинафтоиленбензимидазолов и поминафтоилен-S-триазолов, содержащих в каждом элементарном звене макромолекулы не менее двух простых эфирных связей. БЭНА были получены в соответствии с [2, 3] взаимодействием двукратного мольного количества 4-бромнафталевого ангидрида с калиевыми солями 4,4-диксибензофенона и 1,1-дихлор-2,2-ди(4-оксифенил)-этилена-производных хлораля.

Обобщенная схема синтеза БЭНА на основе хлораля может быть представлена следующим образом:



Строение БЭНА было подтверждено данными элементного (табл. 1), ИК-спектрального анализа (табл. 1), а также получением на их основе модельных соединений и полимеров, которые будут описаны в последующих публикациях.

Институт неорганической химии и
электрохимии АН Грузии

Поступило 05.06.1990

ა. რუსანოვი, ქ. ჯაშიაშვილი, ბ. გულიძეოვა, თ. ლეკაევი,
ზ. ედლინსკი, მ. კერესელიძე

ახალი ბის (ეთერნაფტალური) ანჰიდრიდები ქლორალის
საფუძვლები

რეზიუმე

სინთეზირებულია ბის(ეთერნაფტალური ანჰიდრიდები), რომლებიც გა-
მოიყენებიან საწყისს ნივთიერებებად პოლინაფტოილენბენზიმიდაზოლების,
პოლინაფტილიმიდებისა და პოლინაფტოიდენ — S-ტრიაზოლების მისაღებად.

A. L. RUSANOV, K. T. JASHIASHVILI, E. G. BULYCHEVA, T. V. LEKAEV,
Z. Ya. EDLINSKY, M. K. KERESELIDZE

NEW BIS (ETHERNAPHTALENE ANHYDRIDES) ON THE BASIS OF CHLORAL

Summary

This article is dedicated to the synthesis of bis(ethernaphthalene anhydrides) which are the initial combinations to receive polynaphtalimides, polynaphtalenebenzimidazols, polynaphtalene—S-triazoles.

ლიტერატურა — REFERENCES

1. Коршак В. В., Русанов А. Л., Успехи химии, 1989, 58, 6.
2. Yedlinski Z., Kowalski B., Gaik U. Macromolecules, 1983, 16, 522 — 526.
3. Yedlinski Z., Gaik U., Kowalski B. Пат. ПНР, № 131, 685, РЖХ, 1986, 18C 554П.

სამოწმოა საძირბელი

- ანდრინიკაშვილი გ. № 1, 23; № 4, 277
 ახობაძე დ. № 1, 23; № 2, 117
 აფხაზება ი. № 1, 27; № 4, 266
 ანდრინიკაშვილი თ. № 1, 47; № 2, 91; № 3,
 201
 ალოლაშვილი გ. № 2, 91
 ალანიოვი ა. № 2, 117
 აბაშიძე ლ. № 2, 118
 ანელი ჭ. № 2, 159
 ატამანენკო ო. № 3, 194
 ანტონვა ტ. № 3, 194
 ალანია გ. № 4, 309
- ბარნაბიშვილი ღ. № 1, 35
 ბანიძე ო. № 1, 52
 ბალდევიძე ჭ. № 1, 59; № 4, 289
 ბალაშვილი შ. № 1, 74; № 2, 154
 ბაგრატიშვილი გ. № 2, 128
 ბროუნეკი ფ. № 3, 169
 ბაბილაშვილი გ. № 3, 169
 ბაბაბაძე შ. № 3, 190
 ბერეჟანი გ. № 3, 220
 ბახტაძე გ. № 4, 253
 ბერიაშვილი გ. № 4, 266
 ბოკუჩავა ს. № 4, 313
 ბულინოვა გ. № 4, 316
 ბიტიევი შ. № 4, 270
- გაგოლიშვილი გ. № 4, 266
 გაგაური რ. № 1, 21; № 2, 105
 გვარიშვილი გ. № 1, 21
 გვგაური რ. № 1, 21; № 4, 276
 გორგობანი გ. № 1, 23
 გავაშელიძე გ. № 1, 27
 გალაშვილი გ. № 1, 27
 გოგოძე გ. № 1, 35
 გველესანი გ. № 1, 59
 გვურინდველი გ. № 1, 70
 გამზიანი გ. № 1, 79; № 4, 313
 გოგორიშვილი რ. № 1, 70
 გვერდწილელი გ. № 1, 79
 გარსევანიშვილი ო. № 2, 156
 გოზალვა ა. № 3, 169
 გრადილი ო. № 3, 201
 გოგიტიძე გ. № 3, 201
 გომრგაძე ი. № 3, 215
 გველესანი ზ. № 3, 229; № 4, 247
 გველესანი გ. № 4, 280
 გვარიშვილი გ. № 4, 276
 გვაზავა ლ. № 4, 309
- დოლიძე ლ. № 1, 21
 დონტურიშვილი ბ. № 1, 27
- დებუადე ბ. № 2, 148
 დრაკინი ლ. № 3, 225
 დალაქიშვილი ც. № 4, 311
 ესაკია კ. № 1, 17; № 2, 109
 ეგრიკაშვილი ლ. № 1, 47; № 2, 91
 ეგიახაროვა ი. № 3, 220
 ელაშვილი ზ. № 3, 227; № 4, 302
 ელისევა გ. № 4, 259
 ედლინსკი ზ. № 4, 316
- ვაჩაძე გ. № 1, 21
 ვაწაძე ზ. № 1, 70
 ვარდოსანიძე გ. № 3, 123
 ვასერბერგი გ. № 3, 194
 ვაშაკიძე ო. № 3, 227
 ვინკური კ. № 4, 302
- ჭურაბიშვილი ც. № 3, 227
- თარაშვილი ნ. № 1, 60
 თუშელიშვილი გ. № 2, 122; № 4, 225
 თოფურიძე ნ. № 2, 144
 თელია ნ. № 2, 99
 თავართვილიძე ი. № 3, 220
 თავაძე ფ. № 3, 236
- ოლსავა ი. № 1, 60
 ინგია გ. № 2, 105
- ჭულუმბეგაშვილი ვ. № 1, 12
 კორძიძე თ. № 1, 47
 კალინიჩევა თ. № 1, 60
 კვანტრიშვილი გ. № 2, 118
 კლდიაშვილი ლ. № 2, 144
 კაპანაძე გ. № 2, 148
 კარიაული გ. № 3, 169
 კაციტაძე გ. № 3, 175
 კაჭკვივა გ. № 3, 175
 კაჯრიაშვილი ნ. № 3, 201
 კობახიძე ე. № 3, 205
 კიკაძე ლ. № 3, 229; № 4, 247
 კუპრაშვილი ბ. № 3, 233
 კერესელიძე გ. № 4, 316
- ლაშები ბ. № 1, 70
 ლობეანიძე გ. № 2, 144
 ლეგიშვილი ნ. № 3, 175
 ლაფერაშვილი თ. № 4, 253
 ლექავა თ. № 4, 316
- მაისურაძე ნ. № 1, 27
 მდინარეშვილი ო. № 1, 76; № 3, 215

- Յուլցիս Յ. № 2, 96
 Յանշաղալուս ռ. № 2, 99
 Յցըլուս ք. № 2, 118
 Յոլումանշաղալուս թ. № 2, 118
 Յոնցըլուս թ. № 2, 148
 Յցըլուս ք. № 3, 194
 Յցըլուս ք. № 3, 215
 Յցըլուս ք. № 3, 233
 Յամցուհուս թ. № 4, 280
 Յշմլուս թ. № 4, 253
 Յօնցուհուս թ. № 4, 259
 Յանցըլուս ք. № 4, 306
 Յանցիլաշաղալուս ք. № 4, 306
 Յանցուհուս թ. № 2, 128
 Յանցուհուս թ. № 2, 144
 Յօնցուհուս թ. № 2, 144
 Յայուս թ. № 3, 175
 Յօնցուհուս թ. № 3, 240
 Ասելուրուհուս թ. № 1, 12
 Առնուհուս թ. № 1, 17; № 2, 109
 Առնուհուս թ. № 1, 23
 Այրուհուս թ. № 1, 35
 Յանցուհուս թ. № 1, 27, № 2, 110
 Յցըլուս թ. № 1, 17
 Յանցուհուս թ. № 2, 154
 Յցըլուհուս թ. № 3, 210
 Իայցուհուս թ. № 1, 34
 Իուհուս թ. № 1, 70
 Իուսանցուհուս թ. № 4, 316
 Խայցուհուս թ. № 1, 35
 Խերուհուս թ. № 1, 52
 Խոնցուհուս թ. № 1, 74
 Խայարանցուհուս թ. № 2, 105
 Խըշտուհուս թ. № 2, 109
 Խալուկուհուս թ. № 2, 137
 Խենքուհուս թ. № 2, 144
 Խացուհուս թ. № 3, 183
 Խոյուղուս թ. № 3, 194
 Խոլուցուհուս թ. № 3, 194
 Խորմանցուհուս թ. № 3, 236
 Խանուհուս թ. № 3, 236
 Խացուհուս թ. № 4, 253
 Խոլուցուհուս թ. № 4, 206
 Քուլութուհուս թ. № 2, 117
 Քոնուհուս թ. № 2, 117
 Քամուս պետք-եցլանուս թ. № 3, 183
 Քածուհուս թ. № 3, 190
 Կոհութուհուս թ. № 3, 215
 Կոնցուհուս թ. № 2, 91
 Կոխուհուս թ. № 2, 118
 Կոալութուհուս թ. № 2, 156
 Կոխուհուս թ. № 4, 311
 Ժերյաժուհուս թ. № 1, 70
 Ժյելծոյուհուս թ. № 2, 148
 Ժյուրուհուս թ. № 3, 205
 Ժյերէլուհուս թ. № 4, 309
 Զցուհուս թ. № 3, 220
 Զլոնինուհուս թ. № 4, 306
 Յալուհուս թ. № 1, 34
 Յոյցուհուս թ. № 1, 76
 Յահանուհուս թ. № 3, 169
 Յոյցուհուս թ. № 3, 206
 Յօնցուհուս թ. № 3, 205
 Յահանուհուս թ. № 4, 302
 Բնանուհուս թ. № 1, 35
 Բնանուհուս թ. № 1, 74
 Բնինուհուս թ. № 2, 99
 Բնինուհուս թ. № 3, 183
 Բնելուհուս թ. № 3, 190
 Բնօսուհուս թ. № 3, 194
 Բնօսուհուս թ. № 4, 270
 Յուլուհուս թ. № 1, 34; № 3, 190
 Յուլուհուս թ. № 1, 35; № 4, 306
 Յացարյանշուհուս թ. № 2, 126; № 4, 295
 Յացարյանշուհուս թ. № 2, 126; № 4, 295
 Յուլուհուս թ. № 2, 136
 Յոնցուհուս թ. № 2, 156
 Յումուս թ. № 4, 259
 Յուզուհուս թ. № 4, 259
 Եցանուհուս թ. № 4, 247
 Եցնուհուս թ. № 4, 259
 Էյլաւրուհուս թ. № 1, 34
 Էնձենշուհուս թ. № 1, 35
 Էնթալուհուս թ. № 1, 59; № 4, 289
 Էշենուհուս թ. № 2, 144
 Էնրայուհուս թ. № 3, 183
 Էյլուհուս թ. № 3, 227
 Էռլաւա թ. № 4, 302
 Երամուս թ. № 1, 12
 Ենանշուհուս թ. № 1, 23; № 2, 117; № 3, 175
 Ենինուհուս թ. № 1, 76
 Ենինուհուս թ. № 2, 154
 Ենինուհուս թ. № 3, 215
 Քայլուհուս թ. № 1, 60; № 2, 144; № 3, 227,
 № 4, 302
 Քառշուհուս թ. № 1, 70
 Քոմութուհուս թ. № 1, 79; № 4, 313
 Քանուհուս թ. № 2, 117
 Քոյցուհուս թ. № 2, 148
 Քայլուհուս թ. № 3, 205
 Քամանշուհուս թ. № 4, 316

К СВЕДЕНИЮ АВТОРОВ

1. В журнале «Известия АН Грузии» публикуются статьи в основном на грузинском и русском языках, в которых содержатся результаты исследований теоретического и экспериментального характера по ведущим направлениям современной химии и технологии, а также обзорные статьи.

Периодически публикуется хроника о конференциях, совещаниях, семинарах и других научно-организационных мероприятиях, проводимых в республике.

2. Объем статьи, включая таблицы, рисунки (3 рисунка приравниваются к одной странице), подписи к рисункам, список использованной литературы, резюме на грузинском, русском и английском языках, не должен превышать 12 страниц машинописного текста, отпечатанного через два интервала. С левой стороны оставляются поля шириной 3 см.

Резюме, список использованной литературы, таблицы и подписи к рисункам исполняются на отдельных листах.

3. Объем кратких сообщений не должен превышать 4 страницы машинописного текста. Сообщения могут быть иллюстрированы 1—2 рисунками.

4. Статьи (краткие сообщения) представляются в двух экземплярах с направлением учреждения, решением Ученого совета (кафедры, отдела, лаборатории) об их публикации, с заключением экспертной комиссии.

В начале статьи (слева вверху) пишется индекс УДК, справа вверху указывается раздел журнала, в котором должна быть опубликована статья, затем следуют инициалы и фамилии авторов, заглавие и текст статьи. В конце текста с левой стороны указывается полное название учреждения, в котором выполнена работа. Статья должна быть подписана всеми авторами с указанием на отдельном листе их адресов и телефонов.

5. Изложению экспериментального материала должно предшествовать краткое введение, излагающее цель работы. Далее должно быть приведено описание, обсуждение полученных результатов и заключение. Таблицы, приведенные в тексте, следуют озаглавливать.

6. Формулы и буквенные обозначения должны быть вписаны тушью. Особое внимание следует обратить на изображение индексов и показателей степеней. Во избежание ошибок следует делать ясное различие между прописными и строчными буквами латинского и греческого алфавита.

7. Рисунки должны быть исполнены на белой бумаге или на кальке тушью. На обороте каждого рисунка карандашом пишутся фамилии авторов, заглавие статьи. Рисунки и таблицы должны быть пронумерованы и представлены в двух экземплярах.

8. Цитируемая литература приводится на отдельной странице. Все ссылки даются в написании оригинала. Иностранные фамилии в статье даются в транскрипции основного текста.

Цитируемая литература приводится в следующем порядке:

- для журнальных статей: фамилии и инициалы авторов, название журнала, год, том, номер (серия), страница;
- для книг: фамилии и инициалы авторов, название книги, место издания, издательство, год, том и страница.

Ссылки на неопубликованные работы (кроме диссертаций) не допускаются. Использованная литература должна быть расположена в порядке последовательности цитирования.

9. Обозначение и сокращение физических величин должны соответствовать Международной системе единиц.

10. Рукописи, не отвечающие настоящим правилам, редакцией не принимаются.

11. В журнале статьи публикуются в порядке поступления в редакцию. В случае возвращения автору статьи для доработки, датой представления считается день получения редакцией окончательного текста. В одном номере журнала может быть опубликована одна статья автора и одно краткое сообщение.

12. Редакция согласовывает с автором одну корректуру статьи, в которой исправлению подлежат только ошибки типографии, никакие дополнения или изменения первоначального текста не допускаются.

Редакция бесплатно выдает авторам 12 отдельных оттисков статьи.

660/15

Цена 1 руб.

Индекс 76203



ISSN - 0132-6074 Изв. АН Грузии, сер. химическая, 1991, т.17, №4, 241-320